THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 156 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.8 2079 **शुक्रवार, 19 अगस्त 2022**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये**

सुभाष चंद्र बोस की अस्थियों का हो डीएनए टेस्ट

कोलकाता, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की बेटी अनिता बोस फाफ ने जापान के रेनकोजी मंदिर में रखी राख-अस्थियों का डीएनए टेस्ट कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही इस बारे में जापान व भारत की सरकारों से संपर्क करेंगी, ताकि नेताजी को लेकर रहस्यमयी गुत्थियों को सुलझाया जा सके। आज नेताजी की पुण्यतिथि के मौके पर यह अहम मांग की गई है। एक साक्षात्कार में अनिता बोस ने कहा कि बोस के जीवन के रहस्य को सुलझाना और उनकी अस्थियां भारत लाना क्रांतिकारी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी क्योंकि देश अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। अनिता बोस ने कहा कि वह नेताजी की बेटी होने के नाते अपने जीवनकाल में अपने पिता के जीवन की गुत्थी सुलझाना चाहती है। >12

रायगढ़ में बोट पर मिलीं तीन एके-47

मस्कट से यूरोप जा रही थी ऑस्ट्रेलियाई बोट, हाई टाइड से भारत पहुंची-दुबई की एजेंसी के थे हथियार

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के हरिहरेश्वर तट पर गुरुवार सुबह 8 बजे के करीब समुद्र में एक संदिग्ध बोट मिली। बोट से तीन एके-47 और बुलेट्स बरामद किए गए। हरिहरेश्वर तट से करीब 32 किलोमीटर दूर भारदखोल में एक लाइफ बोट भी मिली, जिसके बाद आतंकी साजिश की आशंका जताई गई। पुलिस ने बोट को रस्सी के सहारे किनारे खींचा। इसमें काले रंग के बॉक्स में एके-47 और गोलियां थीं। पुलिस ने बताया कि जिस बॉक्स में हथियार रखे हुए थे, उस पर अंग्रेजी में नेप्च्यून मैरिटाइम सिक्योरिटी लिखा हुआ है। यह कंपनी ब्रिटेन की है।

इधर, मामले पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और इंडियन कॉस्ट गार्ड का भी बयान सामने आया है, जिसमें फिलहाल आतंकी साजिश जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। हालांकि सुरक्षा के लिहाज से एनआईए और एटीएस की टीम मामले की जांच कर रही है।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने घटना को लेकर बताया कि रायगढ़ जिले के श्रीवर्धन तालुका में 1 बोट मिली है। उसमें तीन एके-47 राइफल बरामद हुई हैं। उसके साथ उसका एम्युनेशन और बोर्ड के कुछ कागजात पाए गए हैं। बोट का नाम लेडी हान है और इसकी मालकिन एक ऑस्ट्रेलियाई महिला हाना लॉन्डर्सगन हैं। उनके पति जेम्स होबर्ट बोट के कप्तान हैं।

मस्कट से यूरोप जा रही थी बोट

फडणवीस ने कहा- यह बोट मस्कट से यूरोप जा रही थी। 26 जून 2022 को इस बोट का इंजन खराब हुआ और इस मौजूद लोगों ने डिस्ट्रेस कॉल किया। कोरियन नेवी की शिप ने इन लोगों को रेस्क्यू किया था। रेस्क्यू करने के बाद इन लोगों को ओमान के हवाले कर दिया गया था।

फडणवीस ने बताया कि हाई टाइड होने के कारण इस बोट की टोइंग नहीं की जा सकी और यह तैरते हुए श्रीवर्धन के समुद्री तट पर पहुंच गई। इंडियन कोस्ट गार्ड ने इसकी पुष्टि की है। हमने अभी तक सुरक्षाबलों को हाई अलर्ट पर रखा है। नाकाबंदी भी जारी है। हम सभी एंगल को ध्यान में रखकर जांच को आगे बढ़ा रहे हैं। क्योंकि फेस्टिवल सीजन है कोई भी रिस्क नहीं लिया जा सकता। टेरर एंगल के सवाल पर फडणवीस ने कहा- प्राथमिक जानकारी के अनुसार अभी तक हमें कोई टेरर एंगल नजर नहीं आया है, लेकिन जांच के बाद ही सबकुछ साफ हो सकेगा।कोस्ट गार्ड के कमांडर जनरल परमेश शिवमणी ने कहा- 26 जून को इस बोट से हमें कॉल किया गया था। तब वो मुश्किल में थे और उन्होंने मदद मांगी थी। ओमान की खाड़ी में इस बोट पर मौजूद चार लोगों का रेस्क्यू किया गया था।

आतंकी साजिश से इनकार नहीं : पुलिस

पुलिस ने इस घटना के पीछे आतंकी साजिश से इनकार नहीं किया है। स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही पूरे रायगढ़ जिले को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

साथ ही समुद्र किनारे के सभी इलाकों की नाकेबंदी कर दी गई है। मौके पर एंटी टेरर स्क्वॉड भी पहुंच गई है। एटीएस चीफ विनीत अग्रवाल ने कहा कि ये आतंकी साजिश भी हो सकती है। बोट दूसरे देश की है या नहीं और इसका मकसद क्या था, हम इसकी भी जांच करेंगे।

8 यू-ट्यूब चैनल्स ब्लॉक

7 भारतीय और एक पाकिस्तानी चैनल दिखा रहे थे देश विरोधी कंटेंट

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश संबंधों और सार्वजनिक व्यवस्था के बारे में दुष्प्रचार करने के लिए 8 यू-ट्यूब चैनलों को ब्लॉक कर दिया है। इनमें 7 भारतीय और 1 पाकिस्तानी यूट्यूब न्यूज चैनल शामिल हैं। इन्हें आईटी एक्ट 2021 के तहत ब्लॉक किया गया है। ब्लॉक चैनलों को 114 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया था। इनके 85 लाख 73 हजार यूजर्स हैं। मंत्रालय के अनुसार इन चैनलों पर फेक और भारत विरोधी कंटेंट परोसा जा रहा था।

ये हैं ब्लॉक चैनलों के नाम

मंत्रालय ने जिन चैनलों को प्रतिबंधित किया है उनमें लोकतंत्र टीवी, यू एंड वी टीवी, एएम रजवी, गौरवशाली पवन मिथिलांचल, सीटॉप 5टीएच, सरकारी अपडेट, सब कुछ देखो, न्यूज की दुनिया (पाकिस्तानी चैनल) शामिल हैं। लोकतंत्र टीवी का फेसबुक पेज भी बैन कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने जुलाई में 78 यूट्यूब न्यूज चैनल को ब्लॉक करने का आदेश दिया था। इससे पहले 5 अप्रैल को आईबी मिनिस्ट्री ने 22 यू-ट्यूब चैनल्स को ब्लॉक कर दिया था। इनमें 4 पाकिस्तान बेस्ड यू-ट्यूब न्यूज चैनल थे। ये सभी नेटवर्क झूठी खबरें फैलाकर भारतीयों को गुमराह करने के मकसद से चलाए जा रहे थे। इनके अलावा 3 ट्विटर अकाउंट, एक फेसबुक अकाउंट और एक न्यूज वेबसाइट को भी ब्लॉक किया गया था।

शाहनवाज हुसैन पर दर्ज होगा रेप का केस

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा-पुलिस का रवैया ढीला था, एफआईआर दर्ज कर 3 महीने में जांच पूरी करे

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। ये आदेश 2018 में भाजपा नेता पर लगे रेप के आरोपों को लेकर दिया गया है। हाईकोर्ट ने पुलिस से कहा कि पुलिस 3 महीने में जांच पूरी कर रिपोर्ट निचली अदालत को सौंपे।

इस बीच, शाहनवाज हुसैन ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है। सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील में शहनवाज ने कहा कि इस मामले की जल्द सुनवाई हो, लेकिन अदालत ने इससे इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट अगले हफ्ते इस मामले पर विचार कर सकती है। दिल्ली की रहने वाली पीड़िता ने जनवरी 2018 में निचली अदालत में याचिका दायर की थी। इसमें शाहनवाज के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराने की अपील की गई थी। महिला का आरोप था कि उन्होंने छतरपुर फार्म हाउस में उसके साथ रेप किया और उसे जान से मारने की धमकी दी थी। पीड़िता ने सीआरपीसी की धारा 156(3) के तहत दिल्ली पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की थी।

बंगाल में बन रहा दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर

जन्माष्टमी आज धूमधाम से मनाई जाएगी

कोलकाता, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े मंदिर का निर्माण अब अंतिम चरण में है। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में स्थित मायापुर में इस्कॉन मुख्यालय में साल 2009 से मंदिर का काम चल रहा है। 700 एकड़ (28 लाख वर्ग मीटर) में फैला परिसर दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर होगा। अब तक सबसे बड़े मंदिर का तमगा कंबोडिया के अंगकोर वाट के पास है, जो करीब 16 लाख वर्ग मीटर में फैला है।

मायापुर में बन रहे मंदिर का उद्घाटन 2023 की होली पर प्रस्तावित था, लेकिन कोरोना के चलते निर्माण में हुई देरी के चलते अब यह 2024 तक संभावित है। मंदिर की विशालता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसकी नींव 100 फीट की है। यानी जमीन में दस मंजिला इमारत के बराबर। मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद एक साथ दस हजार लोग भगवान कृष्ण के दर्शन कर सकेंगे। इस बार 19 अगस्त को जन्माष्टमी यहां धूमधाम से मनाई जाएगी। परिसर में झांकी निकाली जाएगी। एक लाख से ज्यादा भक्त इसमें शामिल होंगे। इस्कॉन के संस्थापक प्रभुपाद जी ने 1971 में मायापुर में तीन एकड़ जमीन खरीदी। 1972 में भूमिपूजन हुआ और 2009 में मंदिर का निर्माण शुरू हुआ। मंदिर के निर्माण का शुरुआती बजट 600 करोड़ रुपए था, लेकिन कोरोना और इसके बाद बढ़ी लागत से बजट एक हजार करोड़ रुपए पहुंच गया।

कार निर्माता कंपनी फोर्ड के मालिक अल्फ्रेड फोर्ड ने 300 करोड़ रुपए दान किए हैं। यह दुनिया का सबसे बड़ा वैदिक मंदिर भी होगा, जहां सिर्फ भगवान रहेंगे। यहां तीन विशाल शिखर बनाए गए हैं। मुख्य शिखर राधा-कृष्ण और पूर्वी शिखर नरसिंह देव का है। रोशनी से हवा तक के लिए प्राकृतिक व्यवस्था रहेगी। 350 फीट ऊंचे मंदिर में 14 लिफ्ट लगाई गई हैं। आमतौर पर प्लेनेटेरियम में ग्रह-नक्षत्र दिखाते हैं, लेकिन श्रीश्री मायापुर चंद्रोदय मंदिर में बन रहे प्लेनेटेरियम में सभी लोक के वर्चुअल दर्शन होंगे। यहां स्थापित सुदर्शन चक्र 20 फीट का है। वहीं कलश 40 फीट ऊंचा है। इस मंदिर में लगने वाले टाइल्स राजस्थान के धौलपुर के साथ ही वियतनाम, फ्रांस, दक्षिण अमेरिका से आए हैं।

राजू श्रीवास्तव की हालत फिर गंभीर

ब्रेन के एक हिस्से में सूजन, बार-बार दौरे पड़ रहे; कैलाश खेर के सुझाव पर महामृत्युंजय का जाप

कानपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव की हालत एक बार फिर गंभीर हो गई है। बुधवार की देर रात से उन्हें बार-बार दौरे पड़ रहे हैं। डॉक्टरों ने उनके सिर का सीटी स्कैन कराया तो दिमाग के एक हिस्से में सूजन मिली है। उनके बड़े भाई सीपी श्रीवास्तव ने बताया, दिमाग में सूजन के चलते पानी मिला है। डॉक्टरों ने हालत चिंताजनक बताई है। परिवार के लोग और कई रिश्तेदार दिल्ली एम्स पहुंचे हैं। राजू श्रीवास्तव के लिए दवा के साथ अब दुआओं का भी सहारा लिया जा रहा है। काशी विश्वनाथ धाम और उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में महामृत्युंजय मंत्र का जाप हो रहा है।

राजू के पीआरओ गर्वित नारंग ने बताया कि न्यूरोलॉजी विभाग के स्पेशल डॉक्टरों की टीम 24 घंटे उनकी हेल्थ पर नजर रख रही है। न्यूरो डॉ. आंचल श्रीवास्तव की देखरेख में उनका इलाज किया जा रहा है। कल शाम को 10 इंजेक्शन बाहर से मंगाए गए थे। >12

नूपुर को जिंदा रहने का हक नहीं : आतंकी हबीबुल

नदीम और फतेहपुर के हबीबुल ने देश के 5 राज्यों में नेटवर्क फैला लिया था। 12 दिन की रिमांड के पहले दिन की पूछताछ में आतंकियों के नेटवर्क के क्लू एटीएस को मिले हैं। पूछताछ में एटीएस अफसरों से हबीबुल ने कहा- देश में गैर इस्लामी लोगों को रहने का कोई अधिकार नहीं।

खासकर नूपुर शर्मा जैसे लोगों को।'' हबीबुल और नदीम के मंसूबों को जानकर एटीएस चौकन्ना हो गई है। जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी नदीम और उसके साथी हबीबुल के साथ सबाउद्दीन को एटीएस ने रिमांड कस्टडी पर लिया। एटीएस इनसे 10 पॉइंट्स पर पूछताछ कर रही है। सोर्स के मुताबिक, उन्हें अलग-अलग कमरों में रखा गया है। पूछताछ में उन्होंने खुलकर धर्म के खिलाफ बोलने वालों पर फिदायीन हमले के फैक्ट कबूल किए हैं। पूछताछ में सामने आया है कि तीनों आतंकियों का यूपी के साथ ही गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड और जम्मू-कश्मीर तक नेटवर्क है। यहां के लोगों से लगातार टच में हैं। >12

सीबीआई ने 25 जगहों पर मारे छापे

एसबीआई से 11 करोड़ के सिक्के गायब होने के मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। स्टेट बैंक से 11 करोड़ रुपये के सिक्के गायब होने के मामले में सीबीआई ने देश में 25 स्थानों पर छापेमारी की है। सीबीआई ने आज दिल्ली, जयपुर, दौसा, करौली, सवाई माधोपुर, अलवर, उदयपुर और भीलवाड़ा में लगभग 15 तत्कालीन बैंक अधिकारियों और अन्य के ठिकानों पर छापेमारी की है। बता दें कि एसबीआई के मेहंदीपुर बालाजी में 11 करोड़ रुपये के सिक्कों की धोखाधड़ी के मामले में यह कार्रवाई की है।

बता दें कि इस मामले में सीबीआई ने राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन करते हुए 13 अप्रैल 2022 को मामला दर्ज किया था और पुलिस स्टेशन टोडाभीम, करौली (राजस्थान) में पहले दर्ज की गई जांच को अपने हाथ में ले लिया था। तलाशी के दौरान बरामद आपत्तिजनक दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

यह मामला तब सामने आया जब भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की उपरोक्त शाखा ने अगस्त 2021 में अपने कैश रिजर्व में गड़बड़ी का संकेत देने वाली प्रारंभिक जांच के बाद पैसे की गिनती करने का फैसला किया। सिक्कों की गिनती के लिए एक निजी कंपनी को आउटसोर्स किया गया था। जिसने गिनती के बाद बताया था कि शाखा से 11 करोड़ रुपये से अधिक के सिक्के गायब हैं।

अफसर के घर छापेमारी, आय से 650 गुना अधिक संपत्ति मिली

भोपाल, 18 अगस्त (एजेंसियां)। एमपी में एक आरटीओ अफसर के घर ईओडब्ल्यू ने छापेमारी की है। इस छापे में अधिकारी के घर से खजाना मिला है। यह बेहिसाब संपत्ति देखकर अफसरों के भी होश उड़ गए। इस आरटीओ अफसर के घर से उसकी आमदनी से 650 गुना ज्यादा संपत्ति मिली। मामला मध्य प्रदेश के जबलपुर का है। यहां के एक आरटीओ अधिकारी संतोषपाल सिंह का घर किसी राजमहल की तरह लगता है। जब अफसरों ने यहां छापेमारी के दौरान उसकी संपत्ति देखी तो दंग रह गए। उसकी संपत्ति आय से 650 गुना अधिक होने के संकेत हैं। जांच में जबलपुर के इस अधिकारी के पास से 16 लाख रुपए कैश मिली। छापेमारी के दौरान आलम यह दिखा कि ड्राइंग रूम से लेकर बाथरूम तक, हर जगह काली कमाई का नजारा फैला हुआ दिखा।

ऐसी राजनीति पर शर्मिंदगी नहीं होती

राहुल गांधी का बीजेपी पर निशाना

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए आज एक ट्वीट किया और सरकार पर काफी गंभीर आरोप लगाए. राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि उन्नाव- भाजपा एमएलए को बचाने का काम, कठुआ- बलात्कारियों के समर्थन में रैली, हाथरस- बलात्कारियों के पक्ष में सरकार और गुजरात- बलात्कारियों की रिहाई और सम्मान!. अपराधियों का समर्थन महिलाओं के प्रति भाजपा की ओछी मानसिकता को दर्शाता है. ऐसी राजनीति पर शर्मिंदगी नहीं होती, प्रधानमंत्री जी?

बिलकिस बानो केस में राहुल गांधी पूरी तरह से पीएम मोदी को घेरने में लगे हुए हैं. उन्होंने कल भी एक ट्वीट किया था, जिसमें लिखा था कि 5 महीने की गर्भवती महिला से बलात्कार और उनकी 3 साल की बच्ची की हत्या करने वालों को 'आज़ादी के अमृत महोत्सव' के दौरान रिहा किया गया. नारी शक्ति की झूठी बातें करने वाले देश की महिलाओं को क्या संदेश दे रहे हैं? प्रधानमंत्री जी, पूरा देश आपकी कथनी और करनी में अंतर देख रहा है.

दरअसल गुजरात सरकार ने हाल ही में अपनी क्षमा नीति के तहत बिलकिस रेप केस के सभी दोषियों की रिहाई को मंजूरी दी है. मुंबई में सीबीआई की एक विशेष अदालत ने 11 दोषियों को बिलकिस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या करने के जुर्म में 21 जनवरी 2008 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. बाद में बंबई उच्च न्यायालय ने उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखा था. वहीं भाजपा नीत गुजरात सरकार ने माफी नीति के तहत सजा माफी दे दी जिसके बाद 15 अगस्त को उन्हें गोधरा उप-कारागार से रिहा कर दिया गया.

जमशेदपुर में दिनदहाड़े बैंक ऑफ इंडिया में लाखों की लूट

जमशेदपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जमशेदपुर के डिमना चौक में स्थित बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस की तमाम सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए आधा दर्जन बदमाशों ने डिमना रोड के शंकोसाई रोड नंबर-5 स्थित बैंक ऑफ इंडिया में डाका डाला। बैंक खुलते ही चार हथियारबंद अपराधी खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर अंदर घुस गए। 20 मिनट में चोर बैंक से 50 लाख रुपए लूटकर ले गए। चोरों ने मैनेजर और कैशियर को अपने कब्जे में लेकर लूटपाट शुरू कर दी। इसके बाद फायरिंग करते हुए फरार हो गए।

नितिन गडकरी को संसदीय बोर्ड से हटाने पर एनसीपी का तंज, बढ़ता कद देख नहीं पाए

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा के शीर्ष नेताओं में से एक नितिन गडकरी को पार्टी की निर्णायक संस्था संसदीय बोर्ड से हटाए जाने पर एनसीपी ने तंज कसा है। शरद पवार की पार्टी ने कहा कि नितिन गडकरी का कद लगातार बढ़ रहा था और वह एक चतुर राजनेता के तौर पर पहचान रखते हैं। इसीलिए पार्टी के संसदीय बोर्ड से उन्हें बाहर कर दिया गया है। एनसीपी के प्रवक्ता क्लाइडे क्रास्टो ने ट्विटर पर कहा, 'जब आपकी ताकत और क्षमताएं बढ़ती हैं और आप जब शीर्ष पर बैठे लोगों को चुनौती देते हैं तो भाजपा आपका कद घटा देती है। दागियों को बढ़ा दिया जाता है।' एनसीपी के प्रवक्ता ने लिखा, 'नितिन गडकरी जी को भाजपा संसदीय बोर्ड में शामिल नहीं किया गया है। यह दिखाता है कि उनके बढ़ते कद से कुछ लोगों को परेशानी थी।' नितिन गडकरी को खुलकर बात करने वाले नेता के तौर पर जाना जाता है। पार्टी और उससे बाहर के मसलों पर भी वह खुलकर बात करते रहे हैं। ऐसे में उनके संसदीय बोर्ड से बाहर होने को लेकर चर्चाओं का दौर तेज है। हालांकि महाराष्ट्र के ही एक और नेता देवेंद्र फडणवीस का कद बढ़ाते हुए पार्टी ने उन्हें केंद्रीय चुनाव समिति में शामिल किया है, लेकिन उन्हें भी संसदीय बोर्ड में जगह नहीं मिली है। नितिन गडकरी के अलावा मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान को भी भाजपा ने संसदीय बोर्ड से हटाया है। इसके अलावा शाहनवाज हुसैन को भी बाहर कर दिया गया है। शिवराज सिंह चौहान को बाहर किए जाने से भी चर्चाओं का दौर है और उन्हें अगले विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश के सीएम फेस के तौर पर पेश किया जाएगा या नहीं?

गैर-कश्मीरियों के वोटिंग राइट्स पर बोलीं महबूबा

जम्मू कश्मीर बन गया बीजेपी की 'प्रयोगशाला'

जम्मू, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर में विधानसभा चुनाव को मद्देनजर चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है. मुख्य चुनाव अधिकारी ह्रदेश कुमार ने आदेश जारी किया कि अब विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य में रह रहे कश्मीरी लोग अपना नाम वोटर लिस्ट में नाम डलवा सकते हैं. ह्रदेश कुमार के निर्देश के अनुसार अब राज्य में तैनात आर्म्स फोर्स के जवान से लेकर अफसर तक, सभी मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराकर वोट कर सकेंगे. अब इसी आदेश पर अपना विरोध दर्ज करते हुए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रही हैं. उन्होंने इस कॉन्फ्रेंस के दौरान बीजेपी पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में लोकतंत्र को खत्म किया जा रहा है. बीजेपी के लिए जम्मू-कश्मीर एक प्रयोगशाला बन गया है. उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में मतदान करने के लिए 25 लाख बाहरी वोर्टस को शामिल किया गया है. बीजेपी ईजराईल और फासी जर्मनी की नीति कश्मीर मे लाना चाहती है. बीजेपी संविधान को खत्म कर रही है. उन्होंने कहा कि बीजेपी पैसा और ईडी के बल पर सरकार बनाती है. किसी स्थानीय फासीवादी को बीजेपी जम्मू-कश्मीर का शासक बनाना चाहती है. उन्होंने कहा कि चोर दरवाजे से बीजेपी जम्मू- कश्मीर का चुनाव जीतना चाहती है. इस तरह से तो पूरे मुल्क में लोकतंत्र खतरे है. पार्टी चुनाव में जीत पाने के लिए ईवीएम और पैसे का इस्तेमाल कर रही है.

बीजेपी ने किया पलटवार

वहीं दूसरी तरफ महबूबा मुफ्ती के प्रेस कॉन्फ्रेंस पर पलटवार करते हुए बीजेपी ने कहा कि महबूबा मुफ्ती किसी और युग में जी रही है. दरअसल पीडिपी और नेशनल कांफ्रेस की दुकानदारी खत्म हो गई है इसलिए वो इस तरह की बातें कर रही हैं. बीजेपी ने कहा कि पीडिपी और नेशनल कांफ्रेस पाकिस्तानी वोटर को शामिल करते थे.

बारिश के चलते शहरों से टूटा संपर्क

महिला एसआई ने नदी में उतर की ग्रामीणों की मदद, झाड़ियों में फंसे हुए शव को निकाला

भोपाल, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के चलते कई जिलों में बाढ़ के आसार बनें हुए हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आदेश जारी किया कि रोजाना बांधो की रिपोर्ट और जांच की जाए। लेकिन ऐसे में हालात यह भी देखने को मिल रहे हैं कि कई जिलों में भारी बारिश के चलते सड़के नहीं बची और लोग नदियों को पार करके अपना सफर तय कर रहें हैं। जिसके चलते कई लोग मौत के घाट भी उतर गए। और कई अपनी जान को जोखिम में डाल कर दूसरों की जान बचाने के लिए सामने उतर आते हैं। ऐसा ही कुछ प्रदेश में नर्मदापुरम जिले के शोभापुर में देखने को मिला। यहां नदी किनारे झाड़ियों में एक शव बुरी तरह फंसा था। ऐसे में एक महिला एसआई नदी के पानी में पैदल चलकर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर लाया गया। प्रदेश के कई जिलों में कुछ ऐसे भी गांव हैं जहां बारिश में नदी नाले उफान पर आ गई। जिससे ग्रामीणों का संपर्क शहरों से पूरी तरह टूट जाता है। ऐसा ही एक मामला जिले में देखा गया जहां नदी में बारिश का पानी भर जाने से नदी किनारे झाड़ियों में फंसे शव को निकालने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। दरअसल जिले के एक महिला एसआई ने नदी में उतरकर ग्रामीणों की झाड़ियों में फंसे शव को निकालने और उसे छोर तक पहुंचाने में मदद की। जानकारी मिली है कि मृतक छिंदवाड़ा का रहने वाला है और उसका नाम सनीराम उइके है जो जिले के किसान दिनेश पटेल के खेत मे मजदूरी करता था। पुलिस ने बुधवार की शाम को मृतक का पोस्टमार्टम सोहागपुर के सरकारी अस्पताल में कराय। वहीं 24 घंटो में प्रदेश भर के ज्यादातर जिलों में आसमान साफ रहेगा। इंदौर और उज्जैन संभागों में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

एक साथ 15 दोषियों को फांसी की सजा

जेल में साथी कैदी की पीट-पीटकर कर दी थी हत्या

जमशेदपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के जमशेदपुर में हत्या के एक केस में 15 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई गई है। जमशेदपुर की घाघीडीह जेल में कैदियों ने उसी जेल में बंद कैदी मनोज सिंह की पीट- पीटकर मार डाला था। घटना 25 जून 2019 की है, मृतक मनोज सिंह गैंगस्टर अखिलेश सिंह गिरोह का सदस्य था। एडीजे-4 ने 15 कैदियों को फांसी की सजा सुनाई है। जमशेदपुर में पहली बार एक साथ इतने लोगों को फांसी की सजा सुनाई गई है। सभी दोषी कैदी घाघीडीह जेल में बंद हैं। जिन्हें फांसी की सजा सुनाई गई, उसमें वासुदेव महतो, अरूप कुमार बोस, अजय मल्लाह, गोपाल तिरिया, श्यामू जोजो, शिव शंकर पासवान, गंगा खंडैत, जानी अंसारी, पंचानंद पात्रो, पिंकू पूर्ति, संजय दिग्घी, शरद गोप, राम राय सुरीन आदि शामिल हैं। मृतक मनोज सिंह गैंगस्टर अखिलेश सिंह गिरोह का सदस्य था और जेल में ही उसकी पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। वह मनीफिट का रहने वाला था।

क्या था मामला

घाघीडीह जेल में 25 जून 2019 को टेलीफोन बूथ पर बात करने को लेकर अखिलेश सिंह गिरोह के हरीश सिंह और सजायाफ्ता कैदी पंकज दुबे के बीच विवाद हुआ था। इसमें हरीश सिंह गिरोह के सदस्य सुमित सिंह, मनोज कुमार सिंह, अविनाश श्रीवास्तव सहित अन्य लोग थे। उन्होंने पंकज दुबे की पिटाई कर दी थी। इस हमले के विरोध में सजायाफ्ता कैदियों ने हंगामा करते हुए हरीश सिंह गुट पर हमला कर दिया था। हमले के दौरान मनोज सिंह भागकर जेल के आरुणि कक्ष के ऊपरी तल्ले में छिप गया था। इसके बाद 15 सजायाफ्ता कैदियों ने अंदर घुस कर मनोज सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। मनोज सिंह को जेल से एमजीएम अस्पताल लाया गया था, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया था।

क्या बीजेपी में शामिल होंगे आरसीपी सिंह

जानें पूर्व केंद्रीय मंत्री का जवाब

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार इन दिनों राजनीतिक उथल-पुथल का केंद्र बना हुआ है. देश की निगाहें इस वक्त बिहार पर टिकी हैं. सूबे में सत्ता सत्ता का समीकरण बदलने के साथ ही राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से बदल रहे हैं. इन्हें में से एक पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह से जुड़ा मामला भी है. आरसीपी सिंह से गुरुवार को जब यह पूछा गया कि क्या वह आने वाले समय में भाजपा का दामन थामेंगे तो उन्होंने सधे हुए शब्दों में इसका जवाब दिया. उन्होंने कहा कि वह कार्यकर्ताओं और अपने समर्थकों के बीच जा रहे हैं. इस दौरान जो भी निर्णय लिया जाएगा वह वैसा ही करेंगे. बता दें कि जनता दल यूनाइटेड के शीर्ष नेतृत्व के साथ टकराव होने के बाद उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया. इससे पहले वह जेडीयू कोटे से केंद्र में मंत्री थे. पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने जदयू और राजद के बीच विलय की संभावना व्यक्त की है. छपरा में पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने कहा कि जिस तरह से जदयू और राजद में साठगांठ चल रही है, उससे प्रतीत होता है कि दोनों पार्टियों का विलय हो जाएगा. भाजपा में शामिल होने के सवाल पर आरसीपी सिंह ने कहा कि वह अपने कार्यकर्ताओं के बीच जा रहे हैं और जैसा निर्णय लिया जाएगा वह करेंगे. पूर्व केंद्रीय मंत्री गोपालगंज जा रहे थे और इस दौरान उन्होंने कई जगह कार्यकर्ताओं से मुलाकात की. बता दें कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ अनबन के बाद उन्हें जेडीयू से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया.

'जदयू-राजद में होगा विलय'

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने कहा कि जिस तरह से जदयू और राजद के बीच में तालमेल हुआ है, उससे ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों पार्टियों का विलय हो गया है. उन्होंने कहा कि उनका अगला राजनीतिक कदम क्या होगा, यह कार्यकर्ताओं से मिलने के बाद तय किया जाएगा. आरसीपी सिंह सड़क मार्ग से गोपालगंज जा रहे थे और इस दौरान सोनपुर, नया गांव, परसा, अमनौर, तरैया और मसरख में अपने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनसे बात की. इस दौरान आरसीपी सिंह के पुराने करीबी संतोष महतो भी उनके साथ मौजूद थे.

सेना के जवान और उसके भाइयों की पिटाई का मामला, गुरुग्राम क्लब के चार बाउंसर गिरफ्तार

गुरुग्राम, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम सेक्टर-29 मार्केट में एक क्लब के बाहर सेना के जवान और उसके दो भाइयों की कथित तौर पर पिटाई करने के आरोप में चार बाउंसरों को गिरफ्तार किया गया है। हमला रविवार देर रात सेक्टर-29 में हुआ। गुरुग्राम के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मारपीट के आरोपी फ्रिक्शन क्लब के एक बाउंसर को सोमवार रात को पकड़ा गया, जबकि अन्य तीन को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए बाउंसरों की पहचान राहुल, मोनू, नवीन और सतीश के रूप में हुई है, जिनसे अब पुलिस पूछताछ कर रही है। आरोप है कि बाउंसरों के हमले में सेना का जवान और उसके दो भाई बुरी तरह घायल हो गए थे। इस संबंध में सोमवार को एफआईआर दर्ज की गई थी।

बिल्किस बानो महिला हैं या मुसलमान, देश तय करे

महुआ मोइत्रा ने मीडिया पर भी निकाला गुस्सा

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात सरकार की पॉलिसी के तहत बिल्किस बानो से बलात्कार के दोषियों को जेल से रिहा किए जाने पर टीएमसी की नेता महुआ मोइत्रा लगातार हमलावार हैं। गुरुवार सुबह ही उन्होंने एक और ट्वीट करते देश से सवाल पूछा है। महुआ मोइत्रा ने लिखा है कि देश को यह तय करना चाहिए कि बिल्किस बानो महिला या फिर सिर्फ एक मुसलमान है। बिल्किस बानो से 2002 के गुजरात दंगों के दौरान गैंगरेप किया गया था। उन्होंने भी दोषियों की रिहाई पर सवाल उठाया है और बयान जारी करते हुए कहा इससे न्यायिक व्यवस्था में मेरा भरोसा खत्म हुआ है। उन्होंने गुजरात से कहा कि वह उन्हें हुई पीड़ा को कैसे खत्म करेगी और कैसे उन्हें जीवन जीने का अधिकार मिल सकेगा। बिल्किस बानो ने कहा, 'मैं तो आज यही कह सकती हूं कि किसी महिला को कैसे इस तरह न्याय मिलेगा? मैं देश की सर्वोच्च अदालतों और सिस्टम पर भरोसा करती हूं। मैं धीरे-धीरे अपने कष्ट के साथ ही जीना सीख रही हूं। इन दोषियों की रिहाई ने मेरा चैन छीन लिया है और मेरा भरोसा भी हिल गया है। मेरा दुख सिर्फ मेरा नहीं है बल्कि यह हर उस महिला का है, जो न्याय के लिए अदालतों में भटक रही है।'

बिल्किस बाने के दोषियों की रिहाई पर महुआ मोइत्रा बेहद आक्रामक हैं। उन्होंने टीवी मीडिया पर भी वाल उठाते हुए कहा है कि आखिर अब वे इस मसले पर डिबेट क्यों नहीं करते हैं। महुआ ने ट्वीट किया, 'खुद को सच्चा बताकर चिल्लाने वाले टीवी एंकर आज कहां हैं? क्या हुआ? क्या बिग डैडीज की ओर से बिल्किस बानो पर पैनल डिस्कशन की मंजूरी नहीं मिली? देश यह जानना चाहता है।' बिल्किस बानो 2002 के दंगों के दौरान करीब 20 साल की थीं और कई माह की प्रेगनेंट भी थीं। जब गुजरात दंगे भड़के तो उसी दौरान वह गैंगरेप का शिकार हुईं और इनमें से ज्यादातर लोगों से वह परिचित थीं।

यहां तक कि एक शख्स को तो वह चाचा और कुछ लोगों को भाई कहती थी। कहा जाता है कि गैंगरेप के बाद दोषी उन्हें मृत समझकर भाग गए थे। बिल्किस बानो की तीन साल की बेटी की भी दर्दनाक हत्या कर दी गई थी। बिल्किस बानो ने होश में आने के बाद एक आदिवासी महिला से कपड़े लिए थे और फिर लिमखेड़ा पुलिस स्टेशन में जाकर शिकायत दर्ज कराई थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उनसे गैंगरेप के मामलो को गुजरात से बाहर मुंबई में ट्रांसफर किया गया था।

अगर मैं सीएम उम्मीदवार रहा तो पार्टी को आसानी से मिलेंगी 150 सीटें

कर्नाटक बीजेपी विधायक का बड़ा दावा

बेंगलुरु, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से राजनीतिक दांव-पेंच अपनाए जाने लगे हैं। एक तरफ बीजेपी ने राज्य के कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को संसदीय बोर्ड में शामिल किया है दूसरी ओर कर्नाटक के वरिष्ठ भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल का बड़ा दावा सामने आया है। विधायक ने कहा है कि अगर पार्टी उनके नेतृत्व में 2023 विधानसभा चुनाव लड़ती है तो बड़े ही आसानी से 150 सीटें जीत लेगी। उन्होंने यह भी दावा किया है कि उनके पास कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनने के लिए सभी योग्यताएं भी हैं। विजयपुरा शहर के विधायक, जो राज्य के भाजपा के मजबूत नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा के खुले आलोचक हैं, ने बाद में संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति में उनकी नियुक्ति पर बधाई दी, और उसी सांस में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से वंशवाद राजनीतिक को खत्म किए जाने को लेकर दिए गए बयानों को भी याद दिलाया। उन्होंने कहा कि येदियुरप्पा के केंद्रीय चुनाव समिति में जाने के बाद आप यतनाल के टिकट के बारे में जो चाहे अनुमान लगा सकते हैं लेकिन, मुझे टिकट भी मिलेगा और मैं अगली फिर विधायक बनूंगा।

अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में काम कर चुके हैं

जब पत्रकारों ने उनसे मंत्री या सीएम बनने के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, 'मेरे पास सभी योग्यताएं हैं। अगर मैं सीएम उम्मीदवार बनता हूं, तो हमें आसानी से 150 सीटें (225 सदस्यीय विधानसभा में) मिल जाएंगी।' पूर्व केंद्रीय मंत्री, जिन्होंने तत्कालीन प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में काम किया था, पहले भी मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को व्यक्त कर चुके हैं।

सही समय पर लेगा सही निर्णय

हालांकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित साह पहले यह साफ कर चुके हैं कि बीजेपी 2023 के विधानसभा में मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के नेतृत्व में जाएगी, लेकिन येदियुरप्पा सहित राज्य के कई नेताओं के बयानों से अभी तक तो यही लगता है कि पार्टी के भीतर फिलहाल कोई एकमत नहीं है। यह पूछे जाने पर कि क्या पार्टी नेतृत्व में कोई बदलाव किए बिना चुनाव जीतने की स्थिति में है, यतनाल ने केवल इतना कहा कि पार्टी आलाकमान को सब कुछ पता है और वह सही समय पर सही निर्णय लेगा।

बीजेपी को छत्तीसगढ़ की सत्ता में वापस लाने आरएसएस की तिकड़ी

मिशन-2023 की रणनीति, दिग्गज लगाए जाएंगे किनारे

रायपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ भाजपा का मिशन-2023 शुरू हो गया है। संगठन को मजबूत करने और सरकार को आक्रमक रूप से घेरने शीर्ष नेतृत्व ने महत्वपूर्ण पदों पर बदलाव कर दिए हैं। भाजपा की सख्ती के बाद सियासी नेताओं में उथल-पुथल मचा हुआ है। 15 साल तक सत्ता में रहने के बाद 2018 के विधानसभा चुनाव में महज 15 सीटों पर सिमटने वाली भाजपा संगठन को इस स्थिति तक नहीं ला सके हैं कि 2023 के विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में वापसी हो सके। लगातार हार के बाद भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने राज्य के दिग्गज नेताओं को किनारे करते हुए आरएसएस के नेताओं पर भरोसा जताया है। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ में भाजपा को सत्ता में लाने की जिम्मेदारी आरएसएस की तिकड़ी राष्ट्रीय सगसंगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल के साथ भाजपा के नए प्रदेशाध्यक्ष बिलासपुर के सांसद अरुण साव को सौंपी है। भाजपा इनके भरोसे अपनी चुनावी नैया पार लगाना चाहती है।

वहीं सरकार को सदन में घेरने धरमलाल कौशिक के स्थान पर नारायण चंदेल को नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बता दें कि लगातार हार और गुटबाजी से भाजपा के प्रदेश नेतृत्व पर सवाल उठते रहे हैं। अब मिशन-2023 से पहले भाजपा बदलाव के एक्शन मोड में नजर आ रही है। अब संगठन महामंत्रियों व जिला अध्यक्षों को बदला जाएगा। बदलाव को लेकर प्रदेश से लेकर जिला संगठन तक हड़कंप मचा हुआ है।

गुटबाजी व खींचतान से संगठन को नुकसान

भाजपा प्रदेश के उन दिग्गज नेताओं को किनारे लगाएगी, जिनके कारण कार्यकर्ता लंबे समय से नाराज हैं। भाजपा ने एक साल पहले राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री सौदान सिंह की जगह आरएसएस के शिवप्रकाश को कमान सौंपी। प्रदेश के भाजपा प्रभारी डॉ. अनिल जैन के स्थान पर डी. पुरंदेश्नवरी को जिम्मेदारी सौंपी गई। एक सहप्रभारी नितिन नबीन को बनाया गया। नगरीय निकाय और खैरागढ़ उप चुनाव में हार के बाद भाजपा की लगातार बैठकें हो रही। डी. पुरंदेश्वरी व नितिन नबीन लगातार प्रदेशभर का दौरा कर रहे हैं। मंत्रणा हो रही है, लेकिन एक साल में कुछ ज्यादा नहीं हो सका। इसकी वजह प्रदेश में 15 साल तक सत्ता में रहने वाले दिग्गज नेताओं का हावी होना है। कई गुटों में नेता बंटे हुए हैं। खींचतान से संगठन को नुकसान हो रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद

सुविचार
सबके प्रति भाई-भाई की दृष्टि रखने से आप सदा प्रेमयुक्त रह सकेंगे

गणेश उत्सव के सुचारू संचालन के लिए व्यापक व्यवस्था की जाए : रवीन्द्र

सीपी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र ने संयुक्त पुलिस आयुक्त अविनाश महंती, ट्रैफिक डीसीपी टी श्रीनिवास राव, कानून व्यवस्था डीसीपी सहित अन्य अधिकारियों के साथ आज गणेश उत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था आदि पर चर्चा की की है। गणेश उत्सव 31 अगस्त से शुरू होकर 9 सितंबर तक चलेगा।

इंफोसिस ऑडिटोरियम में हुई समीक्षा बैठक में सीपी ने कहा कि सभी धर्मों के सभी त्योहार, उत्सव और अन्य कार्यक्रम सुचारू रूप से चलते रहेंगे। इसी दौरान गणेश उत्सव भी बिना किसी अप्रिय घटना के आयोजित किया जाना चाहिए। इस साल के सबसे बड़े गणेश उत्सव को स्वतंत्र और भव्य तरीके से मनाया जाना चाहिए। गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के मामले में सभी निरीक्षकों को आयोजकों से पहले ही मिल कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करनी चाहिए। हर कोई यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहता है कि गणेश उत्सव के दौरान शांति और व्यवस्था में कोई समस्या न हो। उन्होंने कहा कि गणेश विसर्जन से लेकर बिना किसी गलती के सब कुछ योजना के अनुसार किया जाए। साथ ही उन्होंने संबंधित क्षेत्रों में नागरिक विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने का सुझाव दिया। शांतिपूर्ण गणेश नवरात्रि के लिए गणेश मंडल आयोजकों के समन्वय से साइबराबाद पुलिस प्राधिकरण, जीएचएमसी, टीएसएसपीडीसीएल, आर एंड बी, ट्रांस कंपनी, परिवहन, सिंचाई, अग्निशमन सेवा, स्वास्थ्य विभाग और अन्य विभाग, भाग्य नगर गणेश उत्सव समिति के सदस्य, जनता, मीडिया सभी को मिलकर बेहतर तालमेल के साथ काम करना होगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर लोगों को विश्वास नहीं करना चाहिए। सोशल मीडिया को झूठी पोस्ट पर नजर रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विनायक चतुर्थी महोत्सव में साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। शांतिपूर्ण गणेश नवरात्रि समारोह सुनिश्चित करने के उपाय किए जा रहे हैं। बैठक में साइबराबाद ज्वाइंट सीपी अविनाश महंती, ट्रैफिक डीसीपी श्रीनिवास राव, माधापुर डीसीपी शिल्पावल्ली, बालानगर डीसीपी संदीप, शमशाबाद डीसीपी जगदीश्वर रेड्डी, एडमिन डीसीपी इंदिरा, डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू डीसीपी सुश्री कविता, एसबी एडीसीपी, एसीपी, इंस्पेक्टर और अन्य उपस्थित थे।

तिरुपति-सिकंदराबाद के बीच विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त भीड़ को दूर करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) तिरुपति-सिकंदराबाद-तिरुपति के बीच चार विशेष ट्रेनें चलाएगा। गुरुवार को यहां एक विज्ञप्ति के अनुसार, विशेष ट्रेन (सं. 07481) 21 और 28 अगस्त को तिरुपति से रात 9.10 बजे निकलेगी और अगले दिन सुबह 9.30 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। इसी तरह, विशेष ट्रेन (संख्या 07482) 22 और 29 अगस्त को सिकंदराबाद से शाम 4.15 बजे निकलेगी और अगले दिन सुबह 5.20 बजे तिरुपति पहुंचेगी।

ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में रेनिगुंटा, कडपा, येरागुंटला, तदीपत्री, गुंतकल, मंत्रालयम, रायचूर, तंदूर, विकाराबाद, लिंगमपल्ली और बेगमपेट स्टेशनों पर रुकेंगी। इन विशेष ट्रेनों में एसी III टियर कोच होंगे।

भ्रष्टाचार मामले के लिए एसीबी नेट में प्रेस सहायक निदेशक

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद में मिंट कंपाउंड में तेलंगाना सरकार के पाठ्यपुस्तक प्रेस के निदेशक के कार्यालय में एक सहायक निदेशक (एडी) टी. नरेश कुमार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कथित तौर अपने सहयोगी सिलीवेरी भारती से 10,000 पर रुपये की मांग और स्वीकार करने पर पकड़ा है। एसीबी में शिकायत दर्ज कराने वाली भारती जिला शासन के पाठ्यपुस्तक बिक्री कार्यालय रमंतापुर में प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं।

शिकायतकर्ता को पदोन्नति आदेश की प्रति जारी करने के एवज में कथित तौर पर रिश्वत की मांग की गई थी। टी. नरेश कुमार के कब्जे से 10 हजार रुपये की रिश्वत की राशि बरामद की गई है। एसीबी अधिकारियों ने टी. नरेश कुमार को एसीबी मामलों की विशेष अदालत में पेश किया, जिसके बाद अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एसीबी अधिकारियों ने जनता से अनुरोध किया कि किसी भी लोक सेवक द्वारा रिश्वत की मांग के मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए एसीबी के टोल फ्री नंबर-1064 पर संपर्क करें।

भाजपा के सत्ता में आने के बाद ब्राह्मण निगम स्थापित होगा : बंडी

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने गुरुवार को राज्य में भाजपा के सत्ता में आने पर गरीब ब्राह्मण समुदाय के कल्याण के लिए वर्तमान ब्राह्मण परिषद के स्थान पर एक ब्राह्मण निगम की स्थापना की घोषणा की।

ब्राह्मण समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करते हुए, जिन्होंने उन्हें जनगांव जिले के नेल्लुतला मंडल के कुंदराम गांव में अपने पदयात्रा शिविर में अपनी शिकायतों को सूचीबद्ध करते हुए एक याचिका सौंपी, संजय ने गरीब ब्राह्मणों की दुर्दशा पर खेद व्यक्त किया, जो हिंदू धर्म की रक्षा कर रहे थे।

भाजपा सनातन धर्म और हिंदू परंपराओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, जो अक्सर दावा करते हैं कि तेलंगाना एक समृद्ध राज्य है, हिंदू मंदिरों के गरीब पुजारियों को वेतन देने की परवाह नहीं करते हैं, उन्होंने याद दिलाया कि हालांकि मंदिर के पुजारी भूख से पीड़ित हैं, वे देवताओं को नैवेद्यम (भोजन भेंट) चढ़ाएंगे। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मस्जिदों के इमामों को मानदेय देते हैं, लेकिन गरीब ब्राह्मण पुजारियों को प्रति माह 6,000 रुपये देने में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है।

भाजपा नेता लड्डू यादव के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अफजलगंज सब इंस्पेक्टर जे वीरबाबू ने पीएस अफजलगंज में 15 अगस्त को लड्डू यादव के खिलाफ बेगम बाजार छतरी में एक मंच बनाने और सार्वजनिक स्थान पर पुलिस की अनुमति के बिना तिरंगा रैली निकालने का मामला दर्ज किया। जब हैदराबाद के सांसद असद ओवैसी उसी सड़क से गुजर रहे थे, तभी अचानक लड्डू यादव ने एक अपमानजनक बयान दिया था। प्राथमिकी के अनुसार, अफजलगंज इंस्पेक्टर एम रविंदर रेड्डी को हैदराबाद के सांसद असद ओवैसी का एसएमएस संदेश मिला कि वे भाजपा नेता लड्डू यादव के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करें।

बिलकिस बानो के बलात्कारियों की रिहाई पर स्मिता सबरवाल ने जताया दुख

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की सचिव स्मिता सबरवाल ने गुरुवार को गुजरात राज्य सरकार द्वारा बिलकिस बानो के बलात्कारियों को जेल से रिहा किए जाने पर आश्चर्य व्यक्त किया। बलात्कारियों की रिहाई पर अपनी नाराजगी व्यक्त करने वालों में शामिल होते हुए, 2001 बैच के तेलंगाना-कैडर आईएएस अधिकारी, स्मिता सबरवाल ने गुरुवार को ट्वीट किया कि एक महिला और एक सिविल सेवक के रूप में, मैं बिलकिस बानो की खबर पढ़कर सदमे में बैठ जाती हूं। स्वतंत्र देश होने का दावा करते हुए हम उसे स्वतंत्र रूप से और बिना किसी डर के सांस लेने के अधिकार से वंचित नहीं कर सकते।

बिलकिस बानो मामला : ओवैसी ने पीएम से 11 दोषियों की छूट रद्द करने को कहा

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बिलकिस बानो बलात्कार मामले में दोषी ठहराए गए 11 दोषियों की रिहाई के आदेश को रद्द करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हाथ जोड़कर अपील करता हूं कि बिलकिस बानो के साथ न्याय करें। सभी 11 लोगों को वापस जेल भेजा जाना चाहिए। यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि ऐसे व्यक्तियों को छूट नहीं दी जानी चाहिए।

गुजरात सरकार ने 15 अगस्त को बिलकिस बानो के सामूहिक बलात्कार मामले और उसके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा पाने वाले 11 लोगों को 15 अगस्त को रिहा कर दिया था। ओवैसी ने कहा कि उनके कारण बार-बार महिलाओं को यौन उत्पीड़न और हिंसा का शिकार होना पड़ा। उन्होंने कहा कि आज बिलकिस बानो के साथ हुआ है, कल किसी के साथ भी होगा। दोषियों की रिहाई पर बिलकिस बानो की प्रतिक्रिया का जिक्र करते हुए उन्होंने पूछा कि क्या भारत सरकार चाहती है कि मुस्लिम महिलाएं सामूहिक बलात्कार की घटना को याद रखें और डर में रहें।

ओवैसी ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा गुजरात विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए ऐसी चीजें कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार यह संदेश देना चाहती है कि वह जेल में बंद लोगों के साथ खड़ी है, न कि उनके साथ जो न्याय के लिए लड़ रहे हैं।

मुनुगोड़े उपचुनाव भाजपा की साजिश का हिस्सा : गुथा

नलगोंडा, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव राज्य में अपना आधार मजबूत करने के लिए भाजपा की योजना का हिस्सा है।

यहां अपने कैंप कार्यालय में एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए, सुखेंदर रेड्डी ने कहा कि पूर्ववर्ती नलगोंडा जिले में तीन विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव पिछले तीन वर्षों में आवश्यक हो गए हैं। मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव, जो तीसरा था, का कोई तर्कसंगत कारण नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की साजिश के तहत स्थानीय विधायक कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को अपनी कंपनी को परियोजनाओं के ठेके देकर अपने पद से इस्तीफा देने का लालच दिया गया है।

यह कहते हुए कि कांग्रेस और भाजपा तेलंगाना राज्य में सत्ता में आने का सपना देख रहे हैं, उन्होंने आगाह किया कि राज्य के लोगों और हितों का स्वाभिमान खतरे में पड़ जाएगा, इन दोनों दलों में से कोई भी तेलंगाना में सत्ता में आया। ईंधन और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने गुजरात के उद्योगपतियों के स्वामित्व वाली कॉरपोरेट कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों का निजीकरण किया है। उन्होंने बताया कि केंद्र ने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम (एनआरईजीपी) के कार्यों का निरीक्षण करने के लिए राज्य में 45 टीमें भेजी हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SYED ARIF R/o H No. 16-7-461/1, Azam Function Hall, Azampura. Hyd-24,T.S.Have changed Name as SYED ARIF SYED SHARIF.

I, SYED TAHER R/o H No. 16-7-525, Azampura, Saidabad. Hyderabad-24, Have changed Name as SYED TAHER ARIF S/o SYED ARIF SYED SHARIF.

I, HAJIRA AHMED R/o H No. 16-7-461/1, Azam Function Hall, Azampura. Hyd-24,T.S.Have changed Name as HAJERA BINTHE AHMED AL HADDAD.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवाद करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

अर्श अश्वजीत सेबल
माता : रेखा अश्वजीत सेबल
पिता : अश्वजीत सेबल

काशी विश्वनाथ मंदिर में एक साथ टूटे कई रिकॉर्ड

सावन में एक करोड़ श्रद्धालु पहुंचे, पांच करोड़ आया चढ़ावा

वाराणसी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के काशी विश्वनाथ धाम बनने के बाद से लगातार नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। एक बार फिर सावन के महीने में यहां कई रिकॉर्ड एक साथ टूटे हैं। सावन में जहां एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने धाम में दर्शन पूजन किया। वहीं, 5 करोड़ से अधिक का चढ़ावा केवल एक माह में ही यहां चढ़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर में काशी विश्वनाथ धाम को लोकार्पण किया था। लोकार्पण के बाद से ही काशी में श्रद्धालुओं का रेला आ रहा है। श्रद्धालुओं की संख्या में पहले की तुलना में कई गुना बढ़ोतरी हुई है। कॉरिडोर बनने से पहले जहां 40 से 50 हजार लोग दर्शन-पूजन करते थे, अब दो लाख तक दर्शनार्थी रोज पहुंच रहे हैं।

सावन में तो हर दिन ढाई से तीन लाख श्रद्धालु मंदिर में बाबा का जलाभिषेक करने पहुंचे। सावन के सोमवार के दिन यह आकड़ा छह लाख तक पहुंच गया। इसी का नतीजा रहा कि सावन में ही एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु यहां पहुंचे हैं।

तेजप्रताप-ऐश्वर्या के तलाक पर 1 सितंबर को आखिरी सुनवाई

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजप्रताप यादव और तेज की पत्नी ऐश्वर्या राय के तलाक के मामले में पटना हाईकोर्ट में सुनाई हुई। कोर्ट ने अगली तारीख 1 सितंबर तय की है। 1 सितंबर को केस की अंतिम सुनवाई की जाएगी। गुरुवार को ऐश्वर्या के वकील पीएन सिन्हा नहीं आए थे, इसलिए ऐश्वर्या की तरफ से आगे समय मांगा गया है।

ऐश्वर्या के वकील के जूनियर निलांजन चटर्जी ने कोर्ट से स्टे चाहा पर कोर्ट ने रिफ्यूज कर दिया। तेजप्रताप की तरफ से जगन्नाथ सिंह और गजेन्द्र यादव ने कोर्ट से मांग की कि मामले की जल्द से जल्द सुनवाई पूरी की जाए।

बता दें कि तेजप्रताप ने डायवोर्स का केस फाइल किया है और इसको लेकर कोर्ट ने समझौता कराने की कोशिश की पर सभी कोशिशें असफल साबित हुईं। एक तरफ जहां तेज साथ रहने को तैयार नहीं है वहीं दूसरी तरफ ऐश्वर्या कह चुकी हैं कि वे तेज के साथ रहना चाहती हैं।

कंकड़बाग में सेना के जवान की गोली मारकर हत्या

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। कंकड़बाग में सेना के जवान बबलू कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और परिजन मौके पर पहुंच गए।

बताया जा रहा है कि मूल रूप से राघोपुर के चांदपुरा गांव के निवासी बबलू पाटलिपुत्र स्टेशन की ओर बाइक पर जा रहे थे। इस दौरान कुछ बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और लूटपाट शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक बुधवार सुबह करीब 2.30 बजे बबलू कुमार कंकड़बाग थाना के चिड़ियांतर पुल के पास से गुजर रहे थे। इस दौरान बदमाशों ने उन्हें लूटपाट के इरादे से रोका। जब बबलू कुमार ने लूटपाट का विरोध किया तो बदमाशों ने उन्हें सिर पर गोली मार दी। मृतक जवान बबलू कुमार की गुवाहाटी में पोस्टिंग थी।

कानून मंत्री कार्तिकेय मामले पर बोले जीतनराम मांझी- नीतीश किसी को बचाते नहीं

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में महागठबंधन की नई सरकार के कानून मंत्री कार्तिकेय कुमार सिंह के विवाद पर पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने बड़ा बयान दिया है। महागठबंधन में शामिल हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) के चीफ मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार न किसी को फंसाते हैं, न किसी को बचाते हैं। एक बार उन्हें भी मुकदमे की वजह से 8 घंटे में मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जीतनराम मांझी ने नीतीश सरकार का बचाव करते हुए कहा कि जिस वक्त कार्तिकेय कुमार उर्फ कार्तिक सिंह मंत्री पद की शपथ ले रहे थे, तब सरकार को उनके खिलाफ जारी अरेस्ट वारंट के बारे में जानकारी नहीं होगी। मामला अब संज्ञान में आया है तो कानून अपना काम करेगा। मांझी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार न तो किसी को फंसाते हैं और न ही किसी को बचाते हैं। अगर कार्तिकेय सिंह का मामला सही होगा, तो उनपर उचित कार्रवाई की जाएगी।

मांझी ने आगे कहहा कि एक उन्हें भी मुकदमे की वजह से आठ घंटे में ही इस्तीफा देना पड़ा था,जबकि उनके खिलाफ कोई वारंट नहीं था। सिर्फ केस दर्ज हुआ था। मंत्री कार्तिकेय सिंह का मामला कैबिनेट और मुख्यमंत्री के अधिकार क्षेत्र में आता है, वे इस पर विचार करेंगे। इस बारे में आरजेडी से बात करेंगे।

मांझी का जंगलराज की बात से इनकार

जीतनराम मांझी ने बिहार में जंगलराज की वापसी के लग रहे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि जब एनडीए के साथ सरकार चला रहे थे तब मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे थे।

इस कारण सीएम नीतीश कुमार को तबादले बंद करने पड़े थे। हमने बिहार की अच्छाई के लिए ही पाला बदला है।

नीतीश के एक और मिनिस्टर विवादों में

कृषि मंत्री सुधाकर सिंह पर करोड़ों के चावल गबन का आरोप

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार लगातार सवालों के घेरे में है। कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह के बाद अब कृषि मंत्री सुधाकर सिंह भी विवादों में आ गए हैं। सुधाकर सिंह पर 2013 में करोड़ों रुपये के चावल का गबन करने का आरोप है। घोटाले का केस नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने ही किया था। हालांकि, सुधाकर सिंह ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को झूठा बताया है।

सुधाकर सिंह आरजेडी के वरिष्ठ नेता और प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे हैं। वे बक्सर की रामगढ़ सीट से विधायक हैं। 2013 में नीतीश कुमार के शासनकाल में ही उन पर चावल गबन करने के आरोप लगे थे। उनके खिलाफ रामगढ़ थाने में केस दर्ज है। आरोप के मुताबिक सुधाकर सिंह की राइस मिल ने सरकार से चावल प्रोसेसिंग का एग्रीमेंट किया था। जो सरकार की ओर से चावल आया, उसका उन्होंने गबन कर लिया। इस घोटाले में 80 से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुईं, जिसमें कई आरोपी बनाए गए थे।

कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को गलत बताया है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने गुरुवार को कहा कि ये आरोप सही नहीं है। इस पर फैसला कोर्ट करेगा। अब तक की सुनवाई हमारे पक्ष में है। हाईकोर्ट ने कहा इस मामले में सरकार को फटकार लगाई थी। अदालत ने कहा था कि राइस मिलों को जो चावल प्रोसेस करने के लिए मिला था, उसे वापस लाना सरकार की ड्यूटी है। यह सरकार की लापरवाही है कि उसने चावल वापस नहीं लिए। कृषि मंत्री ने कहा कि जिस समय ये केस दर्ज हुआ उस समय बिहार में बीजेपी के गठबंधन वाली सरकार थी। बीजेपी के लोग कागज देखे बिना हल्ला कर रहे हैं। ये केस बीजेपी के समर्थन वाली सरकार के काल के हैं। उनको जितनी कार्रवाई करनी थी, वे कर चुके हैं। नीतीश कैबिनेट में कानून मंत्री कार्तिकेय कुमार सिंह भी विवादों के घेरे में हैं। आरोप है कि अपहरण के केस में उन्हें 16 अगस्त को कोर्ट में सरेंडर करना था, लेकिन वे अदालत जाने के बजाय मंत्री पद की शपथ ले रहे थे। उनके खिलाफ वारंट भी जारी हुआ था।

यूपी में होगा बिहार जैसा बदलाव

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को बिहार की तरह यूपी में भी राजनीतिक बदलाव की उम्मीद है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा के सहयोगी दल उससे खुश नहीं हैं। अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ एक मजबूत विकल्प भी तैयार करने की बात अखिलेश यादव ने कही। अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा से नाता तोड़कर महागठबंधन की सरकार बनाना एक सकारात्मक संकेत है। अखिलेश ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के सहयोगी दल उससे खुश नहीं हैं। सवाल किया कि सहयोगी दलों को आखिर क्या मिल रहा है। एक दिन वे सभी भाजपा का साथ छोड़ जाएंगे। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में अपना दल और निषाद पार्टी भाजपा के सहयोगी दल हैं।

ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी केस

मसाजिद कमेटी पर 500 रुपये का जुर्माना, 22 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

ज्ञानवापी परिसर के बाहर

वाराणसी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी दर्शन मामले में दाखिल वाद की पोषणीयता पर जिला जज की अदालत में गुरुवार को सुनवाई हुई। इस दौरान न्यायालय ने मामले में देरी की वजह से अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी पर 500 रुपये का जुर्माना भी लगाया। बताया जा रहा है कि मामले में देरी के चलते जुर्माना लगाया गया है। मामले पर अब 22 अगस्त को अगली सुनवाई होगी।

क्या है पूरा मामला?

ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी दर्शन मामले में दाखिल वाद की पोषणीयता पर जिला जज की अदालत में आज सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इस मुद्दे पर हो रही सुनवाई में अंजुमन इंतजामिया मसाजिद की तरफ से जबाबी बहस की जानी थी लेकिन इंतजामिया मसाजिद के मुख्य अधिवक्ता अभय यादव के निधन से सुनवाई प्रभावित हुई। इसी क्रम में अंजुमन इंतजामिया मसाजिद ने योगेंद्र सिंह को अपना अधिवक्ता बनाया था ।

क्या है दलील

महिला वादी पक्ष की दलील है कि यहां विशेष उपासना स्थल कानून 1991 लागू नहीं होता जबकि मुश्लिम पक्ष का कहना है कि यहां यह कानून लागू होता है जिस के मुताबिक आजादी के समय धर्मस्थलों की जो स्थिति है उसमें बदलाव नहीं होगा।

एफआईआर हुई तो राकेश सचान को जाना पड़ेगा जेल

आर्म्स एक्ट के मामले में सजा का आदेश लेकर कोर्ट से भागने का है मामला

कानपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। आर्म्स एक्ट के मामले में अगर भाजपा के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई तो उन्हें जेल जाना पड़ सकता है। क्योंकि कोर्ट से भागने का मामला गैरजमानतीय धाराओं का अपराध है। उनके मंत्री पद पर भी खतरा बढ़ गया है। कोर्ट का आदेश वायरल होने के बाद पुलिस अफसरों ने मंथन शुरू कर दिया है। वहीं, मंत्री का विरोधी खेमा कानपुर से लेकर हाईकोर्ट तक कार्रवाई कराने के लिए पैरवी में लगा है।

कानपुर कमिश्नरेट की कार्यशैली पर सवाल

आर्म्स एक्ट के मामले में 6 अगस्त को एसीएमएम- 3 कोर्ट में भाजपा के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान की सुनवाई थी। कोर्ट ने दोषी करार दिया तो सजा सुनाने से पहले मंत्री सजा के आदेश की फाइल लेकर कोर्ट से भाग निकले थे। इसके बाद कोर्ट ने मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए आदेश दिया था। लेकिन सत्ता

राकेश सचान

दबाव और मंत्री के रसूख के चलते एफआईआर दर्ज नहीं हुई। शहर में हर तरफ इसी बात की चर्चा है। उधर मंत्री ने भले ही 8 अगस्त को कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। लेकिन अब कोर्ट का मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का आदेश सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इससे एक बार फिर कानपुर पुलिस कमिश्नरेट की कार्यशैली पर सवाल खड़ा हो गया है। अगर कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया तो मामले में पुलिस ने अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की है। राकेश सचान का केस देख रहे अधिवक्ता के पैनल में शामिल एक सीनियर वकील ने नाम न छापने की शर्त पर अपनी राय दी।

वरिष्ठ अधिवक्ता का कहना है कि कोर्ट से सजा के दस्तावेज लेकर भागने के मामला गैर जमानतीय धाराओं का अपराध है। अगर इस मामले में राकेश सचान के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई तो उनका जेल जाना तय है। भले ही उन्हें महज चंद घंटे के लिए क्यों न जाना पड़े।

मंत्रालय पर भी मंडरा रहा है खतरा

अगर कैबिनेट मिनिस्टर राकेश सचान के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई तो उनका मंत्री पद जाना तय है। क्यों कि क्या पुलिस एक मंत्री को अरेस्ट करके जेल भेजेगी। इस हालात में उनका मंत्री पद सरकार से खत्म किया जाएगा। इसके बाद पुलिस ने उन्हें जेल भेजेगी।

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले यूपी में शुरू हुई आरक्षण की राजनीति

बीजेपी ने निकाला ये फॉर्मूला

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले उत्तर प्रदेश में आरक्षण की राजनीति एक बार फिर जोर पकड़ रही है। यूपी में बीजेपी की सहयोगी निषाद पार्टी ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही उनके समुदाय को ओबीसी से हटाकर अनुसूचित जाति में स्थानांतरित किया जाएगा। वही दूसरी तरफ ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने अब सामाजिक न्याय समिति को लागू करने की अपनी मांग को हरी झंडी दिखा दी है। जाति जनगणना के मुद्दे को उठाने के लिए सुभासपा ने 26 सितंबर से 'सावधान यात्रा' शुरू करने का फैसला किया है। हालांकि समाजवादी पार्टी से गठबंधन खत्म होने के बाद से सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर बीजेपी के खिलाफ

बयानबाजी करने से बचते नजर आए हैं। ओम प्रकाश राजभर ने कहा है कि - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दलितों और पिछड़े लोगों के अधिकारों के लिए जोर दे रहे हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल के दौरान सामाजिक न्याय समिति का गठन किया गया था। उस समय रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बावजूद इसे लागू नहीं किया गया था। अब इसे लागू करने का समय आ गया है। राजभर ने कहा कि वो सावधान यात्रा के दौरान उन पार्टियों को निशाना बनाएंगे, जिन्होंने सत्ता में रहते हुए हुए दलितों और पिछड़ों को प्रतिनिधित्व देने के बारे में कुछ नहीं किया। हालांकि ये ऐसी मांग है जिससे भाजपा के अन्य सहयोगी अपना दल सहज नहीं हैं। हालांकि योगी सरकार पिछले दस सालों में सरकारी भर्तियों में ओबीसी प्रतिनिधित्व का आंकलन करा रही है। यूपी सरकार के सभी विभागों को जनवरी 2010 से मार्च 2020 तक की गई ओबीसी भर्तियों में सभी उम्मीदवारों की उप-जाति का विवरण देने के लिए कहा गया है।

बाहुबली नेता राजन तिवारी बिहार के रक्सौल से गिरफ्तार

नेपाल भागने की फिराक में थे पूर्व विधायक

मोतिहारी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बाहुबली नेता और पूर्व विधायक राजन तिवारी को बिहार के रक्सौल से गिरफ्तार कर लिया गया है। राजन तिवारी नेपाल भागने की फिराक में थे। उन्हें नेपाल बॉर्डर के पास से पकड़ा गया। बिहार और उत्तर प्रदेश की पुलिस ने मिलकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। राजन तिवारी मोतिहारी के गोविंदगंज से विधायक रह चुके हैं। उनके खिलाफ बिहार और यूपी में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस को राजन तिवारी की लंबे समय से तलाश थी। उनपर 20 हजार रुपये का इनाम भी रखा हुआ था। मोतिहारी पुलिस को

सूचना मिली कि राजन तिवारी नेपाल भागने की फिराक में हैं और वे मोतिहारी में छिपे हुए हैं। इसकी सूचना यूपी पुलिस को दी गई। इसके बाद दोनों राज्यों की पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में उन्हें रक्सौल के हरैया ओपी थाना क्षेत्र से गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया। मोतिहारी के एसपी कुमार आशीष ने राजन तिवारी की गिरफ्तारी की पुष्टि की। राजन का नाम यूपी के टॉप 61 माफिया की लिस्ट में शुमार है। उनपर गोरखपुर कैंट थाने में दर्ज 1996 के हत्या के दो मामलों में आरोपी बनाया गया था। इस केस में गैंगस्टर श्रीप्रकाश शुक्ला भी सहआरोपी थे। राजन तिवारी पर यूपी और बिहार में 40 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले राजन तिवारी ने लखनऊ में बीजेपी की सदस्यता ली थी, जिसपर काफी विवाद हुआ था। इसके बाद वो पार्टी से साइडलाइन कर दिए गए।

डीसीएम और बोलेरो में भीषण टक्कर में एक की मौत, 9 लोग घायल

अंबेडकरनगर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अंबेडकरनगर में बसखारी थाना क्षेत्र के लहटोरवा चौकी के निकट एनएच 233 पर गुरुवार सुबह डीसीएम व बोलेरो की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। भीषण दुर्घटना में बोलोरो सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस से इलाज के लिए अतरौलिया अस्पताल भेज दिया गया है। जहां से सभी घायलों को सदर अस्पताल आजमगढ़ रेफर कर दिया गया। चंदौली जनपद के बलुआ थाना क्षेत्र के बड़ा गांव निवासी एक ही परिवार के अशरफ अंसारी पुत्र वाजिद अंसारी,जीशान पुत्र इसरार, छोटू ऊर्फ असगर(36) पुत्र इसरार, बेबी खान पुत्री अरशद, अफ्सरी बेगम पत्नी इसरार, अनस पुत्र अरशद, अमन पुत्र अरशद, शिफा पुत्री अरशद, शादिया पत्नी असगर व चालक अशरफ उर्फ पप्पू पुत्र वाहिद अहमद बोलोरो वाहन संख्या यूपी 67 जे 3441 से मखदूम अशरफ दरगाह बसखारी में जियारत करने आ रहे थे। गुरुवार सुबह एन एच 233 पर कौड़ाही बस्ती के निकट पहुंचते ही आमने-सामने फल लदे डीसीएम वाहन संख्या यूके 04 सीबी 6686 ने टक्कर मार दिया।

नवोदय के छात्रों ने खुद को हॉस्टल में कैद किया

भोजन-पानी को लेकर नाराजगी, डीएम को बुलाने पर अड़े

आज़मगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)। आजमगढ़ में जवाहर नवोदय विद्यालय के करीब ढाई सौ छात्रों ने खुद को स्कूल हॉस्टल में ही कैद कर लिया है। छात्र खराब भोजन, बिजली, पानी और साफ-सफाई की व्यवस्था को लेकर नाराज हैं। इसकी सूचना विद्यालय प्रशासन व पुलिस को लगी तो उनके हाथ पांव फूलने लगे। मौके पर पहुंच कर एसडीएम व सीओ ने छात्रों से कमरे का दरवाजे खुलवाने में लगे रहे। लेकिन दोपहर 12 बजे तक दरवाजा नहीं खोला। अधिकारियों ने समझाने की कोशिश की लेकिन छात्र केवल डीएम को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ गए है। छात्रो का कहना है कि लगभग एक माह से हम लोगों को खराब खाना मिल रहा है। इससे हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर हो रहा है। पानी सही न मिलने के कारण हम सबको बीमारियों से जूझना पड़ रहा है। अधिकतर छात्र छात्राएं बीमार रहते हैं। कई बार शिकायतों के बाद भी विद्यालय प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। ऊपर से बिजली न मिलने के कारण भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली न रहने से पढाई पूरी से प्रभावित हो रही है। जनरेटर की व्यवस्था होते हुए भी विद्यालय प्रशासन नहीं चलाता है। छात्रों ने प्रशासन से प्राचार्य को बदलने, विद्यालय में खाने, बिजली, पेयजल की व्यवस्था ठीक कराने की मांग की। अन्यथा हम बड़े आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

अफसर नहीं पूरा थाना फर्जी डीएसपी से कॉन्स्टेबल तक तैनात

बांका में 8 महीने से होटल में चल रहा था, रिवॉल्वर की जगह दिया कट्टा

बांका, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अब तक आपने फर्जी पुलिसवाले और फर्जी अफसरों की खबर पढ़ी और सुनी होगी, लेकिन बिहार में पूरा का पूरा थाना ही नकली चल रहा था। वह भी 8 महीने से। डीएसपी से लेकर मुंशी और कॉन्स्टेबल तक सभी काम कर रहे थे। सभी वर्दी में होते और कार्रवाई भी करते, लेकिन एक महिला दरोगा को रिवॉल्वर की जगह कट्टा दिया गया था। पूरा स्टाफ पांच सौ रुपए के दिहाड़ी पर काम कर रहा था। यह खबर बांका शहर की है। शहर के बीचोंबीच स्थित अनुराग होटल में यह फर्जी थाना चल रहा था। यह बांका थाने से आधे किलोमीटर दूर था। इस फर्जीवाड़ा का खुलासा बुधवार को तब हुआ जब बांका नगर थानाध्यक्ष शंभू यादव गश्ती कर रहे थे। शहर के गांधी चौक से शिवाजी चौक के बीच उनकी नजर वर्दी में एक युवक पर पड़ी। उसने बैच डीएसपी का लगाया हुआ था। उसके हाव भाव से उन्हें शक हो गया। युवक से पूछताछ की तो फर्जी थाने का पूरा खुलासा हो गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस मामले में 5 लोग पकड़े गए हैं। डीएसपी वर्दी पहने आकाश कुमार भागलपुर जिला के सुल्तानगंज थाना के खानपुर गांव का है। वहीं एक अन्य शख्स रमेश कुमार मांझी फुल्लीडुमर थाना क्षेत्र के लौंडिया गांव का है। इन लोगों ने एक महिला दरोगा की भी नियुक्ति की थी, जो फुल्लीडुमर थाना क्षेत्र के दूधघटिया गांव की श्यामलाल टुडू की पुत्री अनीता देवी है। इसे सर्विस रिवाल्वर के नाम पर कट्टा दिया गया था। महिला दरोगा का कहना है कि 55 हजार लेकर उसकी नियुक्ति कराई गई थी। साथ ही उसने यह भी कहा कि उसकी बात नीतीश कुमार और हेमंत सोरेन से भी होती थी, इसलिए उसे इस ठगी के बारे में पता नहीं चला। वहीं कार्यालय में मुंशी का कार्य सुल्तानगंज खानपुर गांव की ही जूली कुमारी कर रही थी। एक चपरासी की भी नियुक्ति की गई थी, जो फुल्लीडुमर थाना क्षेत्र के पथाय गांव का वकील मांझी है। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए फर्जी पुलिस वालों को हर दिन पांच सौ रुपए दिया जा रहा था। प्रारंभिक तौर पर यही बात सामने आई है कि यह लोग सरकारी योजनाओं की जांच के नाम पर वर्दी का धौंस दिखाकर लोगों से वसूली करते थे।

यूपी पुलिस टीम को कमरे में बंद कर कुत्ते से कटवाया

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पटना के फुलवारीशरीफ थाना इलाके के गोपालनगर में चोरी मामले में आरोपित संजय अग्रवाल उर्फ संजय गुप्ता की गिरफ्तारी के लिये छापेमारी करने पहुंची उत्तर प्रदेश के कानपुर सेंट्रल के जीआरपीएफ के दारोगा अब्बास हैदर व अन्य पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला किया गया। यूपी पुलिस की टीम को एक कमरे में बंद कर मारपीट की गई। इसके बाद पुलिसकर्मियों को जर्मन शेफर्ड ब्रीड के कुत्ते से कटवाया गया। मारपीट के दौरान दारोगा के अलावा दो अन्य जीआरपी के सिपाही को हल्की चोट आयी है। दारोगा के साथ मौजूद अन्य पुलिसकर्मी किसी तरह भाग निकले और अपनी जान बचायी। बाद में जख्मी दारोगा को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

शहीद बेटे के पार्थिव शरीर से लिपटकर रो पड़ी मां

लखीसराय में आईटीबीपी के जवान को नम आंखों से विदाई, अभिराज अमर रहे के लगाए नारे

लखीसराय, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर के पहलगाम में बस हादसे में शहीद अभिराज कुमार का पार्थिव शरीर सूर्यगढ़ा प्रखंड के खेमतरनी गांव पहुंचा। नम आंखों से जवान को अंतिम विदाई दी गई। बेटे के पार्थिव शरीर से लिपटकर मां रो पड़ी। मां बोलती रही तुम फिर लौटकर जरूर आना। अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। अभिराज अमर रहे के नारे लगाए गए। देशभक्ति गीतों और पूरे सम्मान के साथ जवान को अंतिम विदाई दी गई।

इस मौके पर डीएम संजय कुमार सिंह, स्थानीय विधायक प्रहलाद यादव, एएसपी अभियान मोतीलाल समेत कई अधिकारी एवं जन प्रतिनिधि मौके पर मौजूद रहे। आईटीबीपी के इंस्पेक्टर ने बताया

कि अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी से लौटे रहे जवानों से भरी बस चांदबाड़ी और पहलगाम के बीच गहरी खाई में गिर गई थी। इसमें सात लोगों की मौत हो गई, जिसमें हेड कांस्टेबल अभिराज कुमार की शामिल थे। इस मौके पर डीएम संजय कुमार सिंह ने कहा कि ये काफी दुखद पल है। भगवान उनके परिजनों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। वहीं स्थानीय विधायक प्रहलाद यादव ने भी हर संभव मदद का भरोसा दिलाने की बात कही। साल 2019 में अभिराज ने आईटीबीपी ज्वाइन किया था। उसके दो भाई और एक बहन थे।

बीजेपी नेता बोले-कथावाचक-पंडित पागल बनाते हैं

उमा भारती के रिश्तेदार प्रीतम लोधी शिवपुरी में बोले- सुंदर महिलाओं को आगे बैठाते हैं, वीडी शर्मा ने किया तलब

शिवपुरी,18 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के रिश्तेदार और बीजेपी नेता प्रीतम लोधी ने ब्राह्मणों, कथावाचकों पर विवादास्पद बयान दिया है। 17 अगस्त को शिवपुरी में प्रीतम लोधी ने कहा, कथावाचक सहित पंडित आपको पागल बनाते हैं। ये लोग दक्षिणा लेकर रफू चक्कर हो जाते हैं। ये सुंदर महिलाओं का घर चुनते हैं, उनको आगे बैठाते हैं। बीजेपी नेता का ये वीडियो अब सामने आया है। हंगामा मचता देख बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने प्रीतम लोधी को नोटिस जारी किया है। इधर, कांग्रेस इस मामले में हमलावर हो गई है।

प्रीतम लोधी वीरांगना रानी अवंति बाई लोधी की 191वीं जयंती पर शिवपुरी जिले के बदरवास के ग्राम खरैह में एक सम्मान समारोह में पहुंचे थे। कार्यक्रम में पंच-सरपंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्यों और छात्रों को सम्मानित किया गया।

यहां उन्होंने मंच से ब्राह्मणों के लिए कई अपमानजनक शब्द कहे। वीडियो वायरल होने के बाद ब्राह्मण समाज में रोष है।

कथावाचक सहित पंडित आपको नवरात्रि के 9 दिन रोजाना सात-आठ घंटे तक पागल बनाते हैं। कहते हैं कि अगर तुम दान करोगे तो भगवान तुमको देगा। महिलाएं इनकी बातों में आ जाती हैं और दूध, घी, दही अपने बच्चों को खिलाने की बजाय इन्हें दे देती हैं। ब्राह्मण 9 दिन तक आपको उल्लू बनाने और बातें करने के आपसे 25 से 50 हजार रुपए भी लेता है। इतना ही नहीं ये लोग सुंदर महिलाओं के घर चयन करते हैं। उनके घर जाकर कहते हैं, महाराज आज शाम का भोजन आपके यहीं करेंगे, लेकिन इनकी नजर कहीं और ही होती है। कथा के दौरान यह कहते हैं कि 20 से 30 साल की महिलाएं आगे बैठ जाओ। 30 से 45 साल की महिलाएं बीच में और बुजुर्ग महिलाएं पीछे बैठ जाओ। इसके बाद यह गाने गा-गाकर उन्हें नचवाते हैं और खुद ऊपर बैठे आनंद लेते हैं। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग की उपाध्यक्ष संगीता शर्मा ने ट्वीट कर लिखा- भाजपा नेता प्रीतम लोधी जी लगता है आपने शास्त्र नहीं पढ़ा है, ना धर्म की कोई पुस्तक पढ़ी है, ना आप अध्यात्म को समझते हैं। हिंदू होते हुए भी यदि आपने श्रीमद् भगवत गीता और रामचरितमानस जैसे ग्रंथ नहीं पढ़े हैं, तभी आपकी बुद्धि विकसित नहीं हुई है। जो आप ब्राह्मणों पर इस तरह के शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं, बहुत ही निंदनीय है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा जी आप स्वयं भी ब्राह्मण है, क्या इस ब्राह्मण विरोधी भाजपा नेता को पार्टी से बाहर करने का साहस दिखाएंगे?

प्रीतम लोधी की सफाई

जब बीजेपी नेता प्रीतम लोधी के बयानों का मूल तथ्य जानना चाहा तो उनका कहना था कि मैंने यह बात मिर्ची बाबा, आसाराम और राम-रहीम जैसे लोगों के लिए कही थी। यह वीडियो तोड़-मरोड़कर बनाया है। इसे जो लोग वायरल कर रहे हैं वो समाज में जहर घोलना चाहते हैं। ये उनका काम है, जिनके खिलाफ मैं चुनाव लड़ते आ रहा हूं। मैंने तो फर्जी लोगों से बचने के लिए कहा था।

दुर्ग में कांग्रेस की महिला पार्षद का इस्तीफा

भिलाई,18 अगस्त (एजेंसियां)। दुर्ग जिले की नगर पालिका परिषद अहिरवारा की वार्ड 11 की कांग्रेस पार्षद पूर्णिमा अमित दास ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने क्षेत्रीय विधायक व मंत्री गुरु रुद्र कुमार और नगर पालिका के सीएमओ को अपना त्याग पत्र सौंप दिया है। मंत्री को दिए त्याग पत्र में महिला पार्षद पूर्णिमा दास ने पार्टी की रिति और नीति पर सवाल उठाए हैं। आरोप लगाया है कि जो लोग पार्टी हित के लिए कार्य कर रहे हैं उन्हें नजर अंदाज किया जा रहा है और जो पार्टी विरोधी कार्य कर रहे हैं उन्हें बैनर पोस्टर में स्थान दिया जा राह है।

पार्षद पूर्णिमा दास ने मंत्री को दिए इस्तीफे में लिखा है कि अहिवारा क्षेत्र में पार्टी के कुछ लोगों की गलत रीति नीतियों से वह आहत हैं। वह लगातार नगर पालिका परिषद अहिवारा दो बार कांग्रेस से पार्षद चुनी जा चुकी हैं। उनके पति अमित दास भी कांग्रेस से पार्षद रह चुके हैं। इसके बाद भी पार्टी के कुछ मौका परस्त लोग उनसे द्वेष भावना रखते हुए अपमानित करते आ रहे हैं। महिला पार्षद का कहना है कि नगर पालिका परिषद अहिवारा चुनाव के दौरान उन्होंने ऐसे कुछ लोगों के खिलाफ मौखिक शिकायत की थी। इसके चलते वे लोग ऐसा कर रहे हैं।

पूर्णिमा ने आरोप लगाया कि इन लोगों के पार्टी विरोधी कार्य के चलते पार्टी नगर पालिका अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष की सीट हार गईं। उन्होंने हार का कारण और समीक्षा करने की बात कही थी, लेकिन आज तक नहीं होना गंभीर विषय है। ऐसे लोग खुलेआम पार्टी विपरीत जाकर कार्य करके भई ईनाम के तौर पर पार्टी के उच्च पदों पर आसीन हैं। वहीं पार्टी हित में काम करने की वजह से उन्हें संगठन में किसी पद की जवाबदारी नहीं दी गई।

नगर अध्यक्ष पर लगाया उपेक्षा करने का आरोप

पार्षद पूर्णिमा दास ने आरोप लगाया है कि पार्टी के नगर अध्यक्ष के द्वारा लगातार संगठन के कई कार्यक्रमों में उनकी उपेक्षा की गई है। जो लोग पार्टी विपरीत कार्य में संलिप्त होने के कारण पार्टी से निष्कासित हैं उनका फोटो पार्टी के फ्लैक्स में लगाया जा रहा है। ऐसा करके वो क्या संदेश देना चाहते हैं। वार्ड 11 में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान भी संगठन अध्यक्ष ने उनकी उपेक्षा की है। इससे मेरे वार्ड के लोगों की भावना को ठेस पहुंची है।

शिकायत के बाद भी नहीं दिया गया ध्यान

महिला पार्षद का आरोप है कि उसने लगातार इन सभी विषयों की शिकायत संगठन के उच्च पदाधिकारियों के समक्ष रखी है। इसके बाद भी उन लोगों ने इस मुद्दे पर कोई विचार नहीं किया है। इसलिए वह अपने सम्मान की रक्षा के लिए पार्टी संगठन एवं जनता द्वारा चुने गये पार्षद पद से इस्तीफा दे रही हैं।

3 दिन से लापता ट्रेनी कैप्टन का शव मिला

नर्मदापुरम,18 अगस्त (एजेंसियां)। नर्मदापुरम के पचमढ़ी आर्मी एजुकेशन सेंटर (एईसी) के लापता ट्रेनी कैप्टन का शव मिल गया है। उनका शव घटनास्थल से 2 किमी दूर बबूल के पेड़ पर फंसा हुआ था। कैप्टन 15 अगस्त को जबलपुर से पचमढ़ी के लिए कार से निकले थे। जबलपुर में भारी बारिश के बीच लेफ्टिनेंट पत्नी से मिलकर लौट रहे थे। उनकी आखिरी लोकेशन नर्मदापुरम जिले के माखननगर में नसीराबाद रोड बछवाड़ा में नदी की मिली थी।

ट्रेनी कैप्टन निर्मल शिवराजन (32) की कार सुबह बछवाड़ा नदी में मिली थी। यह पुल से करीब 100 मीटर दूर गहरे पानी में थी। एसडीओपी मदनमोहन समर ने बताया कि कार मिलने के बाद गोताखोर और आर्मी के जवानों के साथ नाव से सर्चिंग की तो बबूल के पेड़ में फंसा शव नजर आया। शव को पीएम के लिए माखन नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया है। थे। पचमढ़ी आर्मी एजुकेशन सेंटर के कर्नल राजेश पाटिल ने निर्मल शिवराजन (32) की गुमशुदगी पचमढ़ी थाने में दर्ज कराई थी। नर्मदापुरम जिले के अलावा रायसेन, सीहोर जिले की शाहगंज पुलिस और आर्मी एजुकेशन सेंटर का स्टाफ नर्मदा नदी के बैक वाटर में कैप्टन को तलाश रहा था। माखन नगर के पास बछवाड़ा गांव में भी नदी किनारे पुलिस, आर्मी SDERF की टीम उन्हें खोज रही थी।

कर्नाटक के रहने वाले ट्रेनी कैप्टन पचमढ़ी आर्मी एजुकेशन सेंटर में प्रशिक्षण ले रहे थे। जबलपुर में उनकी पत्नी लेफ्टिनेंट गोपीचंदा रहती हैं। तीन महीने पहले ही उनकी शादी हुई थी। 13 अगस्त को वे पत्नी से मिलने जबलपुर गए थे। 16 अगस्त को सुबह 6 बजे उन्हें सेंटर पहुंचना था, वे सेंटर नहीं पहुंचे।

ऐसे में कैप्टन की पत्नी लेफ्टिनेंट गोपीचंदा से संपर्क किया गया तो पता चला वे 15 अगस्त को ही कार से दोपहर करीब साढ़े 3 बजे पचमढ़ी के लिए रवाना हो गए थे। 13 अगस्त को कैप्टन पत्नी से मिलने जबलपुर गए थे। 16 अगस्त को सुबह 6 बजे उन्हें सेंटर पहुंचना था। उनकी कार गुरुवार सुबह नदी में मिली।

13 अगस्त को कैप्टन पत्नी से मिलने जबलपुर गए थे। 16 अगस्त को सुबह 6 बजे उन्हें सेंटर पहुंचना था। उनकी कार गुरुवार सुबह नदी में मिली।बाढ़ के कारण रास्ता बदला, बरेली, नसीराबाद मार्ग पर पहुंचे।

'चेहरा बदलने से चरित्र नहीं बदलेगा'

नेता प्रतिपक्ष बदले जाने पर कांग्रेस ने साधा निशाना; सीएम ने कहा-चंदेल जी से योग्य लोग पार्टी में मौजूद

रायपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में भाजपा विधायक दल ने चुनाव में उतरने से एक साल पहले अपना नेता बदल दिया है। अब नारायण चंदेल नेता प्रतिपक्ष हैं। इस फैसले से भाजपा कार्यकर्ताओं का बड़ा वर्ग खुश है। इस बीच सत्ताधारी कांग्रेस ने बहुत डिप्लोमैटिक प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, नारायण चंदेल से बहुत सारे योग्य लोग भाजपा में मौजूद हैं। जो यह पद संभाल सकते हैं।

भाजपा में बदलाव पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, चंदेल जी को बधाई-शुभकामना। उम्मीद करता हूं कि सकारात्मक विपक्ष की भूमिका वे निभाएंगे। हालांकि उनसे बहुत सारे योग्य और भी लोग पार्टी में हैं। वह बृजमोहन जी हों, अजय जी हों, शिवरतन शर्मा हों, अनेक ऐसे नाम हैं जो उस पद को धारण कर सकते थे। यह उनकी पार्टी का फैसला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां कोई विधायकों से रायशुमारी नहीं हुई है, बल्कि दिल्ली से पर्ची

आई जिसे सुनाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष के बाद नेता प्रतिपक्ष को बदले जाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, इसका मतलब है कि भाजपा नेतृत्व को इससे पहले जो टीम थी उस पर भरोसा नहीं है। इधर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा, भाजपा मुगालते में है कि वह नेतृत्व में बदलाव कर छत्तीसगढ़ में जनता का खोया भरोसा फिर से जीत लेगी। चेहरा बदलकर चरित्र नहीं बदला जा सकता। कहा, प्रदेश अध्यक्ष विष्णु देव साय के बाद नेता प्रतिपक्ष धर्मलाल कौशिक को पद से हटा कर भाजपा खुद को रमन सिंह के साए से दूर होने का दिखावा कर रही है।

भाजपा नेतृत्व को लगता है कि वह रमन सिंह गुट के लोगों को दरकिनार कर के 15 साल के भाजपा के कुशासन से जनता का ध्यान हटा लेंगे। भाजपा नेतृत्व भुलावे में हैं। ताश के 52 पत्ते होते है भाजपा का 52 का 52 पत्ता दागदार है। भाजपा में ऐसा एक भी नेता नहीं है जिसके ऊपर भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी का दाग न लगा हो। भाजपा किसी भी नेता को सामने लाये कोई फर्क नहीं पड़ने वाला।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा, भाजपा ने आदिवासी वर्ग से आए विष्णुदेव साय को अध्यक्ष पद से हटाया था। उम्मीद यह थी कि नेता प्रतिपक्ष की जवाबदारी किसी आदिवासी नेता को ही दी जायेगी। भाजपा के पास आदिवासी समाज से वरिष्ठ और समर्थ विधायक के रूप में ननकी राम कंवर हैं। इसके बाद भी उनके नाम पर विचार तक नहीं किया गया। इसका मतलब है कि भाजपा नेतृत्व की मानसिकता आदिवासी विरोधी है।

कौशिक पर लगाए गंभीर आरोप

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा, धरमलाल कौशिक नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारियों को कम डॉ. रमन सिंह के सिपहसालार होने की जिम्मेदारी को ज्यादा निभाते थे। राज्य सरकार ने 36 हजार करोड़ के नान घोटाले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया। धरमलाल कौशिक ने न्यायालय में याचिका लगाकर भ्रष्टाचारियों को बचाने की कोशिश की। झीरम घाटी कांड के न्यायिक जांच आयोग के कार्यकाल को बढ़ाया गया तो जांच को रुकवाने के लिए धरमलाल कौशिक न्यायालय गए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह	में	सिंह... 05-54	बजे
चंद्र-	मेष	में	कन्या 08-02	बजे
मंगल	वृष	में	तुला - 10-07	बजे
बुध-	सिंह	में	वृश्चिक 12-17	बजे
गुरु-	मीन	में	धनु--- 14-31	बजे
शुक्र-	मिथुन	में	मकर- 16-37	बजे
शनि-	मकर	में	कुंभ - 18-28	बजे
राहु-	मेष	में	मीन... 20-06	बजे
केतु-	तुला	में	मेष-- 21-42	बजे
			वृष-- 23-27	बजे
			मिथुन.. 01-27	बजे
			कर्क... 03-39	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-वर्षा,दिशाशूल- पश्चिम-दही खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी- **22-59** तक उपरान्त, नवमी
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष ,शुक्रवार, **19 August**
नक्षत्र -कृत्तिका - **01 -53** - राततक उपरान्त, रोहिणी
योग - ध्रुव - **20- 58** - तक उप- व्याघात
करण- बालव - **10 -05** - तक,उप- कौलव
विशेष:- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी वैष्णव
व्रत -त्योहार - श्री जाम्भोजी ज.,दुर्गा अष्टमी व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:45 से 12:20 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:03 - 07:36	शुभ	रोग.	18:38 - 20:04	अशुभ
लाभ	07:36 - 09:10	शुभ	काल.	20:04 - 21:29	अशुभ
अमृत	09:10 - 10:45	शुभ	लाभ.	21:29 - 22:54	शुभ
काल	10:45 - 12:20	अशुभ	उत्पात	22:54 - 00:20	अशुभ
शुभ	12:20 - 13:54	शुभ	शुभ.	00:20 - 01:45	शुभ
रोग	13:54 - 15:29	अशुभ	अमृत	01:45 - 03:10	शुभ
उत्पात	15:29 - 17:04	अशुभ	चंचल	03:10 - 04:36	शुभ
चंचल	17:04 - 18:35	शुभ	रोग	04:36 - 06:03	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आप अन्दर से डरे हुए से हैं।यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं।ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी। अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी।लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है।इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें।यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है। आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा।आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी।वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यवसायिक जिंदगी में क्या चल रहा है। आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आप आजकल हर किसी की नजर में हैं।जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे।इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं।यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ।हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे। अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे।आपके लिए रोमांचक समय है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो।लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे।आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें।आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी। आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं।आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे।आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी।आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है। आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है।आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें। हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते।आपको ऐसा करने की ज़रूरत भी नही है इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा।अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

एआरटीओ के घर में मिला थिएटर और बार

5 मकान, दो कार, 16 लाख कैश मिले; क्लर्क पत्नी गायब, कई सामान शिफ्ट किए

जबलपुर,18 अगस्त (एजेंसियां)। जबलपुर एआरटीओ के 10 हजार वर्गफीट के महल जैसे मकान में एशो-आराम के तमाम इंतजाम मिले हैं। ईओडब्लूकी टीम को एआरटीओ संतोष पाल और उनकी क्लर्क पत्नी रेखा पाल की आय से 650% अधिक संपत्ति मिली है। इनके दस्तावेज और अन्य पहलुओं की टीम जांच कर रही है। ईओडब्लू के छापे की भनक एआरटीओ को पहले ही लग गई थी, इसलिए उन्होंने कुछ बेशकीमती सामान दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया। जब टीम गुरुवार देर रात छापा मारने पहुंची तो रेखा पाल घर में नहीं मिली। बता दें, रेखा पाल एआरटीओ ऑफिस में ही क्लर्क है। आज सुबह भी ईओडब्लू की टीम ने संतोष पाल के कई संपत्ति की छानबीन शुरू की। आज टीम को 16 लाख रुपए नकद और सोने चांदी के जेवर मिले हैं। एआरटीओ के शताब्दीपुरम स्थित घर में बेसमेंट के अलावा तीन माले भी हैं। ईओडब्लू को प्राप्त शिकायत का सत्यापन निरीक्षक स्वर्णजीत सिंह धामी से कराया गया था।

एआरटीओ संतोष पाल के शताब्दीपुरम में स्थित बेसमेंट वाले तीन मंजिला आलीशान घर में सारा सामान लग्जरी है। घर में लिफ्ट से लेकर महंगी शराब रखने का वुडन केस, गार्डन, स्विमिंग पूल, झूमर सहित बेहद कीमती सामान मिला है। वहीं आजएआरटीओ के बैंक लॉकर बैंक खातों के बारे में भी खुलासा हो सकता है।

जानकारी के मुताबिक एआरटीओ संतोष पाल को छापे की भनक पहले ही लग चुकी थी। इसके बाद वह कुछ लग्जरी सामान को दूसरी जगह शिफ्ट कर रहा था। इसी कारण ईओडब्लू की 30 सदस्यों की टीम को देर रात छापा मार कार्रवाई करनी पड़ी।

रुश्दी बच गए...मैं हैरान हूं रुश्दी के लिखे पन्ने पढ़े थे

न्यूयॉर्क,18 अगस्त (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में भारतीय मूल के ब्रिटिश-अमेरिकी लेखक सलमान रुश्दी पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी उनके जिंदा बच जाने से हैरान है। 24 साल के हादी मतार ने 12 जुलाई सुबह 11 बजे चौटाउक्वा इंस्टीट्यूशन पहुंचे रुश्दी पर चाकू से 10-15 बार हमला किया था।

न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए गए इंटरव्यू में आरोपी मतार ने कहा- जब मैंने सुना कि वो बच गए हैं तो मैं सरप्राइज था। मुझे लगा नहीं था कि वे बच पाएंगे। मैं ईरान के धार्मिक नेता अयातुल्ला का सम्मान करता हूं। मुझे लगता है कि वह एक महान व्यक्ति हैं। मैंने रुश्दी के उपन्यास के कुछ पन्ने पढ़े थे। मैं उसके (रुशदी) बारे में इतना ही कहूंगा कि मुझे वह व्यक्ति पसंद नहीं है। मुझे नहीं लगता कि वह अच्छा इंसान है। उसने इस्लाम पर हमला किया। उसने इस्लाम मानने वालों की मान्यताओं और विश्वास पर हमला किया।

हमले का ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड से नहीं कोई लिंक

मातर शिया चरमपंथ और ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रति सहानुभूति रखता है। जांच एजेंसियां इस एंगल पर छानबीन कर रहे थे, लेकिन आरोपी ने बताया कि वो ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के संपर्क में नहीं था। उसने ये हमला किसी के कहने पर नहीं किया। मतार ने कहा कि उसे किसी ट्वीट के पता चला था कि रुश्दी चौटौक्वा इंस्टीट्यूशन में होने वाले एक प्रोग्राम में शामिल होंगे।

रुश्दी के खिलाफ 33 साल पहले उन्हें जान से मारने का फतवा जारी किया गया था। ये फतवा उनकी लिखी किताब 'द सैटेनिक वर्सेस' को लेकर जारी हुआ था। किताब से इस्लामिक कट्टरपंथी भड़क गए थे। न्यूयॉर्क में उन पर हुए हमले को इससे जोड़ कर देखा जा रहा है। हालांकि, आरोपी मतार ने अभी तक इस बात का खुलासा नहीं किया है कि उसने हमला क्यों किया था।

मस्जिद में बम ब्लास्ट 20 मरे

काबुल,18 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बुधवार शाम एक मस्जिद में धमाका हुआ, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई। 40 लोगों के घायल होने की भी खबर है। टोलो टीवी के टेलीग्राम चैनल के मुताबिक, काबुल के खैरखाना इलाके में 'अबूबकिर सेदिक' मस्जिद में मगरिब की नमाज के दौरान धमाका हुआ। तालिबान के सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि काबुल के पीडी-17 एरिया में हुए इस ब्लास्ट की जांच के लिए तालिबान के सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंच गए हैं। ब्लास्ट में मस्जिद के मौलवी आमिर मोहम्मद काबुली की भी मौत हुई है। इलाके के अस्पताल इमरजेंसी NGO ने बताया कि वहां 27 लोगों को भर्ती किया गया है, जिसमें 5 बच्चे शामिल हैं। इनमें एक बच्चा 7 साल का है।पिछले हफ्ते काबुल में एक फिदायीन हमले में तालिबान समर्थक मौलाना शेख रहीमुल्ला हक्कान की मौत हो गई थी।

इसकी जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी।इससे पहले 8 अगस्त को काबुल के एक बाजार में हुए बम धमाके में 8 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 22 लोग घायल हुए थे। यह धमाका शहर के पश्चिमी इलाके में हुआ जहां शिया मुस्लिम समुदाय के लोग आते थे।

छत्तीसगढ़ के आबकारी मंत्री के बिगड़े बोल

जगदलपुर,18 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के आबकारी मंत्री कवासी लखमा के फिर से बोल बिगड़े हैं। जगदलपुर में हो रहे एक कार्यक्रम के बाद जब मीडिया ने उनसे बैंक खोलने की मांग वाला सवाल किया तो उन्होंने कहा कि एक ही दिन में बच्चा भी पैदा नहीं होता है। शादी के बाद एक बार में बहू से बात करोगे क्या? तो बैंक कैसे खुलेगा। कवासी लखमा के इस बयान का वीडियो भी सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। भाजपा ने लखमा के इस बयान को बदजुबानी बताया है।

दरअसल, जगदलपुर में बस्तर जिला सहकारी केंद्रीय मर्यादित बैंक के नवनियुक्त अध्यक्ष के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया था। इस आयोजन में आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने भी शिरकत की। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान कवासी लखमा से पूछा गया कि, जब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बस्तर आए थे तो उन्होंने 16 नए बैंक खोलने की घोषणा की थी, कब तक खुलेंगे? लखमा ने इसका जवाब देते पहले तो कहा कि, कमिश्नर, कलेक्टर से लेकर विधायक इस काम में लगे हुए हैं।

फिर इतना कहकर उन्होंने उदाहरण के रूप में समझाना शुरू किया। लखमा ने बातों-बातों में कह दिया कि एक ही दिन में बच्चा भी पैदा नहीं होता। शादी के बाद एक ही दिन में बहू से बात करोगे क्या? इतना कहने के बाद लखमा ने फिर कहा कि, बैंक खोलना है, तो दिक्कत होगी ही। काम में थोड़ा आगे भी बढ़ेंगे, लेकिन सिर्फ 16 बैंक ही नहीं और भी कई खोले जाएंगे। उसके लिए थोड़ा समय लगेगा। लोगों की हर मांग पूरी की जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 19 अगस्त, 2022

खेल महासंघों की करतूत उजागर

खेल महासंघ अब तक विश्व फुटबाल की आड में क्या गुल खिलाते रहे हैं किसी को कानों कान तक खबर नहीं होती थी। लेकिन सर्वोच्च नियामक संस्था फीफा ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआइएफएफ) को निलंबित कर संस्था के बडे खेल को उजागर कर दिया है। इसके साथ ही संदेश दिया है कि खेल महासंघ को उसके नियमों का कडाई पालन करना ही होगा। देखा जाए तो फीफा की यह कार्रवाई मामूली नहीं कही जा सकती। भारतीय फुटबाल के पचासी साल के इतिहास में इसके पहले कोई ऐसा उदाहरण देखने में नहीं आया है जब भारतीय फुटबाल महासंघ के साथ इस किस्म का बर्ताव किया गया हो। मतलब साफ है कि अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ फीफा के निर्धारित नियमों तक का पालन नहीं कर रहा था। सबकुछ संस्था चलाने वालों की मर्जी पर ही निर्भर था। ऐसे में फीफा के सामने कडा संदेश देने के अलावा कोई चारा रह भी नहीं रह गया था। फीफा के इस कठोर कदम ने भारतीय खेल महासंघों की कार्य-संस्कृति की पोल खोल कर रख दिया है। जाहिर है, फीफा के निर्देश के बाद देश का फुटबाल जगत, खिलाडी और इस खेल के प्रेमी-प्रशंसक सबको धक्का लगा होगा। अब जो सबसे बडी चिंता की बात है वह यह कि इस फैसले से भारतीय फुटबाल के सामने कई तरह संकट खड़े हो सकते हैं। इसका पहला अफारा सामने आ गया है जब अक्तूबर में होने वाले अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी भारत के हाथ से छिन गई है। जब तक फीफा निलंबन वापस नहीं लेगा, तब तक भारत की पुरुष और महिला फुटबाल टीम किसी भी देश के साथ कोई खेल नहीं खेल सकेगी। भारत के फुटबाल क्लब भी किसी भी अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। जाहिर है इससे भारतीय फुटबाल का भारी नुकसान होने वाला है। देखा जाए तो अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ जिस रास्ते पर चल रहा था, उसमें एक न एक दिन यह सब होना ही था। इसमें कोइ शक नहीं कि इसके विवाद की जड़ इस पर कब्जे को लेकर रही है। बता दें कि दिसंबर 2020 में इसके अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल का कार्यकाल खत्म हो गया था, लेकिन वे आज भी अपने पद पर डटे हैं। जबकि नियमानुसार उन्हें कार्यकाल समाप्त होते ही पद छोड़ देना चाहिए था। यह भी उन्होंने तब किया है जब वे अपने तीन कार्यकाल पूरे कर चुके थे। आखिरकार सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद इस साल मई में पटेल ने इस कुर्सी को छोड़ा। सबाल तो इस बात का है कि आखिर खेल संघों की कुर्सी पर राजनेता क्यों चिपके रहना चाहते हैं? अगर प्रफुल्ल पटेल पहले ही नियमों के मुताबिक चलकर अपने पद समय रहते छोड़ देते तो नए चुनावों का रास्ता साफ हो जाता। नतीजतन ऐसे विवाद की नौबत भी नहीं आती। लेकिन देखने में अब तक यही आता रहा है कि खेल संघों के अध्यक्ष व दूसरे पदों पर कुंडली मार कर बैठने की प्रवृति गहरी जड़ें जमा चुकी है। हैरत की बात तो यह कि तमाम नियमों और हर खेल संगठन के अपने संविधान होने के बावजूद ये संस्थाएं भ्रष्टाचार और अराजकता का अड्डा बनी हुई हैं। ऐसे घाघ आरोपियों से निपटने के लिए सरकारी तंत्र भी लाचार ही नजर आता है। वरना क्यों नहीं खेल संगठनों के चुनाव समय पर होते और क्यों नहीं ये संस्थाएं नियमों के तहत काम करतीं? मामला सिर्फ अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ तक ही सीमित नहीं है। ज्यादातर खेल संगठनों पर ताकतवर लोगों का कब्जा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसे लोगों को सत्ता का खुला संरक्षण मिलता रहता है। इसलिए यह सवाल आज भी मौजूं बना हुआ है कि खेल संगठनों को कुछ लोगों की जागीर बनने से रोका कैसे जाए? आखिरकार जैसे आज प्रशासकों की समिति (सीओए) फीफा की शर्तों पर चुनाव कराने के लिए खेल महासंघ तैयार हुआ है यह काम तो पहले भी कर सकता था। खेल संगठनों में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल विशेषज्ञों के बजाय अगर राजनीति और सत्ता से जुड़े लोग ऐसे ही जमे रहेंगे तो भारत कैसे खेलों में दूसरे देशों से आगे निकल पाएगा? यह विचारणीय मुद्दा है जिस पर गंभीरता से काम करने की जरूरत है।

कर्मयोगी श्रीकृष्ण: जियो तो ऐसे जियो

सुख की चाह और दुःख से दूरी बनाए रखना जीवित प्राणी का सहज स्वाभाविक व्यवहार है जो पशु- मनुष्य सब में दिखाई पड़ता है। यह सूत्र जीवन के सम्भव होने की शर्त की तरह काम करता है। पर इसके आगे की कहानी हम सब खुद रचते हैं। आहार, निद्रा, भय और मैथुन के अलावा हम सब धन, दौलत, पद, प्रतिष्ठा, आदर, सम्मान, प्रेम, दया, दान आदि समाज जनित कामनाओं के इर्द-गिर्द निजी और सार्वजनिक जीवन ताना-बाना बुनते हैं। जिन्दगी खेने की सारी कशमकश इन्हीं को लेकर चलती रहती है। आज की दुनिया में हर कोई कुंठा और तनाव से जूझता दिख रहा है और उससे निपटने के लिए मानसिक दबाव बढ़ता जा रहा है। थोड़ा निकट से देखें तो यही बात उभर कर सामने आती है कि किसी न किसी तरह सभी अपनी स्थिति से असंतुष्ट हैं। कुछ लोग जितना है उसमें इच्छा से कम होने को लेकर तो कुछ लोग जो उनके पास नहीं है उसे पाने को लेकर। सबके साथ कुछ न कुछ ऐसा हो रहा है कि सभी वर्तमान क्षण का पूरा रस नहीं ले पा रहे हैं और जीवन बीता जा रहा है। परिस्थितियाँ प्रतिदिन उपलब्धियों के नए स्तर और आयाम भी दिखाती रहती हैं और इन सबके बीच जीने की राह ढूँढ़ना दिनों दिन मुश्किल चुनौती बनती जा रही है। बढ़ते अँधेरे वाले ऐसे समय में महानायक श्रीकृष्ण का स्मरण प्रकाश की किरण जैसा भरोसा देने वाला और आश्वस्त करने वाला है।भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक स्मृति को टटोलें तो मिलता है कि भगवान श्रीकृष्ण का चरित संक्रमण और युग संधि की वेला में उपस्थित होता है। मानव स्वभाव की उत्तम, मध्यम और हीन हर तरह प्रवृत्तियों के साथ उनको जूझना पड़ा था। भागवत और महाभारत के साथ अन्य तमाम काव्यों और लोक जीवन में व्याप्त कथाओं में श्रीकृष्ण हर तरह के कष्ट से छुटकारा दिलाने वाले सर्वजनसुलभ त्राता के रूप में भारतीय मन में बसे हुए हैं। खुद उनकी कथा विलक्षणताओं और जटिलताओँ के साथ नित्य नई-नई उलझनों और उतार-चढ़ाव के बीच सहज जीवन की सम्भावना को स्थापित करने वाली है। जन्म से लेकर जीवनपर्यंत वे इतने रूपों और इतनी भूमिकाओं में आते हैं कि उनकी कोई एक स्थिर पहचान तय करना मुश्किल है। वैसे तो उनकी विपुल गाथा में अनेक अवसर आते हैं जहां वे अपने विचार और व्यवहार से मार्गदर्शन देते हैं और सीखने के लिए बहुत कुछ मिलता है पर भगवद्गीता का उपदेश ही मुख्य है जिसमें वह जीने की राह बताते हैं। उसके मूल सिद्धांत का प्रतिपादन है जिसे योग का नाम दिया गया है। श्रीकृष्ण योग से युक्त होने पर बल देते हैं और योग की कई विधाएं बताते हैं पर एक आधारभूत सन्देश यह है कि जीवन कर्ममय है और वह अस्तित्व की प्रकृति का हिस्सा होने के कारण अनिवार्य है। इस कर्म का ठीक तरह से नियोजन कैसे किया जाय यह मुख्य प्रतिपाद्य हो जाता है। जीवन में कर्म की केन्द्रिकता दुर्निवार है और ऐसी स्थिति में मुख्य समस्या यही है कि कर्म (या व्यवहार) पर अपना नियंत्रण कैसे हो ताकि कुशलता आ सके क्योंकि कर्म ही वह माध्यम है जिससे मानसिक संकल्प मूर्त रूप लेते हैं।

महोत्सव के बाद अमृत बनाये रखने की चुनौती

सत्यवान 'सौरभ'

दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र जल्द ही पृथ्वी पर सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने वाला है। इसलिए, स्वतंत्रता के 75 वर्ष का उत्सव व्यक्तिगत और सामूहिक स्वतंत्रता के संरक्षण और प्रचार में वैश्विक मानकों को स्थापित करने के लिए एक विशेष जिम्मेदारी लाता है। इस ऐतिहासिक अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी स्वतंत्रता को कभी भी सत्तावादी अहंकार से नहीं लूटने देंगे या भारतीय लोगों की एकता को कमजोर करने के लिए नफरत फैलाने की अनुमति नहीं देंगे। आजादी के अमृत महोत्सव का मतलब नए विचारों, नए संकल्पों और आत्मनिर्भरता का अमृत है। 'आजादी का अमृत महोत्सव' प्रगतिशील भारत की आजादी के 75 साल और उसकी संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को बनाये रखने की मांग करता है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, मुस्लिम लीग और सिख समुदाय के विधायिका प्रतिनिधियों ने लॉर्ड माउंटबेटन के साथ एक समझौता किया, जिसे 3 जून योजना या माउंटबेटन योजना के रूप में जाना जाता है। यह योजना स्वतंत्रता की अंतिम योजना थी। 3 जून 1947 को वायसराय माउंटबेटन द्वारा घोषित योजना में ब्रिटिश भारत के विभाजन के सिद्धांत को ब्रिटिश सरकार ने स्वीकार कर लिया था। उत्तराधिकारी सरकारों को डोमिनियन का दर्जा, दोनों देशों को स्वायत्तता और संप्रभुता, उत्तराधिकारी सरकार अपना संविधान बनाये, भौगोलिक निकटता और लोगों की इच्छा से रियासतों को दो प्रमुख कारकों के आधार पर पाकिस्तान या भारत में शामिल होने का अधिकार दिया गया था। माउंटबेटन योजना ने 1947 के भारत स्वतंत्रता अधिनियम का नेतृत्व किया।यूनाइटेड किंगडम की संसद द्वारा पारित भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 में ब्रिटिश भारत को दो नए स्वतंत्र प्रभुत्वों में विभाजित कर दिया। भारत का डोमिनियन (बाद में भारत गणराज्य बनने के लिए) पाकिस्तान का डोमिनियन (बाद में पाकिस्तान का इस्लामी गणराज्य बन गया) के इस अधिनियम को 18 जुलाई 1947 को शाही स्वीकृति प्राप्त हुई। 15 अगस्त 1947 को भारत और पाकिस्तान स्वतंत्र हुए। भारत 15 अगस्त को अपने स्वतंत्रता दिवस मनाता है जबकि पाकिस्तान ने अपने कैबिनेट निर्णयों के अनुसार 14 अगस्त को अपने स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाता है।भारत ब्रिटिश शासित प्रदेशों और रियासतों के व्यापक बिखराव से एक राष्ट्र का निर्माण करने के लिए औपनिवेशिक शासन के गला घोंटने से उभरा। स्वतंत्रता संग्राम की यह एकता रातों-रात जादुई रूप से मूर्त रूप नहीं ले पाई। इस आंदोलन ने महात्मा गांधी से प्रेरित और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व में विदेशी शासन को समाप्त करने के लिए पूरे देश में भारतीयों को एकजुट किया। इस आंदोलन ने भारतीयों को भाषा, धर्म, जाति, लिंग और सामाजिक स्थिति की कई पहचानों में एकजुट किया। ये एकता भारत के लिए अनमोल है और इसे सांप्रदायिक

रोजगार विहीन विकास किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षित दांव नहीं है। बेरोजगारी न केवल हमारे मानव संसाधनों के इष्टतम उपयोग की अनुमति देती है बल्कि सामाजिक कलह और विभाजनकारी राजनीति के लिए प्रजनन स्थल भी बनाती है। शिक्षा, स्किलिंग, युवा उद्यमियों और नवप्रवर्तन कर्ताओं को उपयुक्त रोजगार और सहायता, शिक्षा और रोजगार के लिए देश भर में गतिशीलता को आसान बनाना समय की जरूरत है।

रूप से विभाजनकारी, भाषाई रूप से अतिवादी, कठोर जातिवादी और लिंग संवेदनशील अभियानों के माध्यम से नष्ट नहीं किया जाना चाहिए जो भारतीय पहचान को खंडित करेंगे। रोजगार विहीन विकास किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षित दांव नहीं है। बेरोजगारी न केवल हमारे मानव संसाधनों के इष्टतम उपयोग की अनुमति देती है बल्कि सामाजिक कलह और विभाजनकारी राजनीति के लिए प्रजनन स्थल भी बनाती है। शिक्षा, स्किलिंग, युवा उद्यमियों और नवप्रवर्तन कर्ताओं को उपयुक्त रोजगार और सहायता, शिक्षा और रोजगार के लिए देश भर में गतिशीलता को आसान बनाना समय की जरूरत है। सांप्रदायिक और भाषाई बाधाएं ऐसी गतिशीलता में बाधा डालती हैं और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। भारतीय उद्योग जगत के नेताओं को इस खतरे को पहचानना चाहिए और राष्ट्रीय एकता के लिए अपनी आवाज उठानी चाहिए, मूकदर्शक नहीं रहना चाहिए, जब विभाजनकारी राजनीति अर्थव्यवस्था के लिए खतरा पैदा कर रही हो। भारत ने स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों से ही विज्ञान में उत्कृष्टता को प्रगति के मार्ग के रूप में अपनाया। राष्ट्रीय विज्ञान नीति अग्रगामी थी। वैज्ञानिक शिक्षा और अनुसंधान के महान संस्थान स्थापित किए गए। भारत के विभिन्न प्रौद्योगिकी संस्थानों ने विश्व ख्याति प्राप्त की है, उनके कई स्नातक प्रतिष्ठित वैश्विक उद्यमों का नेतृत्व कर रहे हैं। अंतरिक्ष, समुद्र विज्ञान और परमाणु कार्यक्रमों ने हमें राष्ट्रों के एक चुनिंदा समूह में रखा है, जिनकी वैज्ञानिक कौशल और तकनीकी उत्कृष्टता को पूरी दुनिया सम्मान पूर्वक स्वीकार करती है। भारत को युवाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण हमें याद दिलाता है कि बौनापन, कुपोषण और एनीमिया प्रजनन आयु वर्ग के हमारे बच्चों और महिलाओं का एक बड़ा प्रतिशत पीड़ित है। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि पोषण-विशिष्ट कार्यक्रम वितरित हों, भले ही हम अन्य क्षेत्रों, विशेष रूप से पानी और स्वच्छता में पोषण-संवेदनशील नीतियों को आगे बढ़ाएं। कोविद-19 ने हमारी स्वास्थ्य प्रणाली में कई कमजोरियों को उजागर किया। रोग निगरानी से लेकर स्वास्थ्य देखभाल के प्रावधान तक, हमें स्वास्थ्य सेवाओं की क्षमता को मजबूत करने की आवश्यकता है। विभिन्न राज्यों में स्वास्थ्य प्रणालियों की क्षमता और प्रदर्शन में उल्लेखनीय अंतर हैं। यह आवश्यक है कि राज्य स्वास्थ्य में अधिक निवेश करें और यह भी कि केंद्र प्रायोजित कार्यक्रमों का उद्देश्य उन राज्यों को अधिक सहायता प्रदान करना है जिनके स्वास्थ्य संकेतक पिछड़ रहे हैं। हमें अपनी स्थिति बनाए रखने की जरूरत है, भले ही दुनिया नए संघर्षों और गठबंधनों को देख रही हो। दुनिया के अधिकांश देशों में, लेकिन विशेष रूप से दक्षिण एशिया में हमारे लिए एक विश्वसनीय और सम्मानित मित्र के रूप में माना जाना आवश्यक है। हमें अपनी विदेश नीति को व्यक्तिगत इशारों पर निर्भरता के माध्यम से डगमगाने नहीं देना चाहिए, लेकिन सक्षम राजनयिकों द्वारा समर्थित बुद्धिमान नेतृत्व के माध्यम से स्पष्ट पहल का पालन करना चाहिए। इसके साथ-साथ, संस्थाओं का भी कमजोर होना चिंताजनक है जो लोकतांत्रिक स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं, सुशासन के मानदंडों को बनाए रखते हैं और चुनावी राजनीति को धन बल और सह-चुनाई गई राज्य एजेंसियों के हमले से बचाते हैं। यह भारत के नागरिकों के लिए चुनौती है कि वे हमारी स्वतंत्रता की कड़ी मेहनत से प्राप्त लाभों की सुरक्षा और संरक्षण करें। सामाजिक और शैक्षिक रूप से वंचित बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में मदद करने के लिए 'समावेश निधि' के निर्माण की आवश्यकता है।

आजादी के अमृत और गुलामी के विष का फर्क तो समझें

सियाराम पांडेय 'शांत'

आजादी मन का विषय है। यह तन और धन का विषय है ही नहीं। हालांकि तन, मन और धन एक-दूसरे के पूरक हैं। एक-दूसरे से जुड़े हैं। इनमें से एक भी कम हो तो बात बिगड़ जाती है और बिगड़ी बात कभी बनती नहीं। उसी तरह जैसे बिगड़े हुए दूध से मक्खन नहीं बनता। मतभेद तो फिर भी दूर किए जा सकते हैं लेकिन मनभेद को दूर करना किसी के भी वश का नहीं। इस साल भारत अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। तिरंगा यात्रा निकाल रहा है। देश के हर घर, हर संस्थान पर तिरंगा लहरा रहा है। कुछ राजनीतिक दल अगर राष्ट्रध्वज बांट रहे हैं तो कुछ इस पर टिप्पणी भी कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव कह रहे हैं कि तिरंगे की आड़ में भाजपा अपने पाप छिपा रही है। तिरंगा उसे अपने कार्यालयों पर लगाना चाहिए। पार्टी का झंडा उतारकर लगाना चाहिए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और खंडित शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे कह रहे हैं कि तिरंगा फहराने से कोई राष्टभक्त नहीं हो जाता। यह कुछ हद तक सही भी हो सकता है लेकिन पूरा सच तो नहीं ही है। तिरंगा वही अपने हाथों में ले सकता है जिसमें राष्ट्रभक्ति की स्फुलिंग (चिंगारी) हो। तिरंगे का अपना प्रताप है। उसका अपना ताप है। अपनी आंच है। उसे हर कोई नहीं झेल सकता। वैसे ही जैसे रावण पंचवटी में लक्ष्मण रेखा की आंच को नहीं झेल सका था। कांग्रेस वाले भी घर-घर तिरंगा अभियान पर कटाक्ष कर रहे हैं। संविधान में धर्म निरपेक्ष और समाजवाद जैसी कुटिल घुसपैठ करने और भारतीय संविधान को आधा सरिया कानून बनाने की कोशिश करने वाली जमात को आजादी का जश्न मनाने वाला भारतीय समाज सुहाए भी तो किस तरह? जम्मू-कश्मीर में हर दिन यह देश आतंकवादियों से जंग लड़ रहा है और इस देश के कुछ राजनीतिक दल सैन्य कार्रवाई पर ही सवाल उठा रहे हैं । आधी रात को देश की गुपचुप आजादी लेने वाले तो अब बचे नहीं लेकिन उनके अपने खानदानी भी आजादी का सही अर्थ आज तक नहीं समझ पाए। आज स्वतंत्रता को स्वच्छंदता मानने की भूल वे आज भी कर रहे हैं। सोच सकारात्मक हो, इरादे मजबूत हों, देश के लिए कुछ कर गुजरने की ललक हो तभी देश मजबूत होता है। आत्मनिर्भर होता है। आज अगर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया भी भारत का तेजस खरीदना चाहते हैं तो समझ जाना चाहिए कि देश की साख दुनिया में बढ़ रही है। जब हम कश्मीर में दुनिया का सबसे ऊंचा पुल बनाते हैं तो देश का गौरव बढ़ता है न कि राजनीतिक छिद्रान्वेषण से। देश को आजाद हुए 75 साल हो गए लेकिन आज तक यह देश आजादी का मतलब नहीं समझ सका। सत्तारूढ़ दल को तो आजादी का कुछ पता होता भी है लेकिन सत्ता से पैदल दलों के मन की डाल पर तो आजादी की चिड़िया बैठती ही नहीं। चहचहाना तो दूर की बात है। आजकल ऐसा ही हो रहा है। हर साल स्वतंत्रता दिवस पर कुछ लोग अपने घरों पर पाकिस्तान का झंडा फहराते हैं। एक दिन पहले ही यूपी के एक जिले में एक व्यक्ति को अपने घर पर पाकिस्तान का झंडा फहराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।सहारनपुर में पकड़े गए आतंकी नदीम और राजस्थान में आईएसआई के लिए जासूसी करते पकड़े गए तीन देशद्रोहियों से तो तिरंगा लहराने की यह देश उम्मीद नहीं कर सकता। घृणा और द्वेष से भरा मिजाज बेहद खतरनाक होता है। देश में राष्टभक्ति के भाव भरने का काम अनवरत होना चाहिए था लेकिन विपक्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर तिरंगा न फैलाने के आरोप लगाता रहा और अब तो संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी नागपुर मुख्यालय पर राष्ट्रध्वज फहरा दिया है। भाजयुमो ने कांग्रेस को आजादी का इतिहास पढ़ाने का संकल्प लिया है, जिससे उसका यह मुगालता दूर हो जाए कि आजादी की जंग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का योगदान था या नहीं। आजादी सबके लिए होती है।

वह व्यक्तिगत कम, सार्वजनिक ज्यादा होती है। स्वतंत्रता की सही व्याख्या तो तत्कालीन जनरल मानिक शाह भी नही कर सके थे। उन्होंने जाने अनजाने इसे फ्री यानी मुफ्त से जोड़ दिया था। आजकल मुफ्त की रेवड़ी पर बहस चल रही है। राजनीतिक दल और सुप्रीम कोर्ट के स्तर पर अलग-अलग विचार आए हैं। हम देशवासियों को यह समझना होगा कि मुफ्त में कुछ भी नहीं मिलता। हर मुफ्त कही जाने वाली सुविधाओं की यह देश बड़ी कीमत अदा करता है। एक कवि ने तो यहां तक लिखा है कि व्यक्ति ही नहीं, प्रकृति को भी श्रम का मूल्य चुकाना पड़ता है। श्रम का मूल्य चुकाना होगा,आज नहीं तो क्या कल है सुमन तुम्हें मुरझाना होगा। देश आज अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है लेकिन हमें याद रखना होगा कि यह आजादी कितने संघर्षों, त्याग, तपस्या और बलिदानों की बिना पर मिली है। जो राष्ट्र और समाज अपने अतीत को भूल जाता है, वह अपनी जड़ों से कट जाता है। यह अच्छी बात है कि भारत ने एक साल पहले से 14 अगस्त को भारत विभाजन की त्रासदी दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है। जो देश अपनी गुलामी को भूल जाता है, वह आजादी के मार्ग से भी भटक जाता है। एक तिरंगा ही तो है तो विविध धर्मों, संप्रदायों, जातियों, उपजातियों, भाषाओं-संस्कृतियों, पूजा-पद्धतियों में बंटे और अनेकता में एकता का संदेश देते भारत राष्ट्र को एक कर सकता है।

आजादी का यह मतलब हरगिज नहीं कि कुछ लोगों के फ्लैट और दीवारों से धन की ढेरियां निकलें और कुछ लोग मुफ्त सरकारी अनाज पाने लिए घंटों तपती धूप में खड़े रहें। इस प्रवृत्ति पर अंकुश में ही आजादी का वास्तविक मर्म छिपा है। अपराधी अपराधी है लेकिन कुछ लोग उनकी आजादी के सवाल उठा रहे हैं। देश के दुश्मन चीन और पाकिस्तान में ही नहीं रहते, हमारे अपने बीच भी रहते हैं। ऐसे लोगों को पहचानना होगा।उनके मुखौटे उतारने होंगे तभी हम आजादी के नजदीक पहुंच पाएंगे। चीन अपने जासूसी जहाज के साथ श्रीलंका के बंदरगाह पर पहुंच गया है। पाकिस्तान का पॉट भी वहां पहुंच गया है। चीन और पाकिस्तान कभी भी विश्वसनीय पड़ोसी नहीं रहे।

मांगेराम की विदाई और छबीले, रंगीले, कबीले का भाषण

विदाई समारोह चल रहा था। बहन और जीजा की विदाई नहीं होने के बावजूद ज्यादातर के चेहरे उदास नजर आ रहे थे। 'बड़का झुट्ठा पार्टी' के नेता मांगेराम शर्मा की विदाई हो रही थी। पार्टी ने मांगे की जिम्मेदारी बदलकर देश के दूसरे इलाके में भेज दिया था। यही सबसे बड़ी दुखी की घड़ी थी। मांगे के जाने से कई अधेड़ युवा नेता अपने को विधवा महसूस कर रहे थे। मांगे ने भले ही अधेड़ युवा नेताओं की मांग ना भरी हो लेकिन ज्यादातर उसे अपना चचेरा भतार मानते थे। वैसे तो मांगे को पूर्जा-अर्चना में ज्यादा दिलचस्पी थी, लेकिन प्रार्थना और उपासना से भी उसको उतना ही प्रेम था। मांगे बहुत ही प्रेमी स्वभाव का नेता था। मांगे के जाने से छबीले भी बहुत दुखी था। वह रंगीले से भी ज्यादा दुखी दिखना चाहता था। दुख भरे चेहरे और आंसू के हिसाब से यह तय कर पाना मुश्किल हो रहा था कि दोनों में सबसे ज्यादा दुखी कौन है? विदाई भाषण से ही तय होना था कि इन दोनों में सबसे ज्यादा दुखी कौन है?

भावुक माहौल में छबीले मंच पर पहुंचा। उसकी आंखें आंसुओं के बोझ से धुंधली हो चुकी थीं। वह रंगीले से ज्यादा आंसू निकालना चाहता था। वह विपक्षी नेता द्वारा सदन में दी गई गालियों को याद कर ज्यादा से ज्यादा आंसू निकालने की कोशिश कर रहा था। फिर अपने आंसुओं को कुर्ते के बाजू से पोंछते हुए छबीले ने कहा, "आज पार्टी को शून्य से शिखर पर पहुंचाने वाले मांगेराम जी जा रहे हैं। आज मांगे नहीं होते तो हमारी सरकार नहीं बनी होती।" हर वाक्य के साथ छबीले की भावनाओं का उद्वेग बढ़ता जा रहा था। उसने आगे कहा, "हमारी जो पिछली सरकार बनी थी वह भी मांगेराम जी की वजह से बनी थी। हमारे राज्य में जो भी सरकार बनी मांगे जी की वजह से बनी। मैं तो ये भी कहता हूं कि दूसरे दलों की जो सरकार बनी वह भी मांगेराम जी की वजह से बनी। पड़ोस के राज्य में भी सरकार मांगेराम जी की वजह से बनी। हमारे प्रदेश की सरकार जनता और वोटरों ने नहीं बनाई बल्कि मांगेराम ने बनाई। आज बहुत दुख की घड़ी है कि मांगे जी हमको छोड़कर जा रहे हैं।" छबीले के जोरदार भाषण के बाद रंगीले पर दबाव आ गया। वह भी आंसुओं के सेम पोज में मंच पर पहुंचा।

कुर्ते की बाह से आंखें पोंछी। वह छबीले से ज्यादा जोरदार भाषण देना चाहता था, फिर वह शुरू हो गया, "मांगेराम जी का जाना मेरी निजी क्षति है। छबीले ने कहा राज्य में सरकार मांगेराम जी ने बनवाई, पर मैं कहना चाहता हूं कि मांगेराम जी के आने से पहले प्रदेश में जो सरकारें बनीं, वह भी मांगेराम जी ने बनवाईं। सरकार क्या ताजमहल भी मांगेराम जी ने बनवाई। लालकिला भी उन्होंने ही बनवाई। राजस्थान का हवा हवाई महल भी उन्होंने बनवाया। पाकिस्तान तक की सरकार मांगेराम जी ने बनवाई। तालिबान की सरकार मांगेराम जी ने बनवाई। जो केवल पड़ोसी राज्य तक की सरकार बनवाने का श्रेय देकर मांगेराम जी की महत्ता कम करना चाहते हैं, उन्हें चेत जाना चाहिए कि जवाहर लाल नेहरू की सरकार भी मांगेराम जी ने बनवाई।" इस जोरदार भाषण के बाद पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

लगातार बढ़ रही हैं ममता बनर्जी की मुश्किलें

बंगाल की सीएम ममता बनर्जी अपने राजनीतिक जीवन के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही हैं। बतौर सीएम क्यों यह दौर उनके लिए कठिन माना जा रहा है, इसकी कुछ वजहें बिलकुल साफ हैं। पिछले कुछ समय की घटनाओं पर एक नजर डालते ही ये सामने आ जाती हैं।

हाई कोर्ट के आदेश पर एक के बाद एक घोटालों की जांच हो रही है और आरोपी जेल जा रहे हैं। लपेटे में आने वाले तकरीबन सारे लोग किसी न किसी रूप में ममता बनर्जी या उनकी पार्टी से जुड़े हैं।

आर्थिक मोर्चे पर राज्य बदहाल है। घोटालों और गड़बड़ी के कारण तीन अहम केंद्रीय योजनाओं- मनरेगा, पीएम ग्रामीण सड़क योजना और आवास योजना- का पैसा रुका हुआ है।

स्कूल सर्विस कमिशन की ओर से अवैध शिक्षक भर्ती का मामला ऐसा है कि लाखों रुपये देकर वेटिंग लिस्ट में चल रहे लोग नौकरी विक्रेता नेताओं से पैसा वापस मांग रहे हैं और इस क्रम में कभी-कभी हिंसक भी हो जा रहे हैं।जो घूस देकर नौकरी पा चुके हैं, उनकी पूरी लिस्ट हाईकोर्ट में पहुंच चुकी है। उन पर बर्खास्तगी की तलवार लटक रही है। ऐसे लोगों की तादाद हजारों में है।

सोचिए, इस मामले का जब फैसला आएगा, तब ये हजारों लोग तृणमूल नेताओं से घूस की रकम वापस लेने के लिए किस कदर दबाव बनाएंगे। इन हालात में सरकार की मुखिया का संकट आसानी से समझा जा सकता है। आर्थिक मोर्चे पर बदहाली भी ममता के लिए एक सिरदर्द है। यह सही है कि इस बदहाली का लंबा सिलसिला मिलता है बंगाल में, लेकिन मुद्दा यह है कि तृणमूल के दौर में भी यह सिलसिला थमा नहीं। ममता बनर्जी 2011 में बंगाल की पहली बार मुख्यमंत्री बनीं, तब राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 1 प्रतिशत था और आज भी यह आंकड़ा वहीं है। 2014 से ममता सरकार खेल संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए लोकल क्लबों को पहली बार दो लाख और बाद में एक-एक लाख का अनुदान देती आई है। 2015-16 में ममता सरकार ने 7194 क्लबों को 88 करोड़ का अनुदान दिया। हकीकत यह है कि हर पाड़ा (बस्ती) में खोले गए ये क्लब कैरम, टीवी और म्यूजिक सिस्टम लगाकर आनंद उठाते हैं। कुछ क्लब रक्तदान शिविर, कंबल वितरण जैसे आयोजनों पर राशि खर्च करते हैं।

कुछ लोकल तालाबों में तैराकी या दूसरे खेल आयोजित कर खानापूर्ति करते हैं। विपक्ष का आरोप है कि इन क्लबों से जुड़े युवा चुनावों के समय वोटरों को प्रभावित करने का काम करते हैं। बहरहाल, राज्य में आय के साधन और नया पूंजी निवेश बहुत कम है। ऐसे में सरकार कुछ खर्चों पर लगाम लगाकर धन बचा सकती है। मिसाल के तौर पर, 30 हजार इमामों को हर माह 2500 और 1500 मुअज्जिनों को 1500 रुपये का अनुदान बंद किया जा सकता है। ऐसे में 80 हजार पुरोहितों को हर महीने एक-एक हजार रुपये की मदद रोकी जा सकती है। लेकिन ममता सरकार ऐसी कोई पहल करती नहीं दिख रही।

केंद्र सरकार से भी उनकी सरकार का टकराव बदस्तूर जारी है। लिहाजा केंद्र के रुख में किसी तरह के बदलाव के कोई आसार भी नहीं दिख रहे।राज्य में पीएम आवास योजना, मनरेगा और पीएम ग्रामीण सड़क योजना में फंड के दुरुपयोग के आरोप पर केंद्रीय टीम जिलों का दौरा कर रही है। इसे लेकर भी सरकारी अमले में हड़कंप है।

नंदीग्राम के सोनाचूड़ा में लोगों ने रात 10 बजे तक खुले पंचायत कार्यालय का घेराव किया। आरोप था कि वहां बीडीओ कार्यालय का एक कर्मचारी फाइलों की हेराफेरी कर रहा था। कूचबिहार जिले के भाटीबाड़ी पंचायत कार्यालय में भी रात को ऐसा ही वाकया हुआ। ये सब 1 से 10 अगस्त के बीच की घटनाएं हैं। कोयला घोटाले में ईडी ने राज्य के 8 आईपीएस अफसरों को पूछताछ के लिए दिल्ली बुलाया है। ये लोग तस्करी वाले जिलों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

इस तरह, पूरा सीन सरकार के खिलाफ है और लोगों में आक्रोश है। ममता बनर्जी ने अभी तक अपने तेवर नरम ही रखे थे। उनका रुख यही था कि कानून अपना काम करे, लेकिन पशु तस्करी मामले में तृणमूल के वीरभूम जिला अध्यक्ष अणुब्रत मंडल की गिरफ्तारी के बाद उनका सुर एकदम बदल गया है। 14 अगस्त को एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि एक अणुब्रत को गिरफ्तार करने पर लाखों अणुब्रत पैदा होंगे। वहां मौजूद लोगों से यह भी कहा कि अगर सीबीआई मेरे घर आएगी, तो आंदोलन के लिए तैयार रहें। समर्थक दीदी के इस बदले तेवर को विरोधियों के लिए चेतावनी बता रहे हैं, लेकिन विरोधी इसे दीदी के अंदर का भय करार दे रहे हैं।

ममता के सामने एक और मुश्किल खड़ी हो गई है। पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी को बुरी तरह हराने के बाद वह राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की बड़ी नेता बनने की तैयारी में थीं, लेकिन बिहार में हाल में जो हुआ, उससे उनका यह ख्वाब भी पीछे छूटता नजर आ रहा है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आज

400 साल बाद जन्माष्टमी पर आठ योगों का शुभ संयोग

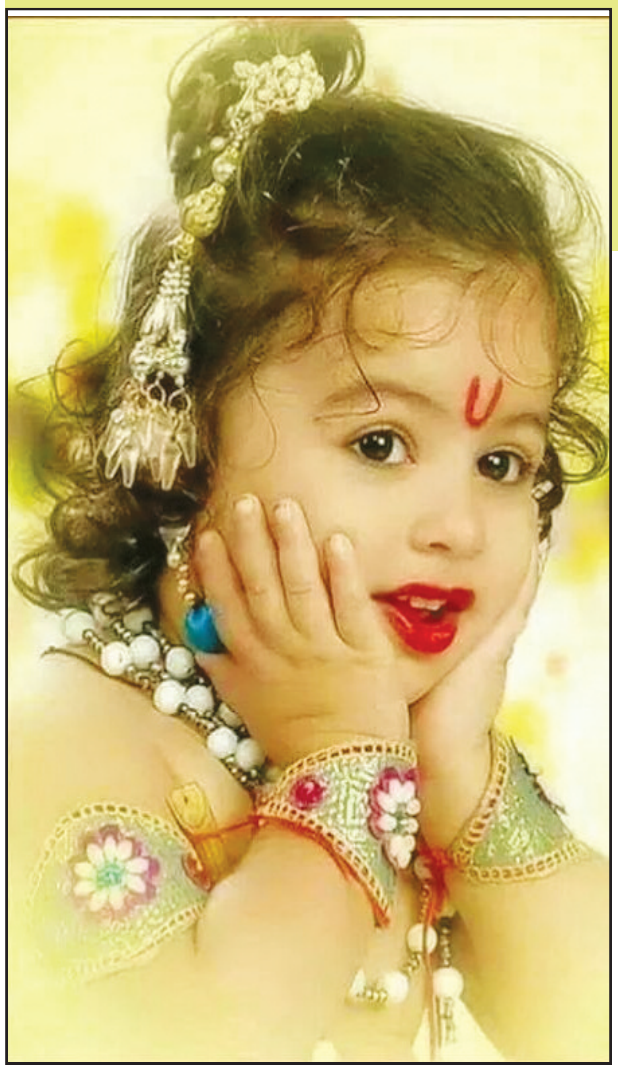

खरीदारी और प्रॉपर्टी में निवेश के लिए पूरा दिन शुभ

इस साल जन्माष्टमी कुछ जगह 18 और कहीं 19 अगस्त को मनाई जा रही है। मथुरा, वृंदावन और द्वारिका के साथ ही इस्कॉन मंदिरों में 19 तारीख को ही मनाई जाएगी। ज्योतिषियों का गणित भी 19 तारीख को श्रेष्ठ बता रहा है इसलिए उत्तर भारत में ज्यादातर जगहों पर 19 अगस्त को ही कृष्ण जन्मोत्सव मनेगा। इस दिन तिथि, वार, नक्षत्र और ग्रहों से मिलकर 8 शुभ योग बन रहे हैं। ज्योतिषियों के मुताबिक ऐसा 400 साल बाद हो रहा है।

क्यों मनाएं 19 को

इस बार जन्माष्टमी को लेकर कंफ्यूजन इसलिए हैं क्योंकि अष्टमी तिथि 18 अगस्त को पूरे दिन नहीं रहेगी, बल्कि रात में करीब 9.30 से शुरू होगी, लेकिन 19 को सूर्योदय से रात तक रहेगी। इसलिए उदया तिथि की परंपरा के मुताबिक ज्यादातर मंदिरों में 19 तारीख को मनाएंगे।
जानकारों का कहना है कि व्रत और पर्वों की तारीख तय करने के लिए धर्म सिंधु और निर्णय सिंधु नाम के ग्रंथों की मदद ली जाती है। इन दोनों ही ग्रंथों में जन्माष्टमी के लिए कहा गया है कि जिस दिन सूर्योदय के समय अष्टमी तिथि हो उसी दिन ये त्योहार मनाना ज्यादा शुभ होता है। ये भी कहा है कि स्मार्त और शैव जिस दिन जन्माष्टमी मनाते हैं, उसके अगले दिन गृहस्थ और वैष्णव संप्रदाय ये पर्व मनाता है। इसलिए 19 को ये त्योहार मनाना ज्यादा बेहतर है।

श्रीकृष्ण का 5249वां जन्मोत्सव

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि श्रीकृष्ण का जन्म अष्टमी तिथि को रात के आठवें मुहूर्त में हुआ था। इसलिए रात 12 बजे कृष्ण जन्मोत्सव शुरू होता है। ये मुहूर्त इस बार 12.05 से 12.45 तक रहेगा। सितारों की स्थिति के कारण इस बार ये त्योहार और बेहद खास हो गया है। बनारस, पुरी और तिरुपति के विद्वानों के पास मौजूद ग्रंथों के मुताबिक ये भगवान कृष्ण का 5249वां जन्म पर्व है।

जन्माष्टमी पर आठ योग

19 अगस्त को महालक्ष्मी, बुधादित्य, ध्रुव और छत्र नाम के शुभ योग रहेंगे साथ ही कुलदीपक, भारती, हर्ष और सत्कीर्ति नाम के राजयोग बन रहे हैं। इस तरह जन्माष्टमी पर इन आठ योगों का महासंयोग पिछले 400 सालों में नहीं बना। इन योगों में पूजा करने से पुण्य फल और बढ़ जाएगा। खरीदारी के लिए भी पूरा दिन शुभ रहेगा।

किस योग का क्या महत्व

महालक्ष्मी: चंद्रमा और मंगल से बनने वाले इस योग में लेन-देन और निवेश करना फायदेमंद होता है।
बुधादित्य: ये शुभ योग सूर्य और बुध से बनता है। इसमें किए कामों में सफलता की संभावना बढ़ जाती है।
ध्रुव: तिथि, वार और नक्षत्र से बनने वाला ये योग शुभ कामों के लिए बहुत ही खास माना गया है।
छत्र: शुक्रवार और कृत्तिका नक्षत्र से बन रहे इस योग में नई नौकरी या बिजनेस शुरू करना शुभ होता है।
कुलदीपक: बुध, गुरु और मंगल से बन रहे इस शुभ योग में भगवान की पूजा से संतान की तरक्की होती है।
भारती: ये योग गुरु और मंगल से बन रहा है। इसमें किए गए शुभ कामों का पुण्य और बढ़ जाता है।
हर्ष: इस राजयोग में किए गए कामों में किस्मत का साथ मिलता है। सुख और समृद्धि भी बढ़ती है।
सत्कीर्ति: नौकरी और बिजनेस की शुरुआत के लिए इस योग को बहुत ही खास माना गया है।

दिनभर में पूजा के पांच मुहूर्त

कृष्ण जन्मोत्सव रात में मनाने की परंपरा है। लेकिन कुछ लोग रात में भगवान की पूजा नहीं कर पाते हैं। जिसके चलते दिनभर अष्टमी तिथि के दौरान शुभ मुहूर्त में कृष्ण पूजा कर सकते हैं। इसके लिए विद्वानों ने राहुकाल का ध्यान रखते हुए शुभ लग्न और चौघड़िया मुहूर्त बताए हैं। इस तरह दिनभर में पूजा के लिए कुल 5 शुभ मुहूर्त रहेंगे।

खरीदारी के लिए शुभ दिन

इस दिन चंद्रमा अपनी उच्च राशि में अपने मित्र ग्रह मंगल के साथ एक ही राशि और नक्षत्र में मौजूद है। जिससे महालक्ष्मी योग बन रहा है। इस शुभ योग में निवेश, लेन-देन और प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री करना फायदेमंद रहेगा।
पुष्य नक्षत्र में शुक्र के होने से समृद्धि देने वाला योग बन रहा है। जिससे हर तरह की खरीदारी के लिए दिन शुभ रहेगा। इस दिन जया तिथि होने से नई शुरुआत में सफलता मिलेगी। सूर्य बुध का बुधादित्य योग इस दिन को और शुभ बना रहा है।

व्रत-उपवास की परंपरा

जन्माष्टमी पर व्रत-उपवास की परंपरा है। पुराणों में कहा गया है इस दिन बिना अन्न खाए भगवान कृष्ण की पूजा करने से पिछले तीन जन्मों के पाप खत्म हो जाते हैं। मनोकामना भी पूरी होती है। वहीं, ये परंपरा सेहत के नजरिये से भी खास है। क्योंकि इस पर्व पर बारिश का मौसम होता है। जिससे खाना देरी से और कम पचता है। इस कारण बीमारियां होने की आशंका बढ़ जाती है। ये ही वजह है की जन्माष्टमी पर व्रत-उपवास करने से मेटाबॉलिज्म मजबूत होता है और सेहत में भी सुधार होता है।

बुध का राशि परिवर्तन

21 अगस्त से अपनी उच्च राशि में रहेगा बुध

शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए रहेगा अच्छा समय महंगाई भी थमेगी

लेन-देन, निवेश और बिजनेस को प्रभावित करने वाला ग्रह बुध 21 अगस्त को कन्या राशि में आ जाएगा। अब ये ग्रह अपनी उच्च राशि में रहेगा। इस कारण शेयर बाजार में स्थिरता के साथ-साथ मंहगाई पर भी रोक लगेगी। अपनी ही राशि में होने से इस ग्रह के शुभ प्रभाव से एजुकेशन से जुड़ी परेशानियां खत्म होने लगेंगी। वहीं, वकालात और मीडिया से जुड़े लोगों के लिए अच्छा समय शुरू हो जाएगा।

देश-दुनिया पर असर

बुध के प्रभाव से शेयर बाजार में स्थिरता के साथ-साथ खाद्यान्न वस्तुओं के भाव में स्थिरता एवं मूल्य वृद्धि रुकेगी। विद्यार्थियों के लिए यह समय शिक्षा ग्रहण के लिए श्रेष्ठ रहेगा। शिक्षा से संबंधित मंत्री या कुलपति शिक्षा से संबंधित खामियों को दूर करने का अथक प्रयास करेंगे।
मौसम में भी सुखद बदलाव होगा। जिससे कुछ हिस्सों में हो रही ज्यादा बारिश थम सकती है, वहीं उत्तर एवं दक्षिण भारत में वर्षा का योग बन सकता है। सेहत के नजरिये से लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। दूध का उत्पादन बढ़ने के साथ सब्जियों की पैदावार ज्यादा होने से किसानों को फायदा होगा। औद्योगिक क्षेत्र में भी ज्यादा उत्पादन होने से भाव में स्थिरता आने से लोगों को फायदा होगा। प्राप्त होगा।

राशियों पर इस प्रकार रहेगा प्रभाव

मेष: बिजनेस बढ़ाने के लिए पैसा खर्चा होगा।
वृष: सोच-समझकर बोलें। काम बिगड़ सकते हैं।
मिथुन: स्थान परिवर्तन के योग बनेंगे।
कर्क: आसपास और साथ के लोगों से मदद मिलेगी।
सिंह: नौकरी और बिजनेस के लिए अच्छा समय है।
कन्या: गुरुजनों का मार्गदर्शन मिलेगा।
तुला: फालतू विवादों से दूर रहें।
वृश्चिक: भागीदारी से लाभ प्राप्त होगा।
धनु: धन लाभ हो सकता है। सोचे हुए काम पूरे होंगे।
मकर: संतान क्षेत्र से सुख की अनुभूति होगी।
कुंभ: धन लाभ होने के योग हैं।
मीन: प्रियजन से सहयोग, पराक्रम फलीभूत होगा।

कृष्ण जन्मभूमि का इतिहास

मुगल आक्रांताओं ने लूटा-तोड़ा अब तक 4 बार हो चुका मंदिर निर्माण

मथुरा का नाम आते ही लोगों के जेहन में श्रीकृष्ण चले आते हैं। श्रीकृष्ण द्वापर युग में मथुरा में कंस के कारागार में आधी रात को मां देवकी के गर्भ से हुए थे। अनेक माया रचते हुए धर्म की स्थापना कर जब वह अपने परमधाम को चले गए तो कुछ बरसों बाद कलयुग शुरू हुआ। विद्वानों का मत है कि तब श्रीकृष्ण के प्रपौत्र वज्रनाभ ने मथुरा कारागार के पास उनका पहला मंदिर बनवाया। इस बात के प्रमाण उस स्थान पर मिले एक शिलालेख पर ब्राह्मी-लिपि में मिले।
कथावाचक श्रीचंद ठाकुरजी दास कहते हैं कि मथुरा में आज जहां शाही ईदगाह स्थित है, वो श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर है। वज्रनाभजी के बाद उनके वंशजों ने अपने कुलदेवता श्रीकृष्ण की धरोहरों को सहेजा था। बताया जाता है कि शोडास के राज्य काल में वसु नाम के पुरुष ने श्री कृष्ण जन्मभूमि पर एक मंदिर, तोरण द्वार और वैदिक-स्थल बनवाया था।
तत्पश्चात सम्राट विक्रमादित्य के शासन काल में यहीं दूसरा मंदिर 400 ईस्वी में बना। उस भव्य मंदिर की स्थापना संस्कृति और कला के रूप को प्रदर्शित करने के लिए की गई। खुदाई में मिले एक शिलालेख से पता चलता है कि तीसरी बार मंदिर का निर्माण 1150 ईस्वी में राजा विजयपाल देव के समय हुआ। 12वीं सदी से भारत में मुस्लिम शासकों का आगमन हुआ। 14वीं सदी में इस मंदिर को सिकंदर लोदी ने तुड़वाया। करीब 125 साल बाद जहांगीर के समय में ओरछा के वीर सिंह देव बुंदेला ने मंदिर बनवाया। उसके बाद 16वीं शताब्दी में ही मुगलों में सबसे सख्त बादशाह माने गए औरंगजेब का शासन था। उसने हजारों हिंदू मंदिर तुड़वाए। उसके हुकुम के अनेक दस्तावेज आज भी मौजूद हैं।

जन्माष्टमी पूजा में इन मंत्रों का होता है विशेष महत्व

शुद्धि मंत्र-
"'ॐ अपवित्रः पवित्रोवा सर्वावस्थां गतोअपि वा। यः स्मरेत पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः।।"
स्नान मंत्र-
"गंगा, सरस्वती, रेवा, पयोष्णी, नर्मदाजलैः। स्नापितोअसि मया देव तथा शांति कुरुष्व मे।।"
पंचामृत स्नान-
"पंचामृतं मयाआनीतं पयोदधि घृतं मधु। शर्करा च समायुक्तं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम।।"
भगवान श्रीकृष्ण को वस्त्र अर्पित करने का मंत्र-
"शीतवातोष्णसन्त्राणं लज्जाया रक्षणं परम। देहालअंगकरणं वस्त्रमतः शान्तिं प्रयच्छ मे।"
भगवान को नैवेद्य भेंट करने का मंत्र-
"इदं नाना विधि नैवेद्यानि ओम नमो भगवते **वासुदेवं, देवकीसुतं समर्पयामि।"**
भगवान को आचमन कराने का मंत्र-
"इदं आचमनम ओम नमो भगवते वासुदेवं, देवकीसुतं समर्पयामि।"
लड्डू गोपाल को भोग चढ़ाते समय इन बातों का रखें ध्यानः
-लड्डू गोपाल का पहला भोग सुबह उठते ही लगाएं। सौम्य तरीके से ताली बजाते हुए लड्डू गोपाल को जगाएँ और फिर उन्हें दूध का भोग लगाएं।
-दूसरा भोग लड्डू गोपाल को स्नान कराने के बाद लगाएं। लड्डू गोपाल को स्नान कराकर साफ कपड़े पहनाएँ और उन्हें तिलक लगाएं। इस दौरान भोग स्वरूप कृष्ण भगवान को आप माखन, मिश्री, लड्डू या फल अर्पित कर सकते हैं।
-तीसरा भोग दोपहर के समय लगाएं। ध्यान रखें कि इस दौरान खाने की कोई ठोस वस्तु लड्डू गोपाल को अर्पित की जाती है। इस बात का ध्यान रखें कि लड्डू गोपाल को लगाए जाने वाले भोग में गलती से भी प्याज़-लहसुन का इस्तेमाल न हो।
-चौथा भोग शाम के समय लगाया जाता है। इस दौरान आप लड्डू गोपाल को मेवे या फिर रात में जो भी भोजन आपने घर पर बनाया हुआ हो उसका भोग लगा सकते हैं।

भगवान श्रीकृष्ण की 16 कलाओं के बारे में जानिए

श्री संपदा- इसका तात्पर्य है कि जिसके पास भी श्री कला या संपदा होगी वह धनी होगा। धनी होने का अर्थ सिर्फ पैसा व पूंजी जोड़ने से नहीं है बल्कि मन वचन कर्म से धनी होना चाहिये। ऐसा व्यक्ति जिसके पास यदि कोई आस लेकर आता है तो वह उसे निराश नहीं लौटने देता। श्री संपदा युक्त व्यक्ति के पास मां लक्ष्मी का स्थायी निवास होता है।
भू संपदा- इसका अभिप्राय है कि इस कला से युक्त व्यक्ति बड़े भू-भाग का स्वामी हो, या किसी बड़े भू-भाग पर आधिपत्य अर्थात राज करने की क्षमता रखता हो। इस गुण वाले व्यक्ति को भू कला से संपन्न माना जाता है।
कीर्ति संपदा- कीर्ति अर्थात ख्याति जो विश्व प्रसिद्ध हो लोगों के बीच काफी लोकप्रिय, विश्वसनीय माना जाता हो व जन कल्याण कार्यों में पहल करने में हमेशा आगे रहता हो ऐसा व्यक्ति कीर्ति कला या संपदा युक्त माना जाता है।
वाणी सम्मोहन- कुछ लोगों की आवाज़ में एक अलग तरह का सम्मोहन होता है। लोग ना चाहकर भी उनके बोलने के अंदाज की प्रशंसा करते हैं। ऐसे लोग वाणी कला युक्त होते हैं इन पर मां सरस्वती की विशेष कृपा होती है। इन्हें सुनकर क्रोधी भी एकदम शांत हो जाता है।
लीला- इस कला से युक्त व्यक्ति चमत्कारी होता है उसके दर्शनों में एक अलग आनंद मिलता है। श्री हरि की कृपा से कुछ खास शक्ति इन्हें मिलती हैं और इनके व्यक्तित्व में अलग प्रकार की चमक होती है। ऐसे व्यक्ति जीवन को भगवान का दिया प्रसाद समझकर ही उसे ग्रहण करते हैं और हमेशा खुश रहते हैं।
कांति- कांति वह कला है जिससे चेहरे पर एक अलग

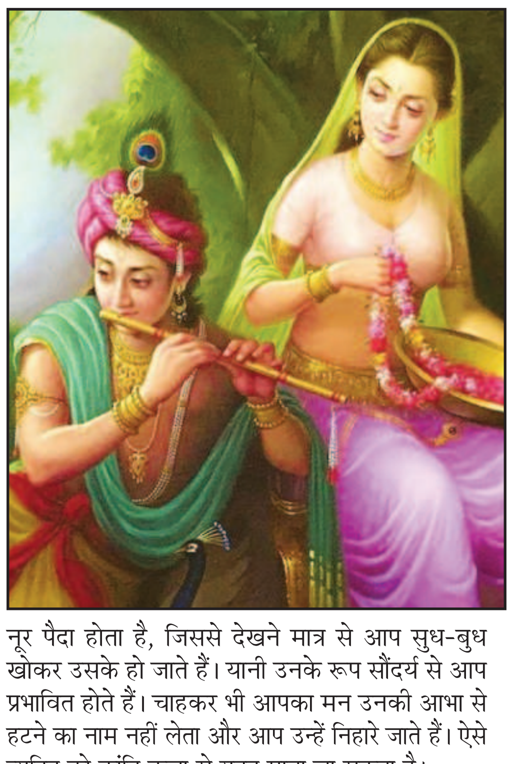

नूर पैदा होता है, जिससे देखने मात्र से आप सुध-बुध खोकर उसके हो जाते हैं। यानी उनके रूप सौंदर्य से आप प्रभावित होते हैं। चाहकर भी आपका मन उनकी आभा से हटने का नाम नहीं लेता और आप उन्हें निहारे जाते हैं। ऐसे व्यक्ति को कांति कला से युक्त माना जा सकता है।
विद्या- विद्या भी एक कला है जिसके पास विद्या होती है उसमें अनेक गुण अपने आप आ जाते हैं विद्या से संपन्न व्यक्ति वेदों का ज्ञाता, संगीत व कला का मर्मज्ञ, युद्ध कला में पारंगत, राजनीति व कूटनीति में माहिर होता है।
विमल- विमल यानी छल-कपट, भेदभाव से रहित निष्पक्ष जिसके मन में किसी भी प्रकार मैल ना हो, कोई दोष न हो, जो आचार-विचार और व्यवहार से निर्मल हो, ऐसे व्यक्तित्व का धनी ही विमल कला युक्त होता है।
उत्कर्षिणि शक्ति- उत्कर्षिणि का अर्थ है प्रेरित करने की क्षमता। जो लोगों को उनके कर्तव्यों के प्रति जागृत करे और उन्हें प्रेरित करे। जो लोगों को मंजिल पाने के लिए प्रोत्साहित कर सके। किसी विशेष लक्ष्य को भेदने के लिए उचित मार्गदर्शन कर उसे वह लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित कर सके जिस प्रकार भगवान श्री कृष्ण ने युद्धभूमि में हथियार डाल चुके अर्जुन को गीतोपदेश से प्रेरित किया। ऐसी क्षमता रखने वाला व्यक्ति उत्कर्षिणि शक्ति से संपन्न व्यक्ति माना जाता है।
नीर-क्षीर विवेक- ऐसा ज्ञान रखने वाला व्यक्ति जो अपने ज्ञान से न्यायोचित फैसले लेता हो इस कला से संपन्न माना जा सकता है। ऐसा व्यक्ति विवेकशील तो होता ही है साथ ही वह अपने विवेक से लोगों को सही मार्ग सुझाने में भी सक्षम होता है।
कर्मण्यता- इस तरह के गुणों वाला व्यक्ति सिर्फ उपदेश देने में ही नहीं बल्कि स्वयं भी कर्मठ होता है। इस तरह के व्यक्ति खाली दूसरों को कर्म करने का उपदेश नहीं देते बल्कि स्वयं भी कर्म के सिद्धांत पर ही चलते हैं।
योगशक्ति- योग भी एक कला है। योग का साधारण शब्दों में अर्थ है जोड़ना यहां पर इसका आध्यात्मिक अर्थ आत्मा को परमात्मा से जोड़ने के लिए भी है। ऐसे व्यक्ति बेहद आकर्षक होते हैं और अपनी इस कला से ही वे दूसरों के मन पर राज करते हैं।
सत्य धारणा- कहते हैं सच बहुत कड़वा होता है इसलिए सत्य को धारण करना सबके बस में नहीं होता विरले ही होते हैं जो सत्य का मार्ग अपनाते हैं और किसी भी प्रकार की कठिन से कठिन परिस्थिति में भी सत्य का दामन नहीं छोड़ते। इस कला से संपन्न व्यक्तियों को सत्यवादी कहा जाता है। लोक कल्याण व सांस्कृतिक उत्थान के लिए ये कटु से कटु सत्य भी सबके सामने रखते हैं।
विनय- इसका अभिप्राय है विनयशीलता यानी जिसे अहं का भाव छूता भी न हो। जिसके पास चाहे कितना ही ज्ञान हो, चाहे वह कितना भी धनवान हो, बलवान हो मगर अहंकार उसके पास न फटके। शालीनता से व्यवहार करने वाला व्यक्ति इस कला में पारंगत हो सकता है।
आधिपत्य- आधिपत्य वैसे यह शब्द सुनने में तो शक्ति का सूचक लगता है, लेकिन यह भी एक गुण है। असल में यहां आधिपत्य का तात्पर्य जोर जबरदस्ती से किसी पर अपना अधिकार जमाने से नहीं है परंतु एक ऐसा गुण है जिसमें व्यक्ति का व्यक्तित्व ही ऐसा प्रभावशाली होता है कि लोग स्वयं उसका आधिपत्य स्वीकार कर लें, क्योंकि उन्हें उसके आधिपत्य में सरंक्षण का आभास व सुरक्षा का विश्वास होता है।
अनुग्रह क्षमता- जिसमें अनुग्रह की क्षमता होती है वह हमेशा दूसरों के कल्याण में लगा रहता है, परोपकार के कार्यों को करता रहता है। उनके पास जो भी सहायता के लिये पहुंचता वह अपनी सामर्थ्य के अनुसार उक्त व्यक्ति की सहायता भी करते हैं।

आलिया की इस चीज को बहुत मिस करते हैं सिद्धार्थ मल्होत्रा

कॉफी विद करण 7 के इस एपिसोड में इस बार दो पंजाबी मुंडे विक्की कौशल और सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आने वाले हैं। विक्की कौशल शादी को लेकर सिद्धार्थ से कई सवाल करते हैं और उनकी टांग खींचते हैं। एक वक्त था जब सिद्धार्थ मल्होत्रा का नाम आलिया भट्ट के साथ जोड़ा गया था। दोनों को कई बार एक साथ स्पॉट भी किया गया था। लेकिन इस एपिसोड में सिद्धार्थ ने कुछ ऐसी बात कही जिससे ये क्लीयर हो गया कि वो आलिया की ही बात कर रहे थे। जब सिद्धार्थ से पूछा गया कि वे अपनी एक्स की क्या बात मिस करते हैं तो सिद्धार्थ ने कहा उसकी बिल्ली। बता दें, आलिया भट्ट को बिल्ली बेहद पसंद है। वो रणबीर कपूर से शादी के बाद बिल्ली को लेकर अपने ससुराल गई थीं। उनके पेट का नाम 'एडवर्ड' है। ये पेट उनके दिल के बेहद करीब है। बिल्ली के बारे में बात करने से हर कोई समझ गया कि सिद्धार्थ आलिया की ही बात कर रहे थे।

बता दें, करण जौहर के इस एपिसोड में सिद्धार्थ ने स्वीकार किया कि वो कियारा आडवाणी को डेट कर रहे हैं। प्रोमो में अपकमिंग एपिसोड में आप देखेंगे कि कैसे शो के होस्ट करण जौहर और शो में आए विक्की कौशल, सिद्धार्थ पर उनकी गर्लफ्रेंड कियारा आडवाणी के साथ उनकी शादी को लेकर कुछ सावल पूछते हैं।

करण जौहर ने जब सिद्धार्थ मल्होत्रा ने पूछा कि आखिर वो शादी कब कर रहे हैं तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा, "मैं एक उज्जवल और खुशहाल भविष्य की कामना करता हूं," जो सभी को उनकी शादी को लेकर इमेजिनशन में डाल देता है। इसके साथ ही करण विक्की से उनकी निजी जिंदगी से जुड़े कुछ सावल पूछते हैं और साथ ही दोनों पंजाबी मुंडे के साथ वो जमकर मस्ती करते हैं।

'कौन बनेगा करोड़पति' होस्ट करने के लिए बिग-बी चार्ज करते हैं इतने करोड़

अमिताभ बच्चन द्वारा होस्ट किया क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 14' दर्शकों के बीच धूम मचा रहा है। कौन बनेगा करोड़पति एक ऐसा शो है जो सालों से चलता आ रहा है और उसका हर सीजन उतनी ही दिलचस्पी के साथ देखा जाता है। महानायक अमिताभ बच्चन हैं जिनको लोग बहुत पसंद करते हैं। मौजूदा समय में इस शो के सीजन 14 का आगाज हो चुका है। शो में जैसे-जैसे प्रश्न बढ़ते जाते हैं, तो रकम भी बढ़ती चली जाती है और इसी के साथ दर्शकों की एक्साइटमेंट का लेवल भी। अब तक इस शो से कई प्रतिभागी लाखों तो कई करोड़ों जीत चुके हैं लेकिन अभिनेता अमिताभ बच्चन भी इस शो को होस्ट करने के लिए मोटी रकम चार्ज करते हैं।

5 करोड़ से अधिक है फीस

टेलीकास्ट हो रहे केबीसी के चौदहवें सीजन में अमिताभ बच्चन को हर एपिसोड के लिए कितने पैसे मिलते हैं। इस बारे में आधिकारिक तौर पर तो कोई इन्फॉर्मेशन तो नहीं आई है लेकिन कई रिपोर्ट्स का यह कहना है कि इस नए सीजन के हर एपिसोड के लिए हानायक 7.5 करोड़ चार्ज कर रहे हैं। हालांकि इस बारे में आधिकारिक तौर पर नहीं बताया गया है। कौन बनेगा करोड़पति सीजन 14 में 75 लाख की राशि जोड़ी गई है जबकि जैकपॉट प्रश्न 7.5 करोड़ का कर दिया गया है।

साल 2000 से होस्ट कर रहे हैं अमिताभ

आपको बता दें कि इस सीजन के पहले आ चुके चार सीजन्स, KBC 11, 12 और 13 के हिसाब से अमिताभ बच्चन ने हर एपिसोड के लिए 3.5 करोड़ रुपये चार्ज किये थे। कौन बनेगा करोड़पति के दसवें सीजन में, यानी 2018 में बिग बी 3 करोड़ रुपये प्रति एपिसोड चार्ज कर रहे थे। साल 2000 से ही अमिताभ बच्चन इस क्विज शो को होस्ट करते आ रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो आमिताभ बच्चन कुछ समय पहले फिल्म 'रनवे 34' में नजर आए थे।

बायकॉट ट्रेंड पर आर माधवन ने किया रिएक्टः फिल्म की कहानी और एक्टिंग अच्छी होगी तो सोशल मीडिया ट्रेंड का असर नहीं पड़ता

लाल सिंह चड्ढा की बुरी हालत के बाद बी-टाउन के ज्यादातर सेलेब्स एक-एक कर अपने मन की बात सामने ला रहे हैं। इसी बीच आर माधवन ने भी इस मुद्दे पर खुलकर बात की। माधवन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर ऑडियंस को अच्छी फिल्म मिलेगी तो वो थिएटर तक जरूर आएंगे। फिल्म की कहानी और एक्टिंग अच्छी होगी तो ऐसे में बायकॉट और सोशल मीडिया ट्रेंड का असर नहीं पड़ेगा।

क्वालिटी फिल्म को हिट-फ्लॉप बनाती है- माधवन

पिछले कुछ समय से साउथ फिल्में बॉलीवुड पर भारी पड़ रही हैं। माधवन से इस पर सवाल किया गया, तब उन्होंने कहा 'यह बात सच है कि बीते समय में साउथ फिल्मों ने बॉलीवुड फिल्मों से बेहतर परफॉर्म किया है। लेकिन वो फिल्में भी गिनती की हैं, ऐसे में इस मुकाबले को आप पैटर्न मान सकते हैं।

माधवन ने आगे कहा, कोरोना काल में सिनेमाघरों के बंद होने के चलते ऑडियंस के फिल्म सिलेक्शन में काफी बदलाव आया है। लोग अब वर्ल्ड वाइड कंटेंट देखना ज्यादा पसंद करते हैं, ऐसे में हमें और बेहतर फिल्में बनानी होंगी। इसी से ऑडियंस थिएटर तक पहुंचेगी। माधवन का कहना है कि फिल्म की क्वालिटी ही उसे हिट या फ्लॉप बनाती है।

बायकॉट ट्रेंड के बाद भी माधवन की फिल्म रही हिट

हाल ही में आर माधवन की फिल्म 'रॉकेट्रीः द नंबी इफेक्ट' रिलीज हुई थी। कैंसिल कल्चर के बावजूद भी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं फिल्म में माधवन की एक्टिंग की खूब तारीफ की गई। 25 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 50 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। इस समय वह अपनी अपकमिंग फिल्म धोखाः दि राउंड कॉर्नर के प्रमोशन में बिजी हैं। इसमें उनके साथ दर्शन कुमार और अपारशक्ति खुराना भी अहम रोल में नजर आएंगे।

प्रभास की फिल्म 'राजा डीलक्स' पर मंडराया खतरा, एक्टर पहले ही ले चुके हैं 50 करोड़!

साउथ सुपर स्टार प्रभास इन दिनों 'आदिपुरुष' और 'सालार' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं. उनकी दोनों फिल्में बड़े बजट की हैं और एक्टर इनकी शूटिंग में काफी व्यस्त हैं. इसी बीच अब उनकी एक और आने वाली फिल्म 'राजा डीलक्स'को लेकर खबर सामने आ रही है कि टॉलीवुड के जाने-माने प्रोड्यूसर डीवीवी दानय्याने इस मूवी से अपना हाथ खींच लिया है. मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि अब उन्होंने इस मूवी को नहीं करने का फैसला लिया है. इसके निर्देशक मारुति हैं.

फिल्म 'राजा डीलक्स' में प्रोड्यूसर डीवीवी दानय्या के काम ना करने के पीछे की वजह भी किसी और को नहीं बल्कि प्रभास को बताया जा रहा है. खबरों की मानें तो कहा जा रहा है कि पहले बात हुई थी कि प्रभास इस फिल्म को एक महीने में एक हफ्ते का समय देने वाले थे, जो नहीं हो पाया. इसकी वजह है कि उनका 'सालार' और 'आदिपुरुष' की शूटिंग में बिजी होना. इसके साथ ही रिपोर्ट्स में कहा ये भी जा रहा है कि एक्टर इस मूवी में काम करने पर फिर से विचार कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि 'करियर के इस पढ़ाव में वो सिंपल हॉरर कॉमेडी नहीं करना चाहते हैं.' वहीं, खबर है कि 'बाहुबली' स्टार ने फिल्म के लिए पहले एडवांस पेमेंट के तौर पर 50 करोड़ रुपए ले लिए हैं.

आपको बता दें कि डीवीवी दानय्या ने धमाकेदार फिल्म 'आरआरआर' में बतौर प्रोड्यूसर काम किया था. अब प्रभास और दानय्या के फैसले से फिल्म खतरे में आ गई है. इससे डायरेक्टर मारुति काफी परेशान नजर आ रहे हैं. फिल्म के लिए कई प्रोड्यूसर्स के नाम सामने आए हैं, लेकिन अभी तक कुछ फाइनल नहीं हो पाया है. खबर ये भी है कि फिल्म के निर्माता अब प्रभास की जगह राम चरण को इस फिल्म में ले सकते हैं. इसमें बतौर लीड एक्ट्रेस मालविका मोहनन का नाम सामने आया है.

इसके साथ ही बीच में खबर सामने आई थी कि डायरेक्टर मारुति की पिछली फिल्म 'पक्का कमर्शियल' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी. ऐसे में प्रभास के 'राजा डीलक्स' को छोड़ने की खबर सामने आई थी. मगर बाद में इसे अफवाह बताया गया था. अब बताया जा रहा है कि फिल्म के लिए नए प्रोड्यूसर की भी तलाश की जा रही है, जो उन्हें एडवांस में 50 करोड़ दे सके. वहीं, अगर प्रभास भी इस मूवी को छोड़ते हैं तो उनके फैंस के लिए एक बड़ा झटका होगा.

तब्बू 'बॉक्स ऑफिस कलेक्शन' को लेकर नहीं होती हैं परेशान, बोलीं - 'हमारा पैसा नहीं लगा होता है'

बॉलीवुड की कई यादगार फिल्मों में काम करने वाली एक्ट्रेस तब्बू का कहना है कि वह बॉक्स-ऑफिस कलेक्शन के बारे में ज्यादा नहीं सोचती हैं। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनकी फिल्म ने कितनी कमाई की और कितनी नहीं, क्योंकि इस मामले में वह लकी हैं, वो इसलिए क्योंकि फिल्मों में उनका पैसा नहीं लगा होता है। इसके अलावा अदाकारा का कहना है कि एक फिल्म फ्लॉप होने से किसी का करियर नहीं खत्म हो जाता है।

बता दें कि हाल ही में तब्बू को फिल्म 'भूल भुलैया 2' में देखा गया। उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहित साबित हुई।मीडिया रिपोर्ट की माने तो यह फिल्म 200 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है। जोकि ऐसा करने वाली इस साल की पहली बॉलीवुड फिल्म बनी है। 'भूल भुलैया 2' तब्बू के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म साबित हुई है। हालांकि तब्बू का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर कुछ और ही सोचना है

बॉक्स-ऑफिस कलेक्शन को लेकर नहीं लेती हैं स्ट्रेस

हिंदुस्तान टाइम्स की बातचीत में एक सवाल का जवाब देते हुए तब्बू ने कहा, 'मैं वाकई में बॉक्स-ऑफिस कलेक्शन के बारे में नहीं सोचती हूं। जहां तक मैं फील करती हूं कि कालाकारों को इसके बारे में सोचकर स्ट्रेस नहीं लेने की जरूरत नहीं। इस मामले में वह लकी हैं क्योंकि फिल्म में हमारा पैसा नहीं लगा होता है। बस हमारा काम अच्छा होना चाहिए और फिल्म अच्छी होनी चाहिए। यह प्रोड्यूसर्स के लिए हैं उन्हें बॉक्स-ऑफिस नंबरों को लेकर परेशान होना चाहिए। हां लेकिन ये सच हैं जब आपकी फिल्म अच्छा बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म करती है तो बेहद खुशी होती है।

एक फिल्म फ्लॉप होने से करियर नहीं होता है खत्म

तब्बू का कहना है कि एक फिल्म फ्लॉप होने से करियर खत्म नहीं जाता है। रिपोर्ट के अनुसार,अदाकारा ने आगे कहा, 'जब कोई फिल्म हिट होती है, तो हर किसी को किसी न किसी तरह से इसका फायदा होता है, लेकिन अगर यह अच्छा नहीं करती है, तो मुझे यकीन नहीं है कि इससे आपको कितना नुकसान होता है। आगे उन्होंने ये भी कि फिल्म का हिट होना या फ्लॉप होना किसी भी एक्टर के करियर की किस्मत तुरंत नहीं तय करता। वक्त लगता है। मुझे नहीं लगता कि एक फिल्म फ्लॉप होती ही किसी एक्टर का करियर खत्म हो जाता है। ऐसा भी नहीं है कि एक फिल्म फ्लॉप होने के बाद उन्हें काम मिलना बंद हो जाता है।

तब्बू की आने वाली फिल्में

तब्बू की आने वाली फिल्मों की तो, आपको बता दें कि आने वाले दिनों में उन्हें अजय देवगन की फिल्म 'भोला' और 'दृश्यम 2 में देखने को मिलेगा। अटकलों की मानें तो तब्बू 'वीरे दी वेडिंग' का सीक्वल में नजर आ सकती हैं। हालांकि इस बारे में अभी तक कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है।

शहनाज गिल को आया गुस्सा!

राघव जुयाल संग लिंकअप की खबरों पर दिया करारा जवाब, बोलीं- मीडिया हर बार झूठ बोलती है

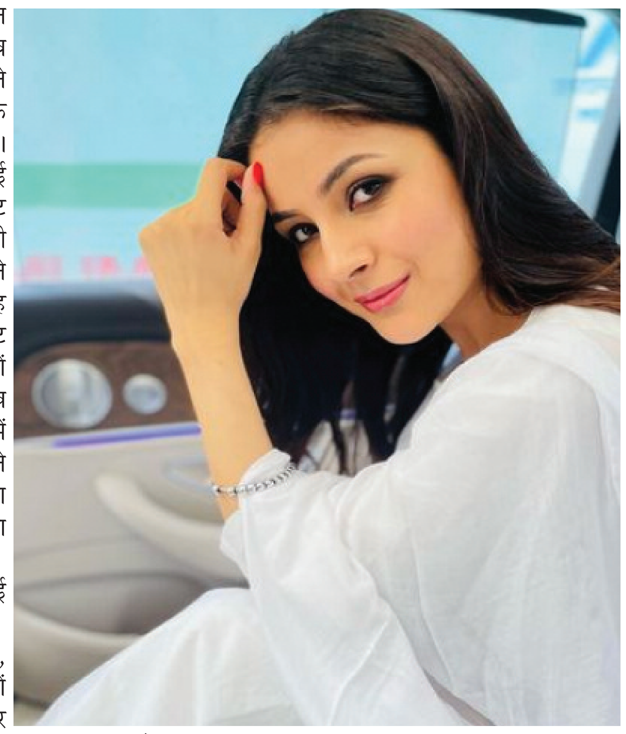

शहनाज गिल इन दिनों डांसर राघव जुयाल के साथ अपने लिंकअप की खबरों के कारण चर्चा में हैं। दोनों को अक्सर कई मौकों पर साथ स्पॉट किया जाता है। हाल ही में शहनाज ने अपने भाई शाहबाज बादशाह के सॉन्ग लॉन्च इवेंट के दौरान इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। जब शहनाज से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने करारा जवाब दिया और मीडिया को झूठा तक कह दिया।

शहनाज ने लगाई मीडिया को फटकार

शहनाज ने कहा, 'मीडिया झूठ क्यों बोलती है? मीडिया हर बार झूठ बोलती है। कुछ भी बोलती है। हम किसी के साथ खड़े हो जाएं या हम किसी के साथ घूम लें तो हम उनके साथ रिलेशन में हैं? बस, मीडिया फिजूल ही बोलती है। अब मैं हायपर हो जाउंगी।'

कैसे शुरू हुई शहनाज-राघव के अफेयर की चर्चा

दरअसल शहनाज हाल ही में ऋषिकेश गई थीं। वहां से उन्होंने उसी कैफे की फोटोज शेयर की थीं, जहां की फोटोज अक्सर राघव शेयर करते रहते हैं। उसके कुछ दिनों पहले शहनाज ने एक व्लॉग शेयर किया था, जिसमें वो मॉनसून को एंजॉय करने के लिए ट्रेक पर निकली थीं। उसी के कुछ दिन बाद राघव ने भी अपने पोस्ट में उसी जगह की फोटोज शेयर की थीं। तभी से ही इनकी डेटिंग की खबरें सामने आने लगीं। लोग कहने लगे कि शहनाज की लाइफ में सिद्धार्थ शुक्ला के बाद फिर से प्यार लौट आया है।

बिग बॉस 13 में हुई थी शहनाज-सिद्धार्थ की मुलाकात

शहनाज और सिद्धार्थ की मुलाकात टीवी के कंट्रोवर्सियल शो बिग बॉस 13 में हुई थी। इस शो के दौरान ही दोनों की नजदीकियां बढ़ गई थीं। बता दें कि सिद्धार्थ ने शहनाज की गोद में अपनी आखिरी सांस ली थी।

'सलवार सूट की उम्मीद ना रखें' कहकर पाकिस्तानी एक्ट्रेस मथिरा हुईं बोल्ड

आपने अभी तक माहिरा खान, सबा कमर, मावरा होकेन जैसी पाकिस्तानी अभिनेत्रियों के बारे में सुना होगा। लेकिन, यहां हम बात कर रहे हैं पाकिस्तानी एक्ट्रेस मथिरा की जो अपनी बोल्ड तस्वीरों से सोशल मीडिया पर आग लगा रही हैं। मथीरा का पूरा नाम मथीरा अहमद है। मथीरा अपनी एक पोस्ट को लेकर सुर्खियों में आई थीं। उन्होंने अपने एक पोस्ट में लिखा था 'उनसे सलवार सूट की उम्मीद ना रखें।' इसी के बाद उन्हें काफी ट्रोल किया गया। बवाल इतना बढ़ गया था कि उन्हें अपनी इस पोस्ट को डिलीट करना पड़ा। मथिरा का जन्म जिम्बाब्वे के हरारे में हुआ था। जिम्बाब्वे में अशांति के बीच, वह अपने परिवार के साथ पाकिस्तान चली गई और बाद में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में शामिल हो गई।

मथिरा ने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी फिल्म यंग मलंग से की थी जिसमें वह लक्क च करंट गाने में नजर आई थीं। गाने में उनके ठुमकों ने सभी को प्रभावित किया था। मथिरा ने बाद में पाकिस्तानी कई पाकिस्तानी फिल्मों में अभिनय किया, जिसमें उनकी एक विशेष भूमिका थी। मुख्य भूमिका के रूप में उनकी पहली फिल्म सिर्फ तुम ही तो हो (2019) थी जिसमें दानिश तैमूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

मराठी फिल्मों के दिग्गज एक्टर-डायरेक्टर दादा कोंडके की अनसुनी कहानी

आज की अनसुनी दास्तानें में कहानी उस शख्स की जिसने भारतीय सिनेमा को एक नया जॉनर दिया। ये जॉनर था सेक्स कॉमेडी का और वो शख्स हैं दादा कोंडके। मराठी फिल्मों का वो एक्टर जिसने पहली बार फिल्मों में सेक्स कॉमेडी या डबल मीनिंग डायलॉग्स की शुरुआत की। उनकी फिल्मों के टाइटल इतने डबल मीनिंग होते थे कि सेंसर बोर्ड अधिकारियों के माथे पर पसीना आ जाता था, लेकिन कभी इन फिल्मों की रिलीज पर बैन नहीं लगा पाए क्योंकि वो दादा कोंडके के तर्कों के आगे हार जाते थे।

फिल्में द्विअर्थी होती थीं, लेकिन खूब देखी जाती थीं। दादा कोंडके के नाम लगातार सबसे ज्यादा सिल्वर जुबली फिल्में देने का गिनीज बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उनकी 9 फिल्में 25 हफ्तों तक थिएटर में चली थीं। इनमें से कुछ 50 हफ्तों तक भी चलीं। उनका फिल्मी सफर जितना दिलचस्प था, निजी जिंदगी उतनी ही दर्द भरी। उन्होंने जिस महिला से शादी की उससे कभी बनी नहीं, एक बेटी हुई जिसे दादा ने कभी अपना नाम नहीं दिया। 8 अगस्त को इन्हीं दादा कोंडके की 90वीं जयंती है।

इसी परिवार में गोकुल अष्टमी के दिन 8 अगस्त 1932 को बेटे का जन्म हुआ। भगवान कृष्ण के नाम पर बेटे का नाम कृष्णा रखा गया, वही कृष्णा जिसे देश ने दादा कोंडके नाम देकर खूब सम्मान दिया। कृष्णा बचपन में काफी मोटे हुआ करते थे जो चॉल में मामूली गुंडागर्दी कर फेमस थे। रेडिफ को दिए एक इंटरव्यू में खुद कोंडके ने कहा था, लालबाग इलाके में मेरा आतंक था। कोई हमारे मोहल्ले की लड़कियों को नहीं छेड़ सकता था। बदमाशों पर मेरा गुस्सा बरसता था और मैंने ईंट, पत्थर, सोडा बोतलों से खूब लड़ाइयां की हैं।

असल साल का तो कहीं उल्लेख मिलता नहीं है लेकिन युवा होते दादा कोंडके के परिवार के लगभग सारे सदस्य एक हादसे में मारे गए। सिर्फ दादा कोंडके और उनके एक बड़े भाई ही परिवार में बचे। इस हादसे से वे बुरी तरह टूट गए। उन्होंने एक साल तक किसी से ज्यादा बात नहीं की, खाना-पीना भी लगभग बंद कर दिया। दादा कोंडके ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मुझे लगा मैं पागल हो जाऊंगा। भगवान ने मेरे साथ ऐसा क्यों किया। मैंने सोच लिया कि दुखों को भूलकर मैं लोगों को हंसाऊंगा। इस तरह मैं कॉमेडी में उतरा।'

प्ले करते हुए दादा कोंडके को महाराष्ट्र के कई इलाकों में जाने का मौका मिला, जहां उन्होंने दर्शकों की मनोरंजन से जुड़ी डिमांड को बखूबी समझा। कोंडके सेवा दल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हिस्सा थे, जहां उन्होंने ड्रामा में काम किया। यहां उनकी मराठी स्टेज पर्सनालिटी से जान-पहचान बढ़ी और मदद से कोंडके ने अपनी थिएटर कंपनी शुरू कर दी।

अपने प्ले में इंदिरा गांधी का खुल कर मजाक बनाया

इस ड्रामा को कांग्रेस विरोधी बताया गया, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का भी खूब मजाक उड़ाया गया। जहां एक तरफ ड्रामा पसंद किया गया, वहीं कांग्रेस विरोधी पार्टियों ने दादा कोंडके का जमकर सपोर्ट किया। 1975 में हैदराबाद में इसका आखिरी प्ले हुआ, इसके ठीक बाद इमरजेंसी लागू हो गई।

आशा भोसले ने करवाई फिल्ममेकर से दोस्ती

उस जमाने की पॉपुलर सिंगर आशा भोसले इनकी बड़ी प्रशंसक थीं। वो मुंबई में होने वाला 'विच्छा माझी पूरी करा' का हर शो देखने जाती थीं। उन्हीं ने दादा कोंडके के अभिनय से खुश होकर उनकी मुलाकात मराठी फिल्ममेकर भालजी पेढ़ाकर से करवाई।

भालजी पेढ़ाकर ने दादा कोंडके को फिल्म 'तंब्डी माती' से 1969 में मराठी फिल्मों में आने का मौका मिला। पहली ही फिल्म को बेस्ट मराठी फीचर फिल्म का नेशनल अवॉर्ड मिला। 1971 में दादा ने 'सोंगड्या' फिल्म प्रोड्यूस की, जिसमें उन्होंने खुद लीड रोल निभाया।

सेंसर बोर्ड भी परेशान था दादा की फिल्मों से

दादा कोंडके की फिल्मों के टाइटल और डायलॉग डबल मीनिंग हुआ करते थे। जहां कुछ लोग इसे दिल खोलकर अपनाते थे, वहीं एक तबका ऐसा था जिसे ये डायलॉग भद्दे लगते थे। सेंसर बोर्ड ने भी कई बार फिल्मों पर आपत्ति जताई, लेकिन कोई दादा के खिलाफ आवाज नहीं उठा सका। उनके पास अपनी हर फिल्म के टाइटल और डायलॉग को लेकर कुछ जवाब होता था, जिसके आगे सेंसर बोर्ड को भी झुकना पड़ता था।

बॉलीवुड में नहीं चले तो शुरू किया मराठी फिल्मों को हिंदी में बनाने का ट्रेंड

मराठी सिनेमा में पॉपुलर होने के बाद दादा कोंडके 'तेरे मेरे बीच में', 'अंधेरी रात में दीया तेरे हाथ में', 'आगे की सोच' और 'ले चल अपने साथ' जैसी हिंदी फिल्मों में भी नजर आए। इनमें से अंधेरी रात में दीया तेरे हाथ में फिल्म काफी चर्चा में रही। वजह थी फिल्म का डबल मीनिंग टाइटल और सेक्स कॉमेडी वाले डायलॉग्स। फिल्मों को मास ऑडियंस तक पहुंचाने और फनी बनाने के लिए इन्हें फिल्मों में तो लिया जाता था, लेकिन इन्हें B या C ग्रेड एक्टर का दर्जा दिया जाता था। इस बात से नाराज होकर कोंडके ने मराठी फिल्मों को हिंदी में बनाने का ट्रेंड शुरू किया।

मधुबाला का रोल प्ले करना चाहती हैं अनन्या पांडे

बोलीं- वो बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस थीं, मैंने उनकी सारी फिल्में देखी हैं

एक्ट्रेस अनन्या पांडे जल्द ही साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा के अपोजिट फिल्म 'लाइगर' में नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्होंने विजय की सुपरहिट फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' देखी थी तबसे वे उनके साथ काम करना चाहती थीं। इस फिल्म के जरिये, उनकी ये ख्वाहिश पूरी हो गई है। हाल ही में एक समाचार पत्र से बातचीत के दौरान, अनन्या ने इस फिल्म और विजय देवरकोंडा से जुड़ी कुछ खास बातें शेयर की हैं। साथ ही उन्होंने अपने ड्रीम रोल का भी जिक्र किया है।

जब मैंने अपनी डेब्यू मूवी 'स्टूडेंट ऑफ ईयर 2' साइन की थी तब मुझे कैमरा एंगल के बारे में कुछ नहीं पता था। मुझे लगता था सीन एक बार ही शूट होता हैं और फिर उसके बाद खत्म। मुझे ये तक नहीं पता था की अलग-अलग टेक्स लिए जाते हैं। कैमेरा, लाइटिंग सेटअप के बारे में कुछ नहीं पता था। बचपन में पापा के सेट पर शायद एक ही बार गई होंगी, ऐसा बिलकुल नहीं है कि मैं फिल्मों के सेट पर बड़ी हुई हूं। तो मैंने हर चीज खुद से सीखी हैं। मेरी कोशिश यही है की हर फिल्म में अलग-अलग अंदाज से लोगों को एंटरटेन करूं। सच कहु तो मैं ऑडियंस को एक जैसे रोल करके बोर नहीं करना चाहती। अब तक मुझे दीपिका पादुकोण, विजय देवरकोंडा जैसे बड़े एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला, इनसे बहुत कुछ सीखने की कोशिश की है। चाहे मेरी ग्रोथ धीमी हो, लेकिन मैं सीखते-सीखते आगे बढ़ना चाहती हूँ।

फिल्म में मेरा किरदार, रियल अनन्या से बहुत अपोजिट हैं

मैं उस दिन को कभी नहीं भूल सकती, खास तौर पर वो मोमेंट जब मैं पुरी सर (डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ) के साथ नरेशन के लिए बैठी थी। मुझे याद है, तकरीबन 2 घंटे तक ये नरेशन चला था और पूरे टाइम मैं अपना पैनकेक खा रही थी। जिस तरह से उन्होंने फिल्म के बारे में मुझे बताया, मैंने पूरी फिल्म को इमेजिन कर लिया था। फिल्म में मेरा रोल रियल अनन्या से बहुत अपोजिट है। तान्या (किरदार का नाम) बहुत ही चुलबुली और केयरफ्री लड़की हैं, बहुत ही बिंदास और अपने इमोशंस, फीलिंग्स को खुलकर एक्सप्रेस करती है। जब पहली बार इस रोल के बारे में सुना, बहुत मजा आया और मुझे यकीन था कि इसे निभाने में भी उतना ही मजा आएगा। बस फिर क्या? मेरे पास फिल्म को हां कहने के अलावा कोई ऑप्शन था ही नहीं, मैंने तुरंत फिल्म के लिए हां कर दी।

संजय लीला भंसाली की फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूँ

मुझे हर तरह की फिल्में करनी हैं। हॉरर, मास कॉमेडी, रोमांटिक जैसे सभी तरीके के जॉनर एक्स्प्लोर करने हैं। मुझे 'जब वी मेट' की तरह फिल्में करनी हैं जिसमें इमोशंस को कई तरह से दिखाया गया। इसी के साथ जिस तरह से संजय लीला भंसाली अपनी फिल्में ऑडियंस तक पहुंचाते हैं - 'लार्जर दैन लाइफ।' मैं इस तरह की फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं। जिस तरीके से 'गंगूबाई' में उनका विजन देखने को मिला, वो वाकई कमाल का था।

मुझे आज भी सोशल मीडिया ट्रोलिंग बहुत एफेक्ट करती है। आज भी ऐसे कई मोमेंट्स होते हैं जब कुछ कमेंट्स मुझे तकलीफ देते हैं। ऐसे भी दिन होते हैं जब खूब रोती हूँ। ऐसे वक्त, कोशिश करती हूँ खुद को डिटेच करने की, पॉजिटिव रखने की, अपने दोस्तों और फैमिली मेंबर्स के साथ वक्त बिताने की ताकि उस नेगेटिविटी को भूल जाऊं। पिछले कुछ सालों में मैंने खुद के साथ वक्त बिताना सीखा है, कई बार खुद को आइसोलेट कर लेती हूं ताकि आस पास के लोगों के ओपिनियन मुझ पर भारी ना पड़े। साथ ही, मैं हर बार खुद को एहसास दिलाती हूं कि आप अपना काम बेस्ट करें, ईमानदारी से मेहनत करें और आपके काम से लोगों का मुंह बंद करें।

सोशल मीडिया के इर्द-गिर्द है 'खो गए हम कहा' की कहानी

सिद्धार्थ चतुर्वेदी के साथ 'खो गए हम कहा' की शूटिंग खत्म हो चुकी हैं। मुझे पूरा यकीन है कि ऑडियंस इस फिल्म से काफी रिलेट कर पाएगी, क्योंकि फिल्म की कहानी सोशल मीडिया के इर्द-गिर्द घूमती है, ऑडियंस को डिजिटल के जमाने की फ्रेंडशिप की झलक देखने मिलेगी। कभी प्यार होता है, कभी नहीं- इस कॉन्सेप्ट पर काम करने में काफी मजा आया। फिल्म फिलहाल पोस्ट प्रोडक्शन में है और मेकर्स जल्द ही इसकी रिलीज डेट की अनाउंसमेंट करेंगे।

रिलेशनशिप स्टेटस 'सिंगल' है

रियल लाइफ में मैं बहुत रोमांटिक हूं लेकिन मेरा रिलेशनशिप स्टेटस 'सिंगल' है और मैं सिंगल ही बहुत खुश हूं (मुस्कुराते हुए) मेरे लिए प्यार 'फ्रेंडशिप' है। यदि मुझे किसी से प्यार करना है तो उससे पहले मेरी फ्रेंडशिप होना बेहद जरूरी हैं। ऐसा पार्टनर चाहती हूं जिसके साथ खुलकर हंस पाऊं, जो मन चाहे वो कह पाऊं, जिसके साथ मैं जैसी हूं वैसी ही रहूं। मेरे लिए किसी भी रिलेशनशिप में ये सभी फैक्टर्स होना बहुत जरूरी हैं।

मेरे बेस्ट फ्रेंड्स सुहाना खान और शनाया कपूर बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं और यकीन मानिए उनकी सक्सेस मेरी सक्सेस होगी। दोनों बहुत मेहनत कर रही हैं, जिसे देखकर मुझे बहुत खुशी होती है। बचपन में हम एक्टिंग का खेल खेलते थे, कैमरा के सामने अपनी मां का रोल निभाते थे, एक-एक घंटे तक रिकॉर्डिंग करते थे। बहुत गर्व महसूस हो रहा है ये देखकर कि हम सभी के सपने पूरे हो रहे हैं।

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस मधुबाला बहुत पसंद है

मुझे एक्ट्रेस मधुबाला बहुत पसंद हैं, मैंने उनकी सभी फिल्में देखी हैं और उनमे से 'चलती का नाम गाड़ी' मेरी फेवरेट है। कभी मौका मिला तो उनका रोल पर्दे पर निभाना चाहूंगी। वो बहुत सुंदर थीं। मुझे पता है कि फिलहाल मैं उनके मुकाबले में कुछ भी नहीं हूं, लेकिन मैं उनकी लाइफ से बेहद अट्रैक्टिव हूं। मधुबाला के अलावा, वहीदा रहमान और शर्मिला टैगोर भी मेरे फेवरेट हैं।

जैकलीन के वकील बोले- चार्जशीट में नाम आना साजिश

कहा- इस केस में मेरी क्लाइंट विक्टिम हैं और कुछ नहीं

एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज मनी लॉन्ड्रिंग केस के चलते सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही मे आई रिपोर्ट्स के अनुसार, ईडी जैकलीन को मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी बनाने की तैयारी में है। इस मामले में एक्ट्रेस के वकील प्रशांत पाटिल ने बयान जारी कर सफाई दी है। उनका कहना है कि ईडी की तरफ से हमें अभी तक ऑफिशियल कोई जानकारी नहीं मिली है। वहीं आरोपी बनाए जाने की खबर के बाद जैकलीन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा- मैं सारी अच्छी चीजें पाने के लायक हूं।

जैकलीन के वकील ने अपने बयान में कहा- फिलहाल हमें सिर्फ इतना पता चला है कि ईडी ने शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि यह भी जानकारी हमें मीडिया रिपोर्ट्स से ही मिली है। ईडी की तरफ से अभी तक कोई ऑफिशियल कम्यूनिकेशन नहीं हुआ है। मेरे क्लाइंट को शिकायत की कोई कॉपी भी नहीं मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स अगर सही हैं तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्हें केस में आरोपी बनाया जा रहा है। सच यह है कि मेरी क्लाइंट इस में विक्टिम हैं, उनके साथ खुद धोखाधड़ी हुई है। कॉनमैन सुकेश ने उन्हें भी ठगा है। मेरी क्लाइंट ने शुरुआत से ही पूछताछ में जांच एजेंसी का साथ दिया है। चार्जशीट में जैकलीन का नाम आना एक बड़ी साजिश है।

सब ठीक हो जाएगा- जैकलीन

जैकलीन फर्नांडीज ने पोस्ट शेयर कर लिखा- डियर मी, मैं सभी अच्छी चीजों को पाने के लायक हूं, मैं शक्तिशाली हूं और खुद को एक्सेप्ट भी करती हूं। एक दिन सब ठीक हो जाएगा, मैं मजबूत हूं। मैं अपने लक्ष्यों और सपनों को हासिल करूंगी, हां मैं यह कर सकती हूं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईडी का मानना है कि जैकलीन को शुरू से पता था कि इस केस के मख्य आरोपी सुकेश चंद्रशेखर ठग है और वह जबरन वसूली करने वाला है। दोनों रिलेशन में भी थे। इनकी कई प्राइवेट फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं, जिसके बाद ईडी ने जैकलीन से पूछताछ की और दोनों की फोटोज को सबूत के रूप में रखा है। ईडी ने अप्रैल में एक्ट्रेस की सात करोड़ से अधिक संपत्ति अटैच की थी। सुकेश ने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर्स की पत्नियों से 200 करोड़ रुपए वसूले थे।

करीना कपूर के पोस्ट पर विवेक अग्निहोत्री ने किया रिएक्ट

बोले-इंडस्ट्री में कम बजट की फिल्मों को कोई भी सपोर्ट नहीं करता

लाल सिंह चड्ढा का सोशल मीडिया पर बायकॉट हो रहा है। फिल्म के जबरदस्त बायकॉट को देखते हुए बीते दिनों करीना कपूर ने सोशल मीडिया पर फिल्म को बायकॉट न करने की अपील की थी। इस फिल्म के सपोर्ट में इंडस्ट्री के कई सेलेब्स उतर आए हैं। इसको देखते फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री ने करीना की अपील पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, जब कोई छोटे बजट की अच्छे कंटेट वाली फिल्म आती है और उसका विरोध होता है, तब उसे कोई क्यों नहीं सपोर्ट करता?

विवेक ने रिएक्ट करते हुए लिखा- जब इस इंडस्ट्री के एक इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर की छोटे बजट की फिल्म रिलीज होती है और बॉलीवुड माफिया द्वारा फिल्म का बहिष्कार किया जाता है। फिल्मों की स्क्रीनिंग कम कर दी जाती है, तब कोई क्यों नहीं उसके सपोर्ट में आता है? उस समय किसी को याद नहीं रहता कि फिल्म में 250 लोगों ने मेहनत की थी।

विवेक ने आगे लिखा कि बॉलीवुड के बादशाह आउटसाइडर एक्टर, डायरेक्टर्स और राइटर्स को बायकॉट करते हैं। इसके साथ ही उन पर बैन लगाकर करियर बर्बाद कर देते हैं, तब कोई आवाज क्यों नहीं उठाता है? जिस दिन आम भारतीयों को बॉलीवुड के डॉन के अहंकार, फासीवाद और हिंदूफोबिया के बारे में पता चलेगा, वो उन्हें गर्म कॉफी में डुबो देगें। फिल्म लाल सिंह चड्ढा को थिएटर में कम ऑक्युपेंसी मिल रही है। इस पर विवेक ने रिएक्ट करते हुए लिखा- बॉलीवुड को इस हाल में पहुंचाने के लिए कौन जिम्मेदार है? इतना विरोध झेलने के बाद भी उन्हीं सेलेब्स का साम्राज्य आगे बढ़ रहा है।

जिया खान को शारीरिक टॉर्चर करके गाली देते थे सूरज पंचोली, एक्ट्रेस की मां ने कोर्ट में लगाए आरोप

बॉलीवुड अभिनेत्री जिया खान को गुजरे हुए कई साल बीत चुके हैं, लेकिन आजकल उनकी आत्महत्या की गुत्थी सुलझ नहीं पा रही है। 2013 में कथित रूप से खुदकुशी करने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री जिया खानकी मां ने बुधवार को एक विशेष अदालत में कहा कि अभिनेता सूरज पंचोली उनकी बेटी पर शारीरिक और मानसिक अत्याचार करते थे। बुधवार को जिया खान की मां राबिया खान ने विशेष न्यायाधीश ए एस सैयद के सामने अपना बयान दर्ज किया है। बता दें कि सूरज पंचोली पर अभिनेत्री जिया खान को आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है, फिलहाल, सूरज पंचोली जमानत पर हैं। बीते दिन जिया खान की मां राबिया ने कोर्ट में अपने बयान दर्ज करवाए हैं।

सोशल मीडिया से मिले सूरज और जिया

बुधवार को जिया खान की मां राबिया खान ने विशेष न्यायाधीश ए एस सैयद के सामने इस मामले में अपनी गवाही दर्ज कराना शुरू किया। उन्होंने अदालत को बॉलीवुड में जिया के कदम रखने, उनके करियर, तरक्की और पंचोली के साथ संबंध के बारे में बताया। एक्टेस जिया खान की मां राबिया ने बताया कि सूरज पंचोली ने सोशल मीडिया के माध्यम से जिया खान से संपर्क किया और उस पर मुलाकात का दबाव डाला। उन्होंने कहा कि शुरूआत में जिया खान मिलने के लिए राजी नहीं हुईं थी। हालांकि,दोनों पहली बार सितंबर 2012 में एक-दूसरे से मिले थे। राबिया खान ने अदालत में कहा, उस वक्त बेटी जिया ने मुझे कुछ तस्वीरें भेंजी थीं। जिनको देखकर ऐसा लगा कि दोनों एक-दूसरे से प्यार करते हैं। लेकिन जिया ने मुझसे कहा कि वे बस दोस्त हैं।

जिया पर हावी होने लगे थे सूरज पंचोली

राबिया खान ने अदालत में कहा उनकी बेटी के रोजमर्रा के जीवन पर पंचोली हावी हो गए थे और अक्टूबर, 2012 तक दोनों एक दूसरे के घर रहने लगे थे। उन्होंने कहा कि उस साल नवंबर में लंदन में अपने घर पहुंचने पर जिया बहुत खुश नजर आई थीं। राबिया खान ने अदालत में कहा 24 दिसंबर, 2012 को जिया को पंचोली से एक संदेश मिला जिसमें लिखा था कि एक दोस्त से झगड़ा हो जाने के बाद वह जिया से नाराज हो गए थे। वह उन्हें माफ कर दें। इसी दौरान जिया खान की मां को उनके झगड़े के बारे में पता चला।

जिया के सामने दूसरी लड़कियों से फ्लर्ट करता था सूरज

हालांकि, एक्ट्रेस ने सूरज पंचोली को दूसरा मौका देने का फैसला किया और दोनों गोवा चले गए। यही नहीं, जिया का मां ने बताया कि सूरज पंचोली जिया खान को अपने दोस्तों के सामने रखता था। उसके सामने दूसरी लड़कियों से फ्लर्ट करता था। बता दें कि जिया की मां ने यह भी आरोप लगााया कि सूरज पंचोली ने उनकी बेटी को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया।

जिया ने फांसी लगाकर की थी आत्महत्या

राबिया खान के अनुसार जिया ने उन्हें बताया कि पंचोली उसपर शारीरिक और मानसिक अत्याचार करते थे और उसे 'अभद्र नामों' से पुकारते भी थे। राबिया खान की गवाही कल (18 अगस्त) भी जारी रहेगी। राबिया के अनुसार हिंदी फिल्म 'निःशब्द' में अपने अभिनय से चर्चित जिया खान तीन जून , 2013 को मुंबई में अपने निवास पर फांसी पर लटकी मिली

आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा के बाद तीनों खान को शक्तिमान की 'वार्निंग'! गलत बोलोगे तो भुगतना पड़ेगा

महाभारत के भीष्म पितामह और बच्चों के चहेते शक्तिमान यानी मुकेश खन्ना अपने बयानों से हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में उन्होंने भी आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा का लोगों द्वारा बायकॉट करने पर अपनी राय रखी। मुकेश ने माना कि फिल्म के अगेंस्ट प्रोटेस्ट बड़े लेवल पर हुआ है। सोशल मीडिया में अवेयरनेस आया है। अब हिंदू लोग कह रहे हैं कि हमसे पंगा लोगे तो फिल्म फ्लॉप करा देंगे। अब शाहरुख खान की पठान को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। मेरा मकसद ऐसे लोगों को रोकना है। इससे पहले भी कई प्रोजेक्ट्स को लेकर प्रोटेस्ट हुए हैं, चाहें फिर वह 'पद्मावत' हो, 'लक्ष्मी' हो या 'तांडव' हो लेकिन, यह पहला एक केस आया है, जिसमें पुरानी बातों को उठाकर विरोध हो रहा है।

मुकेश खन्ना ने कहा कि आमिर ने इंडस्ट्री में काफी काम किया है। एक दिन अचानक वो कहते हैं कि उनकी पत्नी को इस देश में डर लगता है। ये देश रहने के लायक नहीं है। ये वही आदमी है जो सत्यमेव जयते में बड़ी-बड़ी बातें करता था। बड़े-बड़े लोगों के सेंटिमेंट्स की बातें करता था। उसने इस देश से इतना कमाया। वो आदमी कहता है कि उसकी वाइफ को ऐसा लगता है। अरे भई ये बेडरूम की बात है। अपने बेडरूम तक रखिए।

मुकेश खन्ना ने कहा- हमारे यहां इमेज कांच की तरह होता है। मैं आज पिछले 40 सालों से भीष्म पितामह और शक्तिमान का इमेज लेकर जी रहा हूं। बच्चे मुझे आज भी कहते हैं उड़कर दिखाओ ना। एक बार आपको इमेज टूटा ना। बहुत मुश्किल से वापस आएगा। फिर चाहे आप पठान बनाओ। मुगले आज़म बनाओ। चाहे आप महाभारत बनाओ। वो आपका कर्म आपको छोड़ेगा नहीं। लोगों के सेंटिमेंट को छोड़ोगे तो भुगतना तो पड़ेगा।

बता दें, आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा को दर्शक नहीं मिल पाने के कारण जबरदस्त नुकसान हुआ है। फिल्म को लोगों ने किस कदर नापसंद किया है इसका अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2018में आई आमीर खान की आखिरी मूवी ठग्स हिन्दुस्तान ने पहले दिन की कमाई 52 करोड़ थी...और ये फिल्म भी फ्लॉप हो गई थी...और लाल सिंह चड्ढा 5 दिनों में भी 50 करोड़ का आंकडा छू नहीं सकी है। इसके पीछे आमिर खान के कंट्रोवर्शियल देश विरोधी बयान हैं।

शराब के नशे में धुत दिखे राहत फतेह अली खान

चाचा के मैनेजर को कहा नुसरत फतेह अली खान, वीडियो देख भड़के फैंस

पाकिस्तानी सिंगर राहत फतेह अली खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो सामने आया है। इसमें वे शराब के नशे में धुत होकर अपने मरहूम चाचा नुसरत फतेह अली खान के मैनेजर को ही नुसरत फतेह अली खान कह रहे हैं। इस वीडियो की वजह से राहत ट्रोलर्स के निशाने पर आ गए हैं।

नशे में धुत राहत फतेह अली खान

ट्विटर पर शेयर किए गए वीडियो में राहत अपने चाचा नुसरत के मैनेजर के कंधे पर हाथ रखकर बात करते दिख रहे हैं। फिर मैनेजर को गले लगाकर कहते हैं, 'हम एक हैं और हमेशा एक ही रहेंगे। ये मेरी जान हैं नुसरत फतेह अली खान।'

यूजर्स ने किया सिंगर को ट्रोल

सिंगर का इस तरह अपने चाचा का मजाक उड़ाना नेटिजन्स को पसंद नहीं आया है। लोगों ने इस वीडियो को रिट्वीट किया है। कुछ ने गुस्सा तो कुछ ने चिंता जताई है। कई लोग नुसरत फतेह अली खान के मैनेजर पर प्यार दिखाने के लिए राहत की तारीफ भी कर रहे हैं। हालांकि, इस पर अभी तक राहत का कोई रिएक्शन नहीं आया है।

सिंगर ने 16 अगस्त को अपने चाचा उस्ताद नुसरत फतेह अली खान की 24वीं डेथ एनिवर्सरी पर पोस्ट शेयर कर श्रद्धांजलि दी थी। पोस्ट में राहत ने लिखा था, 'आपने ताउम्र अनगिनत लोगों के दिल को छुआ और मरने के बाद भी आप अपने म्यूजिक और अपनी फैमिली लिगेसी में जिंदा हैं। आपकी कमी हमेशा खलेगी। उस्ताद नुसरत फतेह अली खान - 13 अक्टूबर, 1948 - 16 अगस्त, 1997।'

नुसरत फतेह अली खान पाकिस्तान के पॉपुलर सिंगर थे। उनका निधन 48 साल की उम्र में 16 अगस्त 1997 को कार्डियक अरेस्ट से हुआ था। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया था कि ओवर वेट होने की वजह से उनकी मौत हुई थी। कई मौकों पर राहत अपने चाचा को याद करते हुए भावुक हो जाते हैं।

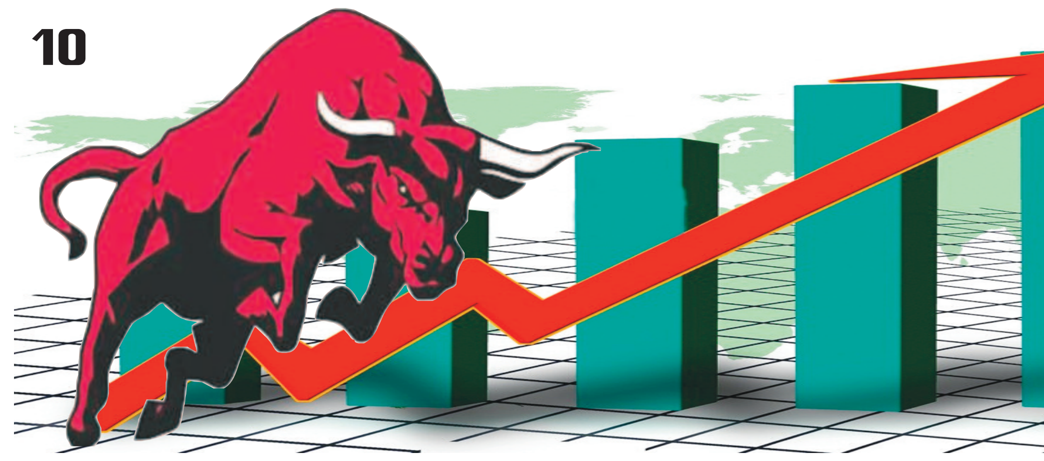

चार महीने के बाद सेंसेक्स 60,000 के ऊपर, निफ्टी भी 17,900 के पार

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार लगातार चौथे दिन हरे निशान पर बंद हुए। दिलचस्प बात यह रही ही छह अप्रैल 2022 के बाद पहली बार सेंसेक्स 60,000 के लेवल के ऊपर बंद हुआ। इस दौरान बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, आईटी और फार्मा कंपनियों के शेयरों में खरीदारी होने से बाजार को मजबूती मिली। बुधवार को सेंसेक्स 418 अंक चढ़कर 60,260.13 अंकों पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी भी 119 अंक बढ़कर 17,944.25 के लेवल पर क्लोज हुआ। बाजार में बजाज फिनसर्व के शेयरों में छह फीसदी का उछाल देखा गया जबकि एमएंडएम के शेयरों में एक फीसदी की कीमजोरी आई।

रिलांयस इंडस्ट्रीज के शेयर हुए एक्स-डिविडेंड

निवेशकों को होगा तगड़ा मुनाफा

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। रिलांयस इंडस्ट्रीज के शेयर एक्स-डिविडेंड के रूप में आज (18 अगस्त 2022) ट्रेड कर रहे हैं। वित्त वर्ष 2022 के लिए कंपनी अपने योग्य शेयरधारकों को डिविडेंड बांटने जा रही है। इसके लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 19 अगस्त की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया था। बता दें, 31 मार्च 2022 को हुई बोर्ड की मीटिंग में शेयरहोल्डर्स को डिविडेंड देने का प्रस्ताव दिया गया था। कंपनी ने इस महीने की शुरुआत में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के परिणाम घोषित किए थे। तब ही कंपनी की तरफ से रिकॉर्ड डेट भी तय किया गया था। कंपनी अपने योग्य शेयरधारकों को 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले स्टॉक पर 8 रुपये का डिविडेंड देगी। इस पर अंतिम फैसला कंपनी के एनुअल जनरल मीटिंग में लिया जाएगा। 29 अगस्त 2002 को कंपनी की 45वीं एनुअल जनरल मीटिंग होगी। एजीएम की घोषणा के एक सप्ताह के अंदर ही योग्य शेयरधारकों को डिविडेंड का भुगतान कर दिया जाएगा। कंपनी ने मई में एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया था,'10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयरों पर 8 रुपये का डिविडेंड दिया जा रहा है। जिस पर आखिरी फैसला एनुअन जनरल मीटिंग में लिया जाएगा'चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के बीच जियो को 4,335 करोड़ का शुद्ध लाभ हुआ है। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 3,501 करोड़ का मुनाफा हुआ था। इस लिहाज से 24 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। बीते वित्त वर्ष की बात करें तो रिलायंस जियो टैक्स के बाद मुनाफा 14,817 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले मुनाफा 12,015 करोड़ रुपये था। वहीं, रेवेन्यू 76,977 करोड़ रुपये रहा, जो 31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में 69,888 करोड़ रुपये रहा था।

सोना हुआ सस्ता, औंधेमुंह गिरी चांदी

1171 रुपये कम हुए सिल्वर रेट

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। आज सोने-चांदी के रेट में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। आज यानी गुरुवार को 24 कैरेट सोना 51974 रुपये पर खुला, जो बुधवार के बंद रेट से 60 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता है। इसके अलावा 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 51766 रुपये पर आ गई है। जबकि, 22 कैरेट 47608, 18 कैरेट 38980 और 14 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 30404 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई है। इसमें जीएसटी और ज्वैलर का मुनाफा नहीं जुड़ा है। वहीं, चांदी 1171 रुपये गिरकर होकर 56650 रुपये प्रति किलो के रेट पर खुली। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 4280 रुपये सस्ता है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से 18358 रुपये सस्ती है। 24 कैरेट सोने पर 3 फीसद जीएसटी यानी 1559 रुपये जोड़ लें तो इसका रेट 53533 रुपये हो जा रहा है। वहीं ज्वैलर का 10 फीसद मुनाफा यानी 5353 रुपये जोड़ने के बाद सोने का भाव 58886 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच जा रहा है। जीएसटी जोड़ने के बाद चांदी की कीमत 58359 रुपये प्रति किलो हो गई है। इसमें ज्वैलर का 10 से 15 फीसद मुनाफा अलग से है। यानी आपको 10 फीसद मुनाफा लेकर ज्वैलर करीब 64184 रुपये में देगा। 23 कैरेट गोल्ड पर भी 3 फीसद जीएसटी और 10 फीसद मुनाफा जोड़कर आपको मिलेगा 58650 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से। 22 कैरेट सोने का भाव तीन फीसद जीएसटी के साथ यह 49036 रुपये का पड़ेगा। इससे बने जेवरों पर भी ज्वैलर्स का मुनाफा अलग से जोड़ने पर करीब 53939 रुपये का पड़ेगा। 18 कैरेट गोल्ड की कीमत 3 फीसद जीएसटी के साथ 40149 रुपये प्रति 10 ग्राम होगी। ज्वैलर का 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़कर यह 44164 रुपये का पड़ेगा। अब 14 कैरेट सोने का भाव जीएसटी के साथ यह 31316 रुपये प्रति 10 ग्राम पड़ेगा। इस पर 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़ लें तो यह 34447 रुपये का पड़ेगा।

शहरों में बेरोजगारी एक साल के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। शहरी इलाकों में इस महीने के पहले 15 दिनों में बेरोजगारी की दर 9.35 फीसदी पर पहुंच गई है। यह अगस्त, 2021 के बाद सबसे ज्यादा है। उस समय बेरोजगारी दर 9.78 फीसदी थी। इस महीने गांवों में बेरोजगारी दर 7.18 फीसदी रही है। हालांकि यह जून में 8.03 फीसदी और जुलाई में 6.14 फीसदी पर थी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनमी के हालिया आंकड़ों के अनुसार, अगस्त, 2021 में देश में बेरोजगारी की दर 8.32 फीसदी थी और उसके बाद इस साल फरवरी में यह फिर से एक बार आठ फीसदी के पार पहुंच गई थी। उस समय गांवों में भी एक साल में बेरोजगारी दर आठ फीसदी के पार सर्वोच्च स्तर पर थी। पिछले एक साल में पूरे देश में सबसे कम बेरोजगारी दर इस साल जनवरी में थी।

25 जुलाई के बाद से शहरों में आठ फीसदी से ऊपर दर

इस साल 25 जुलाई के बाद से शहरी इलाकों में हर दिन 8 फीसदी के ऊपर ही बेरोजगारी दर रही है। पिछले 21 दिनों में इसमें किसी भी दिन कमी नहीं आई है। 16 अगस्त को यह 9.44% पर चली गई। गांवों में 27 जुलाई के बाद से बेरोजगारी की दर 6 फीसदी से ज्यादा रही है। पूरे देश में यह 24 जुलाई से लगातार बढ़ी है। केवल एक अगस्त को इसमें मामूली कमी आई थी।

नरेगा के तहत रोजगार में 47 फीसदी की गिरावट

मनरेगा के रोजगार में जुलाई की तुलना में अगस्त में 47 फीसदी की गिरावट आई है।

आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में कुल कामगारों की संख्या 22.2 करोड़ प्रतिदिन रही, जो जून में 42.2 करोड़ प्रतिदिन थी।

पीएनबी का अलर्ट: 31 अगस्त तक निपटा लें ये काम

वर्ना बैंक अकाउंट हो जाएगा बंद

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब नेशनल बैंक ने अपने सभी ग्राहकों को 31 अगस्त तक केवाईसी अपडेट कराने के लिए कहा है। यह सिर्फ उन्हीं ग्राहकों के लिए जरूरी है जिन्होंने 31 मार्च 2022 तक केवाईसी को अपडेट नहीं करवाया है। बैंक ने अपने ग्राहकों को अलर्ट करते हुए कहा कि डेडलाइन तक केवाईसी अपडेशन नहीं करने पर अकाउंट को बंद किया जा सकता है। दरअसल, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने अपने गाइडलाइंस में कहा है कि सभी बैंकों के कस्टमर को केवाईसी अपडेशन करवाना जरूरी है। पीएनबी ने ट्वीट कर कहा है कि सभी ग्राहक जिन्होंने अब तक केवाईसी अपडेट नहीं किया है वह अपने बेस ब्रांच से संपर्क करें और 31 अगस्त तक इस काम को निपटा लें। केवाईसी यानि अपने ग्राहक को जानो किसी भी बैंक को उसके ग्राहकों के पहचान, एड्रेस और उसके फाइनेंशियल हिस्ट्री के बारे में जानने और उसे किसी भी गैरकानूनी उपयोग के लिए पैसों के लेनदेन को ट्रैक करने में मदद करता है। पंजाब नेशनल बैंक ने बताया है कि ग्राहक इस संबंध में जानकारी के लिए हमारे कस्टमर केयर सर्विस (1800 180 2222) या (1800 103 2222) टोल फ्री नंबर पर बात कर सकते हैं।

इस बीच, पीएनबी के मैनेजिंग डायरेक्टर एके गोयल ने बताया है कि मौजूदा वित्त वर्ष में पीएनबी ने 32,000 करोड़ रुपये की रिकवरी का लक्ष्य बैड लोन से रखा है। उन्होंने कहा कि पहली तिमाही के दौरान 7,057 करोड़ रुपये की रिकवरी हुई है। जबकि इस दौरान स्लिपेज 6,468 करोड़ रुपये का रहा। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक उन्होंने बताया कि हम प्रत्येक तिमाही में 8,000 करोड़ रुपये की रिकवरी चाहते हैं। साथ हीं हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि यह रिकवरी फ्रेश स्लिपेज रिकवरी से ज्यादा रहे।

बढ़ते कोरोना मामले और 60 साल की सबसे तेज गर्मी...चीनी इकोनॉमी का है यह बेहद नाजुक दौर

नई दिल्ली , 18 अगस्त (एजेंसियां)। पड़ोसी देश चीन ने दुनियाभर के देशों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। जी नहीं, यहां हम किसी नई बीमारी या कोरोना के किसी नए वेरिएंट की बात नहीं कर रहे हैं। हम बात चीन की माली हालत की कर रहे हैं। चीन की इकोनॉमी पर काले बादल मंडरा रहे हैं। इससे वैश्विक मंदी की चिंताएं बढ़ गई हैं। चीन की इकोनॉमी की मुसीबतें बढ़ाने का काम कर रही है वहां की गर्मी। चीन में इस समय 60 वर्षों की सबसे तेज गर्मी पड़ रही है। इससे पावर सप्लाई में बाधाएं आ रही हैं और कारखानों में उत्पादन रुक रहा है। इन सब के बीच प्रमुख इन्वेस्टमेंट बैंक्स ने चीन की इकोनॉमिक ग्रोथ का अनुमान घटा दिया है। सख्त कोविड-19 लॉकडाउन और रियल एस्टेट संकट के चलते चीनी इकोनॉमी की खस्ता हालत हो गई है। कुछ बड़े कारोबारी ग्रुप्स द्वारा चीन में अपनी फैक्ट्रियां बंद कर देने ने आग में घी का काम किया। इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैश ने इस साल चीन की जीडीपी के लिए अपने अनुमान को 3.3 फीसदी से घटाकर 3 फीसदी कर दिया है। चीन में जुलाई महीने के आर्थिक आंकड़े उम्मीद से कमजोर आने के बाद गोल्डमैन सैश ने यह कदम उठाया है। इस वॉल स्ट्रीट बैंक ने मई से अब तक तीसरी बार अनुमान में कटौती की है।

बंद होने जा रहे हैं रेलवे के टिकट काउंटर! यहां जानिए क्या है हकीकत

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार भले ही रेलवे के निजीकरण से इनकार कर रही है लेकिन धीरे-धीरे कई व्यवस्थाओं को निजी हाथों में सौंपा जा रहा है। इसी कड़ी में पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम में भी बदलाव की तैयारी चल रही है। माना जा रहा है कि टिकट काउंटर बंद कर इसे प्राइवेट हाथों में दिया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस पर सुझाव के लिए एक फर्म को नियुक्त किया गया है। यह पहला मौका नहीं है जब इस प्रकार की कोशिश हो रही है। पहले भी रेलवे ने रिजर्वेशन सेंटर को बंद करने का फैसला किया था लेकिन विरोध के कारण इसे आगे नहीं बढ़ाया जा सका था। माना जा रहा है कि देर सबेर सरकार रिजर्वेशन काउंटर को निजी हाथों में सौंप सकती है। इसकी वजह यह है कि रेलवे के लिए रेलवे का खर्चा बहुत ज्यादा है और आमदनी उस हिसाब से नहीं है। इन पर अधिकांश पुराने कर्मचारी ही बैठते हैं जिनकी सैलरी करीब डेढ़ लाख रुपये महीने बैठती है। पहले भी रेलवे ने आरक्षण केंद्र बंद करने का फैसला किया था लेकिन तब इसका काफी विरोध हुआ था। सांसदों की एक कमेटी से इसकी व्यावहारिकता का अध्ययन कराया गया था। संसद की रेल से संबंधित समिति की रिपोर्ट के मुताबिक 2019-20 में ऑनलाइन बुक किए गए टिकटों की संख्या टिकट रिजर्वेशन काउंटर से खरीदे गए टिकटों की तुलना में तीन गुना अधिक हैं। साफ है कि यात्रियों का रुख तेजी से ई-टिकटिंग की तरफ बढ़ा है। इससे रेलवे रिजर्वेशन काउंटर पर भीड़ कम होती जा रही है। ऐसे में इन्हें चलाना रेलवे के लिए फायदे का सौदा नहीं रह गया है। इन्हें बंद करने या निजी हाथों में सौंपने से दलालों की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा।हालांकि रेल मंत्रालय ने इस तरह की खबरों का खंडन किया है।

यूनिसेफ की सलाह: बच्चों का समय पर टीकाकरण बहुत आवश्यक

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बच्चों के बेहतर सेहत के लिए उनका समय-समय पर टीकाकरण कराते रहना बहुत जरूरी है, यह उन्हें गंभीर संक्रमण और कई प्रकार की जानलेवा बीमारियों से सुरक्षित रखने में मदद करता है। टीकाकरण का ही प्रभाव है कि दो-तीन दशक पहले तक जिन बीमारियों के कारण बच्चों में सबसे अधिक मृत्यु के मामले देखे जाते रहे थे,वह अब लगभग न की स्थिति में हैं। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में जिस प्रकार से कई संक्रामक बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ा हुआ देखा गया है, इनसे बच्चों को बचाने के लिए टीकाकरण और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चे निश्चित उम्र में कुछ बीमारियों के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं, ऐसे में टीके प्रभावी तभी होते हैं जब उन्हें सही उम्र सुझाई गई मात्रा में दिया जाए। बच्चों के बेहतर सेहत को सुनिश्चित करने के लिए यूनिसेफ ने टीकाकरण की आवश्यकताओं पर जोर दिया है। जिन बच्चों को समय पर टीका नहीं लग पाता है उनमें कई प्रकार की बीमारियों के विकसित होने का खतरा रहता है, उदाहरण के लिए पोलियो जैसी बीमारियां पूरे जीवन की गुणवत्ता को खराब कर सकती हैं। यूनिसेफ कहता है सभी माता-पिता को बच्चों में टीकाकरण की आवश्यकताओं और इससे होने वाले फायदों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए, जिससे हम बच्चों को स्वस्थ भविष्य का उपहार दे सकें। आइए जानते हैं कि बच्चों को कब-कब किन टीकों को लगवाना बहुत आवश्यक है, इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं की जानी चाहिए। विशेषज्ञ बताते हैं, बच्चों को जन्म से लेकर 16 साल तक नियमित अंतराल पर टीकाकरण की आवश्यकता होती है। जन्म के समय बैसिलस कैलमेट-गुएरिन (बी.सी.जी), पोलियो की पहली खुराक, हेपेटाइटिस बी के टीके लगाए जाते हैं। पोलियो की ओरल वैक्सीन बच्चों को पांच साल की उम्र तक दी जाती है। यह उनमें लकवे की समस्या को दूर रखने में मदद करती है। भारत फिलहाल पोलियो मुक्त देशों की सूची में है। कई बीमारियों पर टीकाकरण के ही चलते भारत ने बेहतर ढंग से नियंत्रण भी पा लिया है। जन्म के छठवें माह में पोलियो की दूसरी खुराक दी जाती है। यह टीका पोलियो वायरस से बचाता है जो अत्यधिक संक्रामक रोग है और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर लकवा का कारण बनता है। यह वायरस मुख्य रूप से 5 साल से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है।छठे महीने में पेंटावैलेंट टीका भी दिया जाता है, यह टीका पांच घातक रोगों गलघोंटू, परटूसिस (काली खांसी), टेटनेस, हेपेटाइटिस बी और हिमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी (हिब) से सुरक्षा देता है। इसके साथ रोटावायरस और न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन भी दी जाती है। दसवें महीने पेंटावैलेंट का दूसरा टीका, पोलियो, रोटावायरस का टीका दिया जाता है। समयवर ये टीके रिपीट किए जाते हैं। नौवें से 12वें महीने में खसरा और रूबेला, जापानी इंसेफेलाइटिस और फिर 16-24वें महीने में इन टीको को दोबारा दिया जाता है। बच्चों को पांच से छह साल के दौरान डिप्थीरिया पर्टुसिस और टेटनस का बूस्टर डोज, 10वें साल में टेटनस और एडल्ट डिप्थीरिया और 16वें साल में एक बार फिर से एडल्ट डिप्थीरिया की खुराक दी जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं ये टीके सभी बच्चों को दिए जाने बहुत आवश्यक हैं, सभी माता-पिता इनकी खुराक समय पर मिले, यह जरूर सुनिश्चित करें। बच्चों को कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के जोखिम से बचाने और उनमें मृत्युदर को कम करने के लिए टीकाकरण आवश्यक है। देश के सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर ज्यादातर टीके मुफ्त उपलब्ध होते हैं।

अनाज का होगा रिकॉर्ड उत्पादन पर घट सकती है गेहूं की पैदावार

दलहन-तिलहन में होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। देश में 2021-22 के फसल वर्ष के दौरान रिकॉर्ड 31.5 करोड़ टन अनाज उत्पादन की उम्मीद है। हालांकि, इस दौरान गेहूं की पैदावार करीब तीन फीसदी घटकर 10.6 करोड़ टन रह सकती है। लू की वजह से उत्तरी भारत जैसे पंजाब और हरियाणा में गेहूं की फसलों पर बुरा असर हुआ है। कृषि मंत्रालय ने 2021-22 के लिए अपने चौथे अग्रिम अनुमान में बुधवार को कहा कि चावल, मक्का, दलहन, चना, सरसों, तिलहन और गन्ने का रिकॉर्ड उत्पादन होने की उम्मीद है। 2021-22 का फसल वर्ष जुलाई, 2021 से जून, 2022 के बीच है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, 2020-21 के दौरान देश में अनाज का उत्पादन 31.07 करोड़ टन हुआ था। आंकड़ों के मुताबिक, गेहूं का उत्पादन 2020-21 में 10.9 करोड़ टन हुआ था। चावल का उत्पादन 2021-22 के दौरान 13.02 करोड़ टन होने का अनुमान जताया गया है। उसके पहले के साल में यह 12.4 करोड़ टन था।

दलहन-तिलहन में बढ़ोतरी

मंत्रालय ने कहा, दालों का उत्पादन 2.76 करोड़ टन रह सकता है जो एक साल पहले 2.54 करोड़ टन था। गैर खाद्यान में तिलहन का उत्पादन 3.59 करोड़ टन से बढ़कर 3.76 करोड़ टन हो सकता है। सरसो का उत्पादन 1.77 करोड़ टन जबकि गन्ने का उत्पादन 43 करोड़ टन रहने की उम्मीद है। एक साल पहले गन्ना का उत्पादन 40.05 करोड़ टन था।

कपास का उत्पादन घटेगा

मंत्रालय ने कहा, कपास का उत्पादन 3.5 करोड़ गांठ से घटकर 3.1 करोड़ गांठ रहने का अनुमान है। एक गांठ में 170 किलो वजन होता है। जूट की पैदावार 1.31 करोड़ गांठ रहने की उम्मीद है जो एक साल पहले 93 लाख गांठ थी। इसमें एक गांठ में 180 किलो होता है।

समन भेजने या गिरफ्तारी की जल्दबाजी ना दिखाएं जीएसटी अधिकारी, सीबीआईसी का निर्देश

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। माल और सेवा कर (जीएसटी) के अधिकारियों को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने एक अहम निर्देश दिया है। इस निर्देश के तहत किसी भी कंपनी को टैक्स चोरी के मामले में पहली बार में ही समन भेजने से मना किया गया है। इसके साथ ही सीबीआईसी ने असाधारण परिस्थिति का जिक्र करते हुए गिरफ्तारी करने की सलाह दी है। समन के लिए दिशानिर्देश: सीबीआईसी ने कहा कि समन जारी करना विभाग के पास एक साधन है, लेकिन यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि इस तरह की शक्ति का प्रयोग उचित विचार और विवेकपूर्ण तरीके से किया जाए। सीबीआईसी ने अपने निर्देश में कहा-अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि वे ऐसे मामलों का पता लगाएं, जहां समन की बजाय सूचना मांगने के लिए एक पत्र पर्याप्त हो सकता है। निर्देश के मुताबिक अधीक्षक द्वारा जारी किए गए समन को एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा लिखित रूप में स्वीकृत किया जाना चाहिए, पूरी प्रक्रिया का रिकॉर्ड होना चाहिए, और समन में व्यक्तियों के विशिष्ट नाम और अपराधों के विवरण का उल्लेख भी जरूरी है। सीबीआईसी के मुताबिक वरिष्ठ प्रबंधन अ धि का री - सीएमडी/एमडी/सीईओ/सीएफओ किसी भी कंपनी या पीएसयू के समान अधिकारियों को आम तौर पर पहली बार में समन जारी नहीं किया जाना चाहिए। जब राजस्व से जुड़े नुकसान के मामले की जांच में अधिकारियों की संलिप्तता के स्पष्ट संकेत मिले तो उन्हें तलब किया जाना चाहिए। समन अधिकारी का रहना जरूरी: यह भी निर्देश दिया गया है कि समन की समय और तारीख पर समन अधिकारी उपस्थित होना चाहिए। प्रत्येक समन के साथ दस्तावेज़ पहचान संख्या (डीआईएन) रखना भी अनिवार्य कर दिया गया है। सीबीआईसी ने जीएसटी अधिकारियों से ये भी कहा है कि वे नियमित रूप से लोगों को गिरफ्तार न करें। कुछेक मामलों में गिरफ्तारी की सलाह दी गई है। क्या कहते हैं एक्सपर्ट: भारत में केपीएमजी में पार्टनर-इनडायरेक्ट टैक्स अभिषेक जैन के मुताबिक कंपनी या अधिकारियों को कई नियमित मामलों के लिए समन जारी किए गए थे। दिशानिर्देश इस सिद्धांत को बहाल करते हैं कि अधिकारियों को पहली बार में नहीं बुलाया जाना चाहिए। वहीं, कंसल्टेंसी फर्म ईवाई में टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि अलग-अलग हाईकोर्ट ने माना है कि गिरफ्तारी के प्रावधानों को शायद ही कभी लागू किया जाना चाहिए और मनमाने ढंग से या वसूली के लिए प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। सीबीआईसी का निर्देश स्पष्ट करता है कि गिरफ्तारी की शक्ति असाधारण परिस्थितियों में लागू की जानी चाहिए। मसलन, व्यक्ति दस्तावेजों से छेड़छाड़, धोखाधड़ी गतिविधियों आदि में शामिल है तो इसे लागू किया जाए। गिरफ्तारी की शक्ति नियमित या तकनीकी मामलों के लिए लागू नहीं की जानी चाहिए।

डीजीसीए: जुलाई महीने में घरेलू उड़ानों में यात्री घटे

डीजीसीए ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जुलाई महीने में 97 लाख लोगों ने घरेलू हवाई यात्रा की। जून महीने की तुलना में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में 7.6 प्रतिशत की कमी आई। जून महीने में 1.05 करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की थी। गुरुवार को डीजीसीए की ओर से यह जानकारी जारी की गई। डीजीसीए की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार वर्ष 2022 में जनवरी से जुलाई महीने तक लगभग 6.69 करोड़ हवाई यात्रियों ने घरेलू उड़ानों में सफर किया है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को पीसीसी चीफ का खुला चैलेंज

डोटासरा बोले- मानहानि के लिए तैयार हूं

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत में जुबानी जंग तेज हो गई है। पीसीसी चीफ डोटासरा ने शेखावत को मानहानि का केस दर्ज करने के लिए खुला चैलेंज दिया है। डोटासरा ने कहा कि 'शेखावत उन पर मानहानि का मुकदमा करें। उन्हें मना कौन कर रहा है। वैसे भी अभी तो वह केंद्र में मंत्री हैं। उनके वकीलों के पैसे भी नहीं लगेंगे.'। डोटासरा ने कहा कि उनकी मानहानि के मुकदमे की गीदड़ भभकी से मैं डरने वाला नहीं हूं। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में फोन टैपिंग के मामले पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह के वॉयस सैंपल को लेकर दिए गए बयान पर बिफर गए थे। शेखावत ने कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि विश्वेंद्र सिंह को न तो देश के कानून की जानकारी है और न ही इस पूरे विषय की। शेखावत ने कहा कि कांग्रेस मुझे मानहानि मुकदमा कर्ज कराने का मौका दे रही है।

डोटासरा बोले- मानहानि के लिए तैयार हूं

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने राजधानी जयपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज है। अगर उसके बाद भी यह बोलना मानहानि है, तो यह मानहानि सहन करने के लिए मैं तैयार हूं। डोटासरा ने कहा कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को राजस्थान की सेवा करने का मौका मिला, लेकिन वह न तो राजस्थान के लोगों की प्यास बुझा पा रहे हैं, न ही महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर अपनी बात रख पा रहे हैं। पता नहीं मेरी उम्र ज्यादा है या गजेंद्र सिंह शेखावत की, लेकिन उनके बालों को देखकर लगता है कि वह मेरे बड़े भाई की तरह हैं। लेकिन सीकर के पानी में तो इतनी झूठ नहीं है। गजेंद्र सिंह ने कहां से इतना झूठ बोलना सीखा, यह मेरी समझ से बाहर है।

शेखावत पर लगे थे विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री शेखावत उदयपुर में मीडिया से बात करते हुए शेखावत विश्वेंद्र सिंह के वॉयस सैंपल को लेकर गए बयान पर बिफर गए थे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने भरतपुर में कहा कि था कि विधायकों की खरीद फरोख्त मामले में मैं अपना वॉयस सैंपल देने के लिए तैयार हूं। केंद्रीय मंत्री शेखावत को भी देना चाहिए। करीब 10 दिन बाद शेखावत ने विश्वेंद्र सिंह के आरोपों पर पलटवार किया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 में पायलट गुट की बगावत की वजह से गहलोत सरकार संकट में आ गई थी। केंद्रीय मंत्री शेखावत पर विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप लगे थे।

कटारिया बोले-खराब कानून व्यवस्था पर मुंह खोलें गहलोत

साधु हत्याओं-मॉबलिंचिंग से फैला भ्रम, आर्मी ट्रक से पैसा बीजेपी कार्यालय आया, तो सीएम करें खुलासा

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी के नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया ने कहा है कि गहलोत के राज में राजस्थान में जंगलराज से भी घटिया राज हो गया है। राजस्थान का मुख्यमंत्री ही खुद गृहमंत्री है। प्रदेश में अपराधों में बढ़ोतरी को लोग जंगल राज की कैटेगरी में लेते हैं। लेकिन मैं मुख्यमंत्री से पूछना चाहता हूँ कि जंगल राज से भी कोई कोई घटिया शब्द है क्या, जिसका प्रयोग राजस्थान की जनता करे। कटारिया ने कहा-पिछले कुछ दिनों से लगातार साधुओं की हत्या-मौतें हो रही है। हनुमानगढ़ के सांगरिया में साधु की हत्या हुई है। इससे पहले जालोर और भरतपुर में साधुओं की हत्या या मौतों पर सरकार स्पष्टीकरण नहीं दे पाई। जालोर में बच्चे के मटके से पानी पीने का कारण हत्या के मामले में भी पुलिस अब तक मौन बैठी हुई है। लोगों की जो बातें निकलकर आ रही हैं, उससे प्रदेश में बहुत बड़ा भ्रम फैल रहा है। पुलिस को जो भी हकीकत पता है और जो उसकी जानकारी में आया है, वही बोलेगी तो उसे सच माना जाएगा। कटारिया ने कहा अलवर की घटना ने तो सबका दिल दहला दिया है। मॉब लिंचिंग कर एक निर्दोष व्यक्ति को खेत में शौच के वक्त हमला करके पीट-पीटकर मार डाला। इससे ज्यादा और किसी प्रदेश में जंगल राज नहीं हो सकता।

आर्मी ट्रक से पैसा बीजेपी कार्यालय आया तो खुलासा करो, केवल बोलने से नहीं होगा

मुख्यमंत्री आप बाकी बातें तो बहुत बोलते हो कि चोरी का पैसा आता है। बीजेपी कार्यालय पहुंचता है। तो आप क्या कर रहे हो। राज चला रहे हो या मजाक कर रहे हो। अगर आपको लगता है किसी गाड़ी, ट्रक या आर्मी के व्हीकल से पैसा बीजेपी कार्यलय में आया है तो उसका खुलासा करके काम करो ना, केवल बोलने से नहीं होगा। आप पर जो आरोप लगा है उसके बारे में कौन बोलेगा। राजस्थान की जनता पूछ रही है कानून व्यवस्था की धज्जियां जब उड़ रही हैं तब राजस्थान का मुख्यमंत्री मौन क्यों है। मुंह खोलकर बोलें। मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री से तो पूछते हैं बोलो, पहले वह तो प्रदेश के बारे में बोलें। जंगलराज से भी घटिया कोई राज हो सकता है तो वो राजस्थान का है। कृपा करके अपना मुंह खोलो और राजस्थान को सम्भालो।

ट्रक में घुसी कार, पति-पत्नी, बेटे समेत 4 की मौत

फैमिली संग हिमाचल घूमने गया था भीलवाड़ा का यार्न कारोबारी, लौटते समय हादसा

अजमेर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अजमेर के विजयनगर के पास गुरुवार सुबह 9 बजे भीषण हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। कार में पति-पत्नी, बेटा और ड्राइवर सवार थे। ये सभी जयपुर से भीलवाड़ा लौट रहे थे। हादसे के बाद जाम लग गया। सूचना मिलने पर पुलिस टीम पहुंची और सड़क से वाहनों को हटाकर ट्रैफिक चालू कराया। परिवार के साथ यार्न कारोबारी हिमाचल घूमने गया था।

विजयनगर थाने के एएसआई शिवचरण सिंह ने बताया कि आजाद नगर भीलवाड़ा निवासी अंकित अग्रवाल (39), पत्नी राखी अग्रवाल (36), पुत्र प्रथम अग्रवाल (12) और ड्राइवर कय्यूम(22) के साथ सुबह करीब नौ बजे जयपुर से आ रहे थे। अंकित के एक बेटा ही था। इस दर्दनाक हादसे में उनका पूरा परिवार ही उजड़ गया। अब उनके घर में पिता मधुसूदन, मां चंदा और छोटा अर्पित हैं।

शहर के निकट चारभुजा होटल के पास सियाज कार सड़क पर खड़े ट्रक में घुस गई। इस टक्कर में कार की छत अलग हो गई। इसमें पति,पत्नी व चालक की मौके पर ही मौत हो गई। बच्चे को गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। अंकित का धागे का कारोबार था।

पुलिस ने शवों को विजयनगर के अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। घटना की सूचना परिजनों को दी। परिजन के आने पर पोस्टमार्टम कर शव सुपुर्द किए गए। उनका ड्राइवर भीलवाड़ा के हमीरगढ़ का रहने वाला था।

काफी मशक्कत कर निकाले शव

हादसे के बाद तीनों के शव कार में फंस गए। पुलिस ने बड़ी मशक्कत कर बाहर निकाला। इस दौरान काफी देर तक यातायात भी बाधित रहा। पुलिस ने मामले की जांच की शुरू कर दी है।

नींद की झपकी से हुआ भीषण हादसा

एएसआई शिवचरणसिंह ने बताया कि ट्रक रोड से बिल्कुल नीचे खड़ा था, लेकिन कार पीछे से आकर ट्रक मे घुस गई। ऐसा लग रहा है कि ड्राइवर को नींद की झपकी आ गई होगी। कार बेकाबू होकर जा घुसी। हादसे के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। तीनों की बॉडी भी फंस गई। राहगीरों, लोगों व पुलिस ने कार की बॉडी को तोड़कर मृतकों के शव निकाले।

बिजयनगर थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि सुबह सवा 9 बजे सूचना मिली कि एक कार ट्रक में घुस गई है। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची। पता चला कि तीन की मौके पर ही मौत हो गई है। एक बच्चा जिसे अस्पताल पहुंचाया, उसने दम तोड़ दिया।

जयपुर में पुजारी ने खुद को आग लगाई

मंदिर खाली करने का दबाव बना रही थी समिति; संत समाज बोला- उग्र आंदोलन करेंगे

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में आज सुबह करीब 5 बजे एक पुजारी ने खुद को आग लगा ली। पुजारी ने विकास समिति के पूर्व अध्यक्ष मूलचंद मान के घर के बाहर जाकर लगाई। वह लगभग 60 फीसदी जल गए हैं। आग लगाने वाले गिर्राज शर्मा शंकर विहार स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर के पुजारी हैं।

आग की सूचना मिलने पर मंदिर में रह रहा पंडित का परिवार मौके पर पहुंचा और पंडित को बचाने की कोशिश की। फिलहाल पंडित गिर्राज शर्मा का एसएमएस अस्पताल के बर्न वॉर्ड में उपचार चल रहा है। पुलिस अधिकारियों ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को अपने कब्जे में ले लिया है।

मंदिर से जाने का दबाव बना रही थी समिति

अस्पताल में भर्ती पंडित गिर्राज शर्मा ने बताया कि पांच-छह लोग उसे कई समय से परेशान कर रहे थे। इसमें शंकर जोशी सहित कुछ लोग थे। ये लोग चाहते थे की पंडित परिवार के साथ यहां से चला जाए।

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मंदिर की स्थापना विकास समिति ने वर्ष 2002 में की थी। मंदिर में पंडित कई सालों से अपने परिवार के साथ रह रहे थे। पिछले कुछ समय से मंदिर ट्रस्ट और उसके बीच में विवाद चल रहा था।

तीन दिन मानसून ब्रेक, 21 से फिर होगा एक्टिव

सिरोही, माउंट आबू में 7 इंच तक बारिश; बरसाती नदी-नाले उफान पर

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में आज अधिकांश हिस्सों में तेज बारिश का दौर धीमा पड़ गया। पश्चिमी राजस्थान बाड़मेर, जालोर के हिस्से को छोड़कर सभी जगह मौसम लगभग साफ है। पिछले 24 घंटे के दौरान सिरोही, बाड़मेर, जालोर एरिया में तेज बारिश दर्ज हुई।

इन जिलों में 3 से लेकर 7 इंच तक बरसात दर्ज हुई। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2 दिन तक राज्य में हल्की बारिश हो सकती है। इससे तापमान में भी 2 डिग्री सेल्सियस तक का इजाफा हो सकता है। 21 अगस्त से एक बार फिर तेज बारिश का दौर शुरू होगा। वहीं, राजस्थान में अब तक 317मिमी के मुकाबले 471.3मिमी बरसात हो चुकी है।

जयपुर मौसम केन्द्र के मुताबिक पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे ज्यादा सिरोही के माउंट आबू में 170मिमी (करीब 7 इंच) तक बरसात हुई। लगातार दूसरे दिन भी तेज बरसात से वहां बरसाती नदियां उफान पर हैं। सिरोही के पिण्डवाड़ा में वेस्ट बनास पर बना बांध का ओवरफ्लो गया है। सिरोही में माउंट आबू के अलावा रेवदर, वेस्ट बनास एरिया में भी अच्छी बरसात हुई। बीसलपुर का गेज 60 सेमी. बढ़ा जयपुर, अजमेर की लाइफ लाइन कहे जाने वाले बीसलपुर बांध में लगातार पानी आ रहा है। पिछले 24 घंटे के दौरान बांध का गेज 60 सेमी. बढ़ गया है और गेज अब 312.50 आरएल मीटर से ऊपर चला गया है। इससे पहले कल सुबह तक बांध का गेज 311.90 आरएल मीटर पर था। आज भी त्रिवेणी नदी का गेज 5 मीटर पर है और संभावना है कि अभी आने 2-3 दिन बांध में लगातार पानी आता रहेगा।

जयपुर मौसम केन्द्र के मुताबिक आज पश्चिमी राजस्थान के जालौर, जैसलमेर, बाड़मेर को छोड़कर ज्यादातर भागों में बारिश की गतिविधियों में तेजी से कमी होगी। अधिकतर भागों में मौसम शुष्क रहने व केवल छुटपुट स्थानों पर बारिश होने की सम्भावना रहेगी।

19 अगस्त को एक नया कम दबाव का क्षेत्र बंगाल की खाड़ी में बनने की संभावना है। इस सिस्टम का असर राजस्थान 21 अगस्त से देखने को मिलेगा। पूर्वी राजस्थान के हिस्सों में इस सिस्टम के असर से 21 अगस्त से नया तेज बारिश का दौर शुरू होगा।

जुबैर खान बोले- नेहरूजी ने कश्मीर को पाकिस्तान में मिलाया

प्रियंका के करीबी नेता ने दी सफाई- सेन्टेन्स का सीक्वेंस गड़बड़ाया

अलवर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव व राजस्थान मेवात विकास बोर्ड के अध्यक्ष जुबैर खान की जुबान फिसल गई। 15 अगस्त को उन्होंने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा- क्या इस सरकार ने देश की एक इंच भी जमीन बढ़ाई है। नेहरूजी ने कश्मीर को पाकिस्तान में मिलाया था। जुबैर कहना चाहते थे कि नेहरूजी ने कश्मीर को हिंदुस्तान में मिलाया। गलती से पाकिस्तान का नाम निकल गया। जुबैर खान प्रियंका गांधी के करीबी माने जाते हैं।

जुबैर खान अलवर के गोविंदगढ़ में स्वतंत्रता दिवस समारोह के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। वो राजस्थान के बड़े कांग्रेस नेताओं में शुमार किए जाते हैं। उनकी पत्नी सफिया खान रामगढ़ (अलवर) से मौजूदा विधायक हैं।

जुबैर खान 15 अगस्त को अपने विधानसभा क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस समारोह के कार्यक्रम के बाद बोल रहे थे। वे कांग्रेस और बीजेपी सरकार की तुलना कर रहे थे। इस दौरान वे कह गए कि नेहरूजी ने कश्मीर को पाकिस्तान में मिलवाया। हालांकि इस बयान के बाद जुबैर खान ने कहा कि मेरे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। उस दिन मैंने यही कहा था कि कांग्रेस के नेता पं नेहरू व इंदिरा गांधी ने देश के लिए बड़े-बडे. काम किए। मौजूद बीजेपी सरकार ने कुछ नहीं किया।

जुबैर खान ने सफाई में कहा कि अब कोई सेन्टेन्स की सिक्वेंस से अलग अर्थ निकल रहा हो तो बात अलग है। बाकी पूरा बयान सुनने के बाद ऐसा नहीं लगेगा कि कश्मीर को पाकिस्तान में मिलाने वाली बात की थी। मेरा कहना है कि इसका गलत अर्थ नहीं निकाला जाए।

राहुल-प्रियंका से नजदीकी

जुबैर खान कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव रह चुके हैं। यूपी चुनाव के दौरान वे उत्तर प्रदेश में चुनाव सह-प्रभारी थे। वे प्रियंका गांधी की टीम में थे।

जयपुर में नाबालिग से सहेली के बॉयफ्रेंड ने किया रेप

नाश्ते में नशीला पदार्थ मिलाकर खिलाया, बेटी को रातभर ढूंढते रहे परिजन

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में 17 साल की लड़की से रेप के मामले में सहेली के बॉयफ्रेंड को गिरफ्तार किया है। नाश्ते के बहाने आरोपी उसे होटल में ले गया था। नाश्ते में नशीला पदार्थ मिलाकर खिलाया।बेहोशी की हालत में नाबालिग से रेप किया। रातभर परिजन बेटी को ढूंढते रहे। अगले दिन बेहोशी की हालत में पीड़िता सामुदायिक केंद्र में मिली थी। भट्टाबस्ती थाना पुलिस ने पीड़िता की मां की रिपोर्ट पर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

एसएचओ हुकम सिंह ने बताया कि पॉक्सो एक्ट में आरोपी आकाश नायक (20) पुत्र बाबूलाल नायक निवासी जेपी कॉलोनी सेक्टर-1 शास्त्री नगर को गिरफ्तार किया गया है। भट्टाबस्ती निवासी महिला ने 17 साल की बेटी से रेप का मामला दर्ज करवाया था।

जालौर में दलित छात्र की मौत, अशोक गहलोत ने दे डाली आरएसएस-भाजपा को सीख

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरएसएस और भाजपा पर निशाना साधा है। सीएम गहलोत ने अहमदाबाद में प्रेस वार्ता में कहा कि जालौर की घटना अत्यंत दुखद है। सीएम गहलोत ने कहा कि देश के अंदर छूआछूत है। ये मानवत पर कलंक है। भाजपा-आरएसएस को पहला काम ये करना चाहिए कि छुआछूत और भेदभाव को मिटाए। ये हिंदुत्व की बात करते हैं। चुनाव में धार्मिक ध्रुवीकरण करते हैं। सीएम गहलोत ने कहा कि और भी कई तरह के भेदभाल होते हैं। उनको भाजपा-आरएसएस को मिटाना चाहिए। देश के हालात बड़े गंभीर है। लोकतंत्र खतरे में हैं। संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि सीएम अशोक गहलोत दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। बुधवार को सीएम गहलोत ने वडोदरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। सीएम गहलोत ने आज अहमदाबाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। गहलोत का आज शाम को जयपुर आने का कार्यक्रम है।

गहलोत बोले- भाजपा विधायक ने ही प्रश्नचिन्ह लगाया है

सीएम गहलोत ने कहा कि जांच चल रही है। इसलिए मैं कमेंट नहीं कर पाऊंगा। जालौर के दोनों एमएलए एक कांग्रेस का एक्स एमएलए और दूसरा भाजपा का वर्तमान एमएलए है। भाजपा का एमएलए प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। पानी पीने वाली नेशनल डिबेट बन गई है कि मटके में पानी पीने नहीं दिया गया। वहां का भाजपा विधायक ही उस पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। आप समझ सकते हैं। एक बार इश्यू जो बन जाता है। आज आईटी का जमाना है। तुरंत वायरल हो जाता है। नेशनल मीडिया हो या लोकल मीडिया चलता रहता है। सीएम गहलोत ने कहा कि कल मैंने अहमदाबाद आने से पहले एडीजी क्राइम जो अनुसूचित जाति के है।

तिरंगे में लिपटकर आए शहीद को विदाई

प्रेग्नेंट पत्नी ने पति की मूंछों पर दिया ताव; सुभाष अमर रहे....से गूंजा श्मशान

सीकर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में शहीद हुए सीकर के कॉन्स्टेबल सुभाष चंद्र बैरवाल का उनके पैतृक गांव शाहपुरा में अंतिम संस्कार कर दिया गया। जवान को श्रद्धांजलि व अंतिम विदाई देने के लिए बारिश के बीच भी हजारों लोग जुटे। आईटीबीपी कॉन्स्टेबल सुभाष को उनके छोटे भाई मुकेश ने मुखाग्नि दी।

इससे पहले पार्थिव देह जैसे ही उनके घर पहुंची तो परिवार बेदम हो गया। घर में चीख-पुकार मच गई। वहां मौजूद लोगों को समझ ही नहीं आया कि बुजुर्ग मां-बाप और आठ माह की प्रेग्नेंट पत्नी को कैसे संभालें। तिरंगे में लिपटकर आए अपने भाई को देखकर छोटे भाई-बहन के आंसू नहीं रुक पाए। पत्नी ने आखिरी दर्शन करते समय गर्व से पति के मूंछों पर ताव दिया। उन्हें सैल्यूट किया...।

इसके बाद गांव की गलियों से जब शहीद की अंतिम यात्रा निकली तो बच्चा-बच्चा रो उठा। अंतिम दर्शनों के लिए जुटे हजारों लोगों की आंखें भी भर आईं। सुभाष अमर रहे, भारत माता की जय... जैसे नारों से पूरा गांव गूंज उठा।

इस्कॉन कुक्कटपल्ली आज मनाएगा कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव इस्कॉन कुक्कटपल्ली के तत्वाधान में शुक्रवार 19 अगस्त को मनाया जाएगा। इस उपलक्ष में प्रातः 5:00 बजे से धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

भगवान की विशेष श्रृंगार झांकी प्रातः 9:00 से प्रारंभ होगी भक्तों के विशेष आग्रह को देखकर भगवान के दर्शनों की व्यवस्था विशेष पंडाल में की गई है जो के समीप ही बनाया जाएगा। इस परम पवित्र दिन में भगवान के दर्शनों का बड़ा ही महत्व है अतः सभी भक्तों गणों के लिए प्रातः 9:00 बजे से मध्य रात्रि तक भगवान के विशेष श्रृंगार दर्शन रहेंगे। यह पूर्णता निशुल्क रहेगा सभी भक्तगण भगवान के दर्शनों एवं प्रसाद का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। भक्तों की टोलियां अत्यंत मधुर कीर्तन एवं आकर्षक नृत्य प्रस्तुत करेंगी दोपहर के 2 से 4 तक श्री कृष्ण फैंसी ड्रेस कंपटीशन का आयोजन किया गया है इसके अंतर्गत माता पिता अपने 6 वर्ष तक के बालक बालिकाओं को भगवान श्रीकृष्ण या राधिका के वेश में ला सकते हैं। इसके लिए पंजीकरण अनिवार्य है जो पूर्णता निशुल्क है। सभी प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया जाएगा। संध्या 9 बजे तक भगवान की विशेष अर्चना संपन्न की जाएगी रात्रि 10 बजे भगवान का महा अभिषेक किया जाएगा इसके पश्चात भगवान श्री कृष्ण की मधुर लीलाओं की चर्चा की जाएगी।

रात्रि 12 बजे भगवान की महा आरती संपन्न होगी इस उपलक्ष में भक्त गणों का हार्दिक स्वागत है यह जानकारी प्रेस क्लब में आयोजित एक मीटिंग में वाणी माता जी एवं रोमा माताजी ने प्रदान की। सभी भक्तों के लिए अत्यंत स्वादिष्ट भोजन महाप्रसाद की व्यवस्था मध्य रात्रि को उत्सव के पश्चात की गई है। 20 अगस्त शनिवार को संध्या 5 बजे से मंदिर के प्रांगण में कृष्ण कृपा मूर्ति श्रील ऐ सी भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद जी के जन्मदिन को व्यास पूजा के रूप में मनाया जाएगा इस अवसर पर श्रील प्रभुपाद जी का अभिषेक इसके पश्चात श्रील प्रभुपाद जी के जीवन के प्रेरणादायक प्रसंग ओं का भक्तगण गुणगान करेंगे तत्पश्चात पुष्पांजलि महा आरती एवं सभी भक्तों गणों के लिए स्वादिष्ट महाप्रसाद भोजन की व्यवस्था की गई है सभी भक्तगण इसे व्यक्तिगत निमंत्रण मानकर अवश्य दोनों कार्यक्रमों में उपस्थित हो ऐसा निवेदन मंदिर के अध्यक्ष श्रीमान महा श्रृंग दास ने किया।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव की तैयारी के संदर्भ में मीडिया को जानकारी देते हुए इस्कॉन कुक्कटपल्ली की वाणी माताजी एवं रोमा माताजी।

मेक इन इंडिया पहल से उद्योग की गुणवत्ता जागरूकता बढ़ी : जयेश रंजन

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के प्रमुख सचिव, उद्योग और वाणिज्य (आई एंड सी) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग जयेश रंजन ने हैदराबाद इंटरनेशनल मशीन टूल एंड इंजीनियरिंग एक्सपो (एचआईएमटीईएक्स) और इंडिया प्रोसेस एक्सपो एंड कॉन्फ्रेंस के छठे संस्करण का उद्घाटन (आईपीईसी) हाईटेक्स में किया। इस अवसर पर बोलते हुए, जयेश रंजन ने मशीन टूल्स निर्माताओं को बताया कि चीन से मुकाबला करने का यही एकमात्र तरीका है। उन्होंने कहा कि चीन सस्ते और कम लागत वाले उत्पाद बनाने के लिए जाना जाता है। भारत सरकार द्वारा मेक इन इंडिया पहल शुरू करने के बाद, उद्योग की गुणवत्ता जागरूकता बढ़ी है।

सुभाष बोस ने दी थी आज़ादी आंदोलन को मजबूती : प्रेम कुमार

हिंदी प्रचार सभा ने मनाया सुभाषचंद्र बोस का बलिदान दिवस

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद में सुभाषचंद्र बोस की 77वीं पुण्यतिथि पर बलिदान दिवस मनाया गया। दूसरे विश्व युद्ध के समय 18 अगस्त, 1945 को उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। यह दुर्घटना जापान अधिकृत फोर्मोसा (वर्तमान ताइवान) में हुई थी। इस संदर्भ में सभा के प्रधानमंत्री जे. प्रेम कुमार ने सुभाषचंद्र बोस के चित्र को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि सुभाषचंद्र बोस ने भारतीय प्रशासनिक सेवा को बीच में ही छोड़कर देश के बाहर जाकर आज़ादी के आंदोलन को मजबूती दी। उन्होंने आजाद हिंदी फौज, आजाद हिंद सरकार और बैंक की स्थापना की और देश के बाहर हिंदुस्तान की आज़ादी के लिए अन्य देशों से समर्थन हासिल किया। इस अवसर पर सभा के कार्यालय मंत्री के. वेंकटेश्वर, रजिस्ट्रार नामदेव वाघमोडे, सी. शिवलिंगम, माया पाण्डेय, भानुदास पुजारे, प्रतिभा कुलकर्णी, विनोद रेड्डी, जी. आर. नरसिंग, सुशांत आदि उपस्थित थे।

अत्तापुर स्थित भरतनगर एसोशिएशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में प्रजापति समाज ट्रस्ट के नवनिर्वाचित चैयरमैन पप्पुलाल रांवरिया, अध्यक्ष तेजाराम बेतेडिया का सम्मान करते हुए चिमनाराम मुंदियाड़ा, हणुतराम खोखर, घनश्याम शर्मा, कैलाश, पवनकुमार अग्रवाल, घनश्याम रांकावत, मोतीलाल रांवरिया, बाबुलाल जोशी, मूलचन्द, अशोक, पन्नालाल, लक्ष्मीकान्त, महावीर शर्मा व अन्य।

श्री सरदार सर्वाई पपन्ना गौड़ को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गोलकुंडा महाराज श्री सर्वाई पपन्ना गौड़ की 372वीं जयंती के अवसर पर शेरीलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी गज्जला योगानंद ने कुक्कटपल्ली लोनी के पूर्वी मेहराब में सर्वाई पपन्ना गौड़ की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में गज्जला योगानंद ने कहा कि एक साधारण मजदूर वर्ग के परिवार में जन्म लेने वाले और तेलंगाना की मर्दानगी दिखाने वाले नायक सरदार सर्वाई पपन्नागौड, जिन्होंने तेलंगाना की धरती पर 360 वर्षों तक मुगल अत्याचार का विरोध किया, शोषित और उत्पीड़ित लोगों को एकजुट किया और बहुजन राज्य का निर्माण किया और जिन्होंने रईसों और जागीरदारों से मुगल राजाओं को हराकर तेलंगाना के बच्चों की मर्दानगी दुनिया को दिखाई। कार्यक्रम में मणि भूषण, विवि नगर मंडल अध्यक्ष नरसिंह राव हैदरनगर मंडल अध्यक्ष नवीन गौड़, अक्षपल्ली श्रीनिवास गौड़, गौड़ा संघ के अध्यक्ष नरसिंह गौड़, यदयाह गौड़, गिरि गौड़, सत्यनारायण गौड़, प्रभाकर गौड़, बाबू गौड़, आनंद गौड़ और जगदीश गौड़, गौड़ा संघ के नेताओं, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया।

नराकास (कें.स.का.-1) की कोर कमेटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय त्वचा रोग यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद की अध्यक्षता में संचालित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (केंद्र सरकार के कार्यालय-1) की कोर कमीटी की बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक का शुभारंभ समिति की सदस्य सचिव डॉ. अर्जीना ज़बीन ने समिति के अध्यक्ष डॉ. अहमद मिन्हाजुद्दीन तथा सलाहकार डॉ. विष्णु भगवान के साथ ही अन्य सदस्य कार्यालयों के उपस्थित अधिकारियों तथा कर्मचारियों के स्वागत के साथ किया। तत्पश्चात उन्होंने बैठक के प्रयोजन के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि राजभाषा विभाग के दक्षिण क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय के सहायक निदेशक नरेंद्र सिंह मेहरा द्वारा समिति की पिछली बैठक में दिये गये सुझाव का पालन करते हुए समिति की गतिविधियों में सभी सदस्य कार्यालयों की सक्रिय सहभागिता बढाने और उनमें राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन में प्रभावशीलता लाने के लिए उप समितियों का गठन करने के उद्देश्य से इस बैठक का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों के बारे में हिन्दी में संक्षिप्त पॉवर पाइंट का प्रदर्शन किया। उन्होंने सभी सदस्य कार्यालयों से अपनी-अपनी गतिविधियों के बारे में इस तरह की प्रस्तुति तैयार कर नराकास को भेजने का भी अनुरोध किया। बैठक को संबोधित करते हुए समिति के सलाहकार डॉ. विष्णु भगवान ने सदस्य कार्यालयों को नराकास की बैठकों में, नराकास द्वारा आयोजित क्रियाकलापों में सक्रियतापूर्वक भाग लेने तथा आवश्यक दस्तावेजों के संकलन करने तथा उनका रिकार्ड रखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

अध्यक्ष के रूप में संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक और नराकास के अध्यक्ष डॉ. अहमद मिन्हाजुद्दीन ने सभी सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के दैनिक उपयोग में बढोतरी करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने यह भी कहा कि सभी हिन्दी अधिकारियों को अपने-अपने कार्यालयों में हर रोज हिन्दी में कामकाज सुनिश्चित करना चाहिए। डॉ. अहमद मिन्हाजुद्दीन ने नराकास की गतिविधियों में तेजी लाने और सभी सदस्य कार्यालयों की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से उपस्थित सदस्यों की सहमति से तीन विभिन्न समितियों का गठन किया। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के उप निदेशक (राजभाषा) एस. ए. शुकूर द्वारा किये गये धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव को भव्यरुप से मनाने के लिए विचार-विमर्श करते हुए अध्यक्ष मांगीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, नारायणलाल बर्फा, भंवरलाल काग, प्रेमकुमार पंवार, सम्मानित अतिथि भाजपा युवा नेता सुनिल सीरवी, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

वेलंकन्नी से पनवेल के लिए विशेष ट्रेन

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वेलंकन्नी महोत्सव-2022 के दौरान तीर्थयात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को साफ करने के लिए रेलवे वेलंकन्नी से पनवेल के लिए वन-वे स्पेशल चलाएगा। गुरुवार को यहां एक विज्ञप्ति के अनुसार, विशेष ट्रेन (संख्या 06032) 8 सितंबर को रात 11 बजे वेलंकन्नी से निकलेगी और 10 सितंबर को सुबह 10 बजे पहुंचेगी। यह विशेष ट्रेन नागपट्टिनम, तिरुवरुर, मयिलादुथुराई, चिदंबरम, विलुपुरम, चेन्नई एग्मोर, रेनिगुंटा, रजामपेटा, कडप्पा, येरागुटला, तदीपत्री, गुंतकल, अडोनी, रायचूर, वाडी, कलबुर्गी, सोलापुर, पुणे और कल्याण स्टेशनों पर रुकेगी। इन विशेष ट्रेनों में फर्स्ट एसी, एसी II टियर, स्लीपर और जनरल सेकेंड क्लास कोच शामिल होंगे।

पैराडाइस स्थित संतोष बैंक्वेट हॉल मे खेतेश्वर गौशाला अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित निम्बोल को आत्मधाम सेवा समिति बाड़वा के उपाध्यक्ष पद पर सर्वसहमति से मनोनित होने पर सम्मान करते हुए लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह निमाज, सोहनसिंह राजपुरोहित, गुलाबसिंह राजपुरोहित, मांगूसिंह राजपुरोहित, रामेश्वरसिंह देसलसर व अन्य।

श्री केसरीया कंवरजी महाराज का विशाल जागरण आज, हुई बैठक

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्री केसरीया कंवरजी महाराज का विशाल जागरण कल शुक्रवार, 19 अगस्त को मनाया जायेगा।

इस संदर्भ में, ऋषि श्रृंग भवन के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री केसरीया कंवरजी महाराज का विशाल जागरण ऋषि श्रृंग भवन पर कल शुक्रवार, 19 अगस्त के रात्रि 8.31 बजे से शुरू होगा। इसके चलते कन्हैय्यालाल पाण्डिया की अध्यक्षता में तत्संबंधित बैठक का आयोजन संबद्ध स्थानपर किया गया। जिसमें संयोजक मंडल के घनश्याम पाण्डिया ने उक्त जागरण से जुडी अबतक की गयी तैयारियों का ब्यौरा दिया तथा कहा कि, प्रतिवर्ष यह जागरण आकेली व लिलाम्बा परिवार द्वारा आयोजित की जाती है। उपरोक्त जागरण कार्यक्रम के शुभावसर पर मांगीलाल सीरवी मुख्य अतिथि होंगे एवं भजन सम्राट हरीकिशन श्रीमाली व विशाल श्रीमाली के मुखाग से भक्तगण भजनों का रसपान करेंगे। बैठक के समापन पर विजाप्रजाट पाण्डिया ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में सभी धर्मप्रेमी भाईयों से उपरोक्त जागरण में अधिकाधिक संख्या में पधारकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया।

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान मनाएगा जन्माष्टमी पर्व

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान (डी.जे.जे.एस.) द्वारा दो-दिवसीय श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव आयोजित किया जाएगा। कोविड-19 महामारी के दौरान जन्माष्टमी के लगातार दो वर्चुअल उत्सवों के बाद इस वर्ष अपने वार्षिक ऑन-ग्राउंड जन्माष्टमी आयोजन की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए, दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी द्वारा स्थापित व संचालित दिव्य ज्योति जाृति संस्थान 18 और 19 अगस्त को डीडीए ग्राउंड, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली में शाम 7 बजे से विशाल दो-दिवसीय श्री कृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम प्रस्तुत करने जा रहा है। इस विशेष सामाजिक-सांस्कृतिक-आध्यात्मिक कार्यक्रम का लाइव वेबस्ट्रीम 19अगस्त सायं 7:30 बजे यूट्यूब चैनल से विश्व भर में प्रसारित किया जाएगा।

छावनी खेल मैदान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह आयोजित

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। न्यू बोइनपल्ली यादव वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की 39वीं वर्षगांठ समारोह छावनी खेल मैदान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सुबह छह बजे सुप्रभातम से शुरू हुए इस पर्व में गोमाता पूजा व यज्ञ किया गया। शाम को श्रीकृष्ण के लिए विशेष पूजा भजन और कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस समारोह में बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पाना प्रताप व यादव संगम के प्रतिनिधि विनोद कुमार यादव, वेंकटेश यादव, विट्ठल राव यादव, संतोष कुमार यादव, अरुण कुमार यादव, पुल्या यादव, बी राजू यादव, दयानंद यादव, ओम प्रकाश यादव आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी का प्रतिमास आयोजित होने वाला कवि सम्मेलन साधना आश्रम, बेग़म बाज़ार, हैदराबाद में आश्रम के स्वामी आनंदपुरी जी महाराज के सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस कवि सम्मेलन में रामदास कृष्णा कामत और डॉ. एम. लक्ष्मणाचार्य विशेष अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित थे। भाग्यनगर कावड़ सेवा संघ के कोषाध्यक्ष और कवि चंपालाल बैद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और गीत चाँदनी के सह-कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने संचालन किया। उन्होंने गीत चाँदनी की बहुआयामी गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। कवियों ने आज़ादी के अमृत महोत्सव पर और राष्ट्र की रक्षा के निमित्त कविताओं का पाठ कर श्रोताओं से ख़ूब वाहवाही लूटी और एक समाँ-सा बाँध दिया। यह कवि सम्मेलन आश्रम के ब्रह्मलीन योगानंद महाराज की स्मृति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. एम. लक्ष्मणाचार्य द्वारा प्रस्तुत वंदना से हुआ। कवयित्री डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव और कवयित्री रत्नकला मिश्र ने अपनी मधुर वाणी से सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कविता पाठ करने वाले कवियों में सर्वश्री अनिल कुमार गुप्ता, विजय बाला स्याल, श्री पूनम जोधपुरी, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, सुधा ठाकुर, गोविंद अक्षय, सत्यनारायण काकड़ा, डॉ. एम. लक्ष्मणाचार्य, चंपालाल बैद, दुर्गाराज पटून, रामदास कृष्णा कामत, रत्नकला मिश्र आदि के नाम सम्मिलित हैं।

राजभाषा के क्षेत्र में ईसीआईएल निरंतर अग्रसर : रियर एडमिरल संजय चौबे

नराकास (उपक्रम) की निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) के उपक्रम हैदराबाद में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के तत्वावधान में 'निबंध लेखन' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रियर एडमिरल संजय चौबे (से.नि.) ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ए.वी. कॉलेज के हिंदी विभागगाध्यक्ष डॉ. शशिकांत मिश्र उपस्थित थे। श्री समीर मुखर्जी, निदेशक (कार्मिक) ने अपने स्वागत भाषण में अध्यक्ष, मुख्य अतिथि तथा विभिन्न उपक्रमों से आए हुए प्रतिभागियों का हार्दिक अभिनंदन किया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने राजभाषा हिन्दी के महत्व के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डालते हुए समस्त प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में सफलता की शुभकामनाएं दी।

उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में सहभागिता करना ही विजय की ओर प्रथम प्रस्थान बिन्दु है। मुख्य अतिथि डॉ. शशिकांत मिश्र ने राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में ईसीआईएल के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ईसीआईएल गौरव ने अखिल भारतीय स्तर पर अपना स्थान बनाया है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इस प्रकार की उत्कृष्ट तकनीकी पत्रिका का देश के विश्वविद्यालय, महाविद्यालय तथा ग्रामीण विद्यालयों तक प्रचार-प्रसार होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन ईसीआईएल के वरिष्ठ. अधिकारी (राजभाषा) एवं प्रभारी, राजभाषा अनुभाग डॉ. राजनारायण अवस्थी ने किया। प्रतियोगिता में नगरद्वय स्थित विभिन्न राष्ट्रीय उपक्रों के वरिष्ठ प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, इंजीनियर ने कार्यक्रम में सहभागिता की। समारोह में डॉ. नरसिंहम शिवकोटि, सहायक प्रबंधक, बीडीएल; मंगल स्वरूप त्रिवेदी, प्रबंधक, बीएचईएल, आरसी पुरम, अनिल मलहदियार, वरि. राजभाषा अधिकारी, न्यू इंडिया एंश्योरेंश कंपनी जितेन्द्र साह, हिन्दी अधिकारी, आईओसीएल कार्यक्रम के सफल आयोजन में आर. चंद्रकला, तकनीकी प्रबंधक, अव्यक्ता, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, चिप्पाड़ा अंबेडकर, कनका श्री महालक्ष्मी, देवश्री मोदक, कनि. अनुवादक (राजभाषा) तथा अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक ने महत्वपूर्ण सहयोग किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

सुभाष चंद्र बोस ...

इसलिए जल्द ही डीएनए परीक्षण का अनुरोध करूंगी। इस बारे में औपचारिक रूप से भारत सरकार से संपर्क करूंगी। इसके बाद मैं केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया का इंतजार करूंगी। इसके बाद यदि मुझे मुझे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो मैं जापानी सरकार से संपर्क करूंगी। इसमें मदद के लिए मैं तैयार हूं।

कांग्रेस काल में कोई जवाब नहीं मिला

वर्तमान में जर्मनी रह रहीं अनिता बोस फाफ ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब उन्होंने डीएनए परीक्षण के लिए भारत सरकार से संपर्क किया था, लेकिन कभी कोई जवाब नहीं मिला। इस बार, मैं ज्यादा देर नहीं करूंगी। कोरोना महामारी के कारण पहले ही मामले में दो साल की देरी हो चुकी है।

भाजपा सरकार कर रही विरासत का सम्मान, अस्थियां भारत लाई जाएं

बोस ने कहा कि शुरुआत में जापानी सरकार ने राख को रखने का फैसला किया था, क्योंकि उसे लगा कि ये कुछ महीनों के लिए यहां रखी जाएंगी, लेकिन 77 साल बीत गए हैं। जर्मनी से फोन पर चर्चा में बोस ने कहा कि वह किसी का नाम नहीं लेना चाहती हैं, लेकिन यह सच है कि नेताजी के जीवन को लेकर राजनीतिक अभियान चलाकर राजनीतिक लाभ के लिए रहस्य का कायम रखा गया। वर्तमान में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार नेताजी की विरासत का सम्मान कर रही है। लेकिन, सरकार खुद इस मामले में पहल क्यों नहीं कर रही है? मेरी पहल का इंतजार क्यों कर रही है। उन्होंने कहा कि इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि नेताजी का निधन विमान हादसे में हुआ, लेकिन मैं चाहती हूं कि उनकी अस्थियां भारत लाई जाएं।

अनिता बोस ने कहा कि नई तकनीकों के जरिए डीएनए परीक्षण से उन लोगों का संदेह दूर हो सकता है कि नेताजी की मृत्यु 18 अगस्त, 1945 को विमान हादसे में हुई थी या नहीं। डीएनए टेस्ट वैज्ञानिक प्रमाण प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है।

नूपुर को जिंदा ...

इनमें 8 ऐसे लोग सामने आए हैं, जो लगातार फोन और ऑनलाइन नेटवर्क से इनके संपर्क में थे। इनकी धरपकड़ के लिए यूपी एटीएस अन्य सुरक्षा एजेंसियों की मदद ले रही है। एटीएस की साइबर एक्सपर्ट की टीम जैश-ए-मोहम्मद के एटीएस में फैले नेटवर्क को तोड़ने में जुटी है। एटीएस हबीबुल और नदीम के ऑनलाइन नेटवर्क का खुलासा कर उससे जुड़े लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

3 टीम कर रही पूछताछ, केंद्रीय एजेंसियां भी शामिल

नदीम, हबीबुल और सबाउद्दीन से कस्टडी रिमांड पर पूछताछ के लिए 3 टीम बनाई गई हैं। पैटर्न कुछ ऐसा है कि पहले अलग-अलग, फिर आमने-सामने लाकर पूछताछ होनी है। इसमें अन्य राज्यों की सुरक्षा एजेंसी के साथ केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां भी शामिल हैं। एनआईए को भी जांच शिफ्ट हो सकती है, क्योंकि ये मामला देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है।

आतंकी बोले- देश में अपनी हुकूमत कायम करेंगे

एक अफसर ने कहा, ''नदीम और हबीबुल ने फिदायीन हमले की ऑनलाइन ट्रेनिंग ली है। अब देश के कई राज्यों में अपना नेटवर्क फैलाने पर काम कर रहे थे। नदीम और हबीबुल पूछताछ में लगातार भाजपा प्रवक्ता नूपुर के बयान को गलत और उनको काफिर बताते रहे हैं। पूछताछ में इन लोगों ने कहा, 'हम लोग अपने धर्म के हिसाब से चल रहे हैं। जो दीन में कहा गया, वही कर रहे हैं। देश में अपनी हुकूमत कायम करेंगे।' उन्होंने आतंक की राह से इस्लाम को बढ़ाने की बात कही।

जो दीन के खिलाफ बोलेगा, वो हमारा टारगेट

सहारनपुर से गिरफ्तार नदीम ने पूछताछ में कहा, "भाजपा प्रवक्ता नूपुर का बयान धर्म को अपमानित करने वाला था। जिसका बदला लेना जरूरी है। इसलिए फिदायीन हमले की तैयारी कर रहे थे। उसने हबीबुल से ऑनलाइन संपर्क होने की बात कबूल की। एटीएस उनके पाकिस्तान और अफगानिस्तान जाने के बिंदु की पड़ताल कर रही है। हालांकि, अभी तक उनके विदेश जाने के साक्ष्य नहीं मिले हैं।

राजू श्रीवास्तव की ...

उसे लगाने के बाद से राजू की तबियत बिगड़ी है। हालांकि डॉक्टर अपनी तरफ से पूरा प्रयास कर रहे हैं। 10 अगस्त 2022 को राजू श्रीवास्तव को हार्ट अटैक आया था। इसके बाद दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया। उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। मगर वे अभी तक होश में नहीं आए हैं। 4 दिन पहले सिंगर कैलाश खेर ने भी राजू श्रीवास्तव के लिए 21 संतों से मृत्युंजय जाप कराने के लिए कहा था। परिवार अब धार्मिक आस्थाओं के साथ राजू की अच्छी सेहत के लिए प्रयास कर रहा है। पुजारी धर्मेंद्र कृष्णा के अनुसार,"महामृत्युंजय मंत्र के जाप से शिव की कृपा मिलती है। इस मंत्र का जाप अकाल मृत्यु से बचाता है। अमिताभ बच्चन की सेहत के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर में मृत्युंजय जाप किया गया था। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के लिए भी उज्जैन में हाल ही में मृत्युंजय जप करवाया गया था।

टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को 10 विकेट से हराया

धवन और शुभमन गिल की शानदार फिफ्टी, गेंदबाजी में अक्षर, दीपक और कृष्णा को 3-3 विकेट

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को एकतरफा अंदाज में 10 विकेट से हरा दिया। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने जिम्बाब्वे को 40.3 ओवर में 189 रन के स्कोर पर ऑलआउट कर दिया। दीपक चाहर, प्रसिद्ध कृष्णा और अक्षर पटेल ने तीन-तीन विकेट लिए। इसके बाद ओपनर्स शिखर धवन (81) और शुभमन गिल (82) के अर्धशतकों के दम पर 30.5 ओवर में बिना विकेट खोए टारगेट हासिल कर लिया।

धवन ने 38वीं और गिल ने तीसरी हाफ सेंचुरी जमाई

शिखर धवन ने वनडे करियर की 38वीं फिफ्टी जमाई। उन्होंने अपनी पारी में 113 गेंदों का सामना किया और 9 चौके जमाए। वहीं, शुभमन गिल ने वनडे करियर की तीसरी फिफ्टी जमाई। उन्होंने 72 गेंदों का सामना करते हुए 10 चौके और 1 छक्का जमाया।

अक्षर, दीपक और प्रसिद्ध के सामने जिम्बाब्वे ढेर

भारत के लिए प्रसिद्ध कृष्णा, दीपक चाहर और अक्षर पटेल ने 3-3 विकेट लिए। वहीं, मोहम्मद सिराज को 1 विकेट मिला। जिम्बाब्वे के लिए सबसे ज्यादा रन कप्तान रेजिस चकाब्वा ने बनाए। उन्होंने 35 रनों की पारी खेली। वहीं, ब्रैड एवंस और रिचर्ड नगरावा ने भी जिम्बाब्वे के लिए अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 9वें विकेट के लिए 65 गेंद में 70 रन जोड़े।

जिम्बाब्वे को लगे शुरुआती झटके

सातवें ओवर की चौथी गेंद पर इनोसेंट काइया को दीपक चाहर ने विकेटकीपर संजू सैमसन के हाथों कैच कराया। इसके बाद उन्होंने नौवें ओवर की पहली गेंद पर तड़िवानाशे मारुमनी को भी कॉट बिहाइंड करा दिया। मोहम्मद सिराज ने शॉन विलियम्स का विकेट लिया।

6 साल बाद दोनों टीमें आमने-सामने थी

6 साल बाद दोनों टीमें एक दूसरे के खिलाफ भिड़ रही थी। इससे पहले 15 जून 2016 को दोनों टीमों के बीच मुकाबला खेला गया था। भारतीय टीम दौरे पर बिना अपने सीनियर खिलाड़ियों के गई हैं। वहीं, सीरीज शुरू होने से कुछ ही दिन पहले बड़ा बदलाव करते हुए शिखर धवन की जगह केएल राहुल को कप्तान बनाया गया है। ऐसे में इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का मौका है। शुभमन गिल ने अपनी पारी से ये दिखाया भी की युवा खिलाड़ी इस सीरीज में कमाल करने वाले हैं।

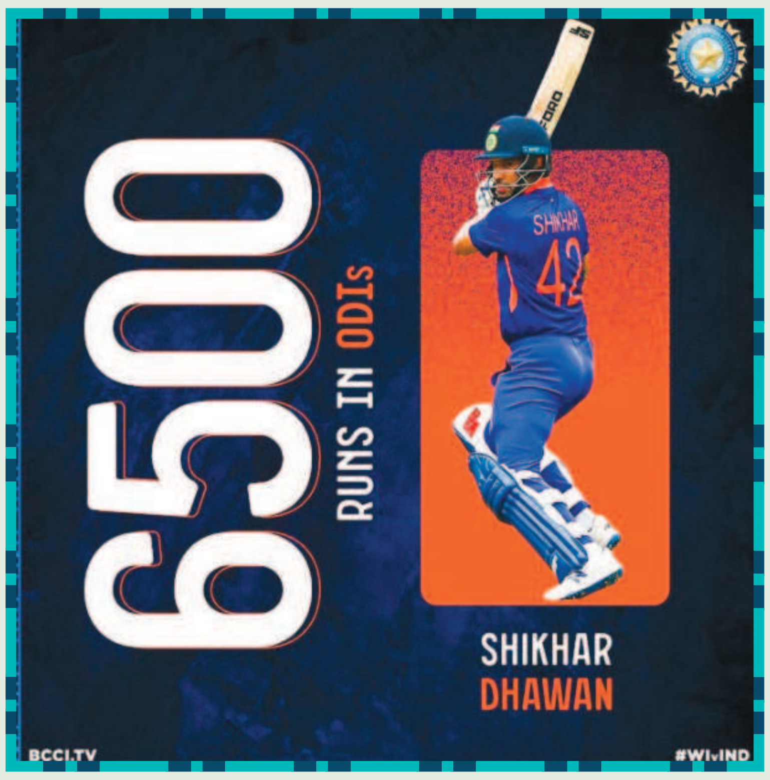

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारतः केएल राहुल (कप्तान), शिखर धवन, शुभमन गिल, ईशान किशन, संजू सैमसन (विकेटकीपर), दीपक हुड्डा, अक्षर पटेल, दीपक चाहर, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज

जिम्बाब्वेः तड़िवानाशे मारुमनी, इनोसेंट काइया, शॉन विलियम्स, वेस्ले मधेवीरे, सिकंदर रजा, रेजिस चकाब्वा (कप्तान और विकेटकीपर), रायन बर्ल, ल्यूक जॉन्गवे, ब्रैड एवंस, विक्टर न्याउची, रिचर्ड नगरावा

25 साल से नहीं हारी टीम इंडिया

भारत 1997 के बाद से अब तक जिम्बाब्वे में एक भी सीरीज नहीं हारा है। इस दौरान उसने चार बार मेजबान टीम को हराया है। 1998 में भारत टीम तीसरी बार जिम्बाब्वे गई थी। तब उसने तीन मैचों की सीरीज को 2-1 से अपने नाम कर लिया था। इसके बाद भारतीय टीम 2013 में जिम्बाब्वे गई थी।

आईओए कमेटी मामले में सुप्रीम कोर्ट का स्टे

ओलिंपिक महासंघ ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ त्वरित सुनवाई की मांग की थी

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय ओलिंपिक महासंघ विवाद पर दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी है जिसमें आईओए का संचालन प्रशासकों की समिति (सीओए) को सौंपने के आदेश दिए गए थे। ऐसे में कमेटी कोई फैसला नहीं ले सकेगी।

भारत के चीफ जस्टिस एनवी रमना और जस्टिस सीटी रविकुमार की पीठ ने भारतीय ओलंपिक संघ की तुरंत सुनवाई की मांग पर आदेश पारित किया। पीठ को बताया गया कि कमेटी को अभी आईओए का कार्यभार लेना है। ऐसे में उच्चतम न्यायालय ने यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट पर अब सोमवार को इस मामले की सुनवाई करेगा।

22 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- यह संवेदनशील राष्ट्रीय मामला है, क्योंकि इंटरनेशनल लेवल पर सीओए की नियुक्ति को बाहरी हस्तक्षेप के तौर पर देखा जाएगा। ऐसे में आईओए को बैन किया जा सकता है। मेहता ने फीफा द्वारा भारतीय फुटबॉल महासंघ के निलंबन का उदाहरण भी दिया।

हाई कोर्ट ने गठित की थी समिति

दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को आईओए के मामलों को संभालने के लिए प्रशासकों की तीन सदस्यीय समिति (सीओए) के गठन का निर्देश दिया था और उसे आईओए के संचालन की जिम्मेदारी सौंपी थी। समिति में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज अनिल आर दवे, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ. एस.वाई. कुरैशी और विदेश मंत्रालय के पूर्व सचिव विकास स्वरूप शामिल थे।

हाई कोर्ट ने असलम शेर खान की याचिका पर आईओए के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा की हॉकी इंडिया अजीवन अध्यक्षता बर्खास्त कर दी थी। ऐसे में उन्हें आईओए अध्यक्ष और एफआईएच अध्यक्ष के पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले शोएब अख्तर ने पंत को दी खास सलाह

कहा- उन्हें कोई और नहीं रोक सकता

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप 2022 शुरू होने का क्रिकेट फैंस को बेसब्री से इंतज़ार है। क्रिकेट टूर्नामेंट का 15वां संस्करण इस बार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाना है। 27 अगस्त से शुरू होने वाली इस चैंपियनशिप में भारत का पहला मुकाबला 28 अगस्त को अपने चिरप्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ होगा। खास बात यह है कि इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक जैसे दो विकेटकीपर-बल्लेबाज शामिल हैं। ऐसे में कई विशेषज्ञों और पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि भारत को टीम में अधिक संतुलन जोड़ने के लिए, ऋषभ और दिनेश में से किसी एक को चुनना होगा। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने ऋषभ को लेकर एक खास सलाह दी है।

स्टार स्पोर्ट्स ने अपने एक पोस्ट में लिखा है, शोएब ने पंत के लिए कुछ खास सलाह दी है! जब भारत-पाकिस्तान फिर से शुरू होगा, तो क्या ऋषभ पंत गेम-चेंजर साबित होंगे? वहीं, इस पोस्ट में शोएब ने लिखा, आने वाले समय में ऋषभ पंत सुपरस्टार बनने वाले हैं। यदि उन्हें कोई रोक सकेगा, तो सिर्फ पंत यानी वे खुद ही रोक सकेंगे। एशिया कप के लिए टीमें इस प्रकार हैः

टीम इंडियाः

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, रविचंद्रन अश्विन, अर्शदीप सिंह, अवेश खान, दीपक हुड्डा, युजवेंद्र चहल, रवींद्र जडेजा, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, रवि बिश्नोई।

अतिरिक्त खिलाड़ी : श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, दीपक चाहर

पाकिस्तान टीमः

बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, फखर जमान, शादाब खान, आसिफ अली, हैदर अली, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, खुशदिल शाह, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी, शाहनवाज दहानी, उस्मान कादिर।

दिनेश कार्तिक का पूर्व कोच को लेकर बड़ा खुलासा

कहा- नाकामी बर्दाश्त नहीं कर पाते थे शास्त्री

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट में भारतीय टीम का मुख्य हथियार होंगे। टीम इंडिया में उन्हें फीनिशर का अहम रोल दिया गया है। सिर्फ एशिया कप नहीं कार्तिक को टी-20 वर्ल्ड कप तक भारतीय टीम के प्लान का अहम हिस्सा हैं। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 28 अगस्त को पाकिस्तान के खिलाफ करेगा।

इससे पहले कार्तिक ने पूर्व कोच रवि शास्त्री को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री खिलाड़ियों को खास उपलब्धियां अर्जित करने के लिए प्रेरित करते थे, लेकिन नाकामी बर्दाश्त नहीं कर पाते थे। शास्त्री और कोहली का कार्यकाल भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा रहा, लेकिन अक्सर दोनों की खराब दौर से जूझ रहे खिलाड़ियों के साथ खड़े नहीं होने के लिए आलोचना होती रही है।

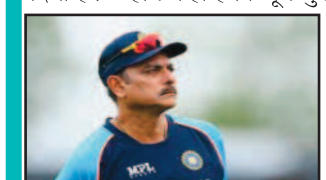

कार्तिक ने एक कार्यक्रम में कहा- शास्त्री को ऐसे लोग पसंद नहीं थे जो एक निश्चित तेजी से बल्लेबाजी नहीं कर पाते थे या नेट पर कुछ और करते थे और मैच में कुछ और। उन्हें पता था कि टीम से क्या चाहिए। वह नाकामी बर्दाश्त नहीं कर पाते थे। वह हमेशा सभी को अच्छा खेलने के लिए प्रेरित करते थे।

37 वर्ष के कार्तिक ने कहा कि वह रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ के इस दौर में अधिक सुकून महसूस कर रहे हैं। दरअसल, रवि शास्त्री ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की नाकामी के बाद कोचिंग पद से इस्तीफा दे दिया था। उनकी और विराट कोहली की जोड़ी ने टेस्ट में भारत को नंबर एक टीम बनाया था। हालांकि, इन दोनों के रहते भारतीय टीम कभी कोई आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत सकी।

युजवेंद्र की पत्नी धनश्री ने चहल सरनेम हटाया

इंडियन स्पिनर की पोस्ट- हमारे रिलेशन पर चल रही अफवाहों पर ध्यान ना दें

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल और उनकी कोरियोग्राफर पत्नी धनश्री चर्चा में बने हैं। दरअसल, अपने सोशल मीडिया हैंडल से धनश्री ने चहल सरनेम नाम हटा लिया है। इसे देख कयास लगाए जा रहे हैं कि कपल के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है।

शादी के बाद धनश्री वर्मा ने अपने नाम में युजवेंद्र का सरनेम जोड़ा था। हालांकि, धनश्री ने अपने अकाउंट से अभी तक युजवेंद्र के साथ शेयर की फोटोज नहीं हटाई हैं। इसके बाद गुरुवार शाम युजवेंद्र ने पोस्ट शेयर कर इस पूरी घटना को अफवाह बताया है।

उन्होंने लिखा- मेरी आप सभी से रिक्वेस्ट है कि आप लोग हमारे रिलेशनशिप को लेकर चल रही किसी भी प्रकार की झूठी खबरों पर ध्यान ना दें। इसे यहीं रोक दें। आप सभी को प्यार।

युजवेंद्र ने शेयर किया नोट

धनश्री के नाम हटाते ही युजवेंद्र ने भी एक नोट शेयर किया है। इसमें लिखा है- न्यू लाइफ लोडिंग। हमेशा सोशल मीडिया पर प्यार भरे मोमेंट्स शेयर करने वाले इस कपल के ऐसे रिएक्शन देखकर फैंस भी हैरान हैं।

ऑनलाइन क्लास से शुरू हुई दोस्ती

युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा ऑनलाइन क्लास के दौरान एक-दूसरे से पहली बार मिले थे। चहल ने डांस सीखने के लिए धनश्री की क्लास में एडमिशन लिया और यहीं से दोनों की लव स्टोरी शुरू हुई। महज 3 महीने तक रिलेशनशिप में रहने के बाद इस कपल ने शादी करने का फैसला कर लिया।

शर्मा के बचाव में आए पूर्व भारतीय कप्तान

गांगुली बोले- धोनी और कोहली से तुलना करने से पहले रोहित को टाइम दें

कोलकाता, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बीसीसीआई चीफ सौरव गांगुली ने रोहित शर्मा का बचाव किया है। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा है- 'एमएस धोनी और विराट कोहली से तुलना करने से पहले हमें रोहित शर्मा को टाइम देना चाहिए। ताकि वे रिजल्ट दे सकें।

50 साल के इस पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने रोहित शर्मा को धैर्य से काम लेने वाला कप्तान बताया। वे मुंबई इंडियंस के लिए रिकॉर्ड 5 आईपीएल खिताब जीतने वाले रोहित से प्रभावित हैं।

बता दें कि टीम इंडिया ने 2021 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद 7 कप्तान बदले हैं।

धोनी, कोहली, शर्मा में कौन बेहतर कप्तान...?

'धोनी, कोहली, शर्मा में कौन बेहतर कप्तान' इस सवाल के जवाब में गांगुली ने कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कुछ महान कप्तान दिए हैं। हर व्यक्ति अलग होता है, लेकिन जो मायने रखता है वह रिजल्ट है और आपके पास कितनी जीत और हार हैं। मैं कप्तानों की तुलना नहीं करता, हर किसी का नेतृत्व करने का अपना तरीका होता है।

एमएस धोनी : बदलाव के दौर में शानदार तरीके से टीम को संभाला और केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि अपनी फ्रेंचाइजी (चेन्नई सुपर किंग्स) के लिए भी सफलता हासिल की।

विराट कोहली : उनका रिकॉर्ड भी शानदार रहा। वह एक अलग तरह के कप्तान थे, उन्होंने चीजों को अलग तरह से किया।

रोहित शर्मा : थोड़े शांत हैं और चीजों को धैर्यपूर्ण व सतर्क तरीके से लेते हैं, न कि कोई ऐसा जो काफी आक्रामक हो।

वर्ल्ड कप फाइनल की हार पर बोले- मैं पीछे मुड़कर नहीं देखता

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2003 विश्व कप फाइनल में पहले गेंदबाजी करने के फैसले पर गांगुली ने कहा- 'मैं पीछे मुड़कर नहीं देखता। मैं निराश था कि मैं फाइनल हार गया, लेकिन मुझे नहीं लगता कि टॉस फाइनल हारने का कारण था। हम अच्छा नहीं खेले।'

वनडे प्रारूप पर संकट के सवाल पर भड़के रोहित शर्मा

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले कुछ महीनों में वनडे क्रिकेट को खत्म करने को लेकर कई बयान सामने आए। कई पूर्व दिग्गज क्रिकेटरों और एक्सपर्ट्स ने इस मुद्दे पर अपनी-अपनी राय दी है। कुछ का मानना है कि वनडे आने वाले वर्षों में खत्म हो जाएगा। वहीं, कुछ का मानना है कि यह क्रिकेट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और आलोचनाओं के बावजूद इस फॉर्मेट पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

हाल ही में इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने वर्क लोड मैनेजमेंट का हवाला देते हुए वनडे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। इसके बाद से ही इसको लेकर बहस शुरू हुई थी। हालांकि, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का मानना कुछ अलग है। उन्होंने वनडे को लेकर चल रही बहस को खारिज किया और कहा कि यह सब बेकार की बाते हैं।

रोहित ने एक स्पोर्ट्स वियर ब्रांड द्वारा आयोजित इवेंट में कहा- मेरा नाम ही वनडे क्रिकेट से बना है। इसलिए ये बातें बेवजह हैं। लोग पहले टेस्ट क्रिकेट को लेकर ऐसी बातें करते थे। अब वनडे को लेकर ऐसी बातें कह रहे हैं। मेरे लिए क्रिकेट महत्वपूर्ण है, चाहे वह कोई सा भी प्रारूप हो। मैं कभी यह नहीं कहूंगा कि वनडे खत्म हो रहा है या टी-20 खत्म हो रहा है या टेस्ट खत्म हो रहा है।

रोहित ने कहा- क्रिकेट का कोई और प्रारूप भी होता तो वह भी मैं खेलता, क्योंकि मेरे लिए क्रिकेट महत्वपूर्ण है। बचपन से ही मैंने भारत के लिए क्रिकेट खेलने का सपना देखा था। जब भी हम वनडे खेलते हैं तब स्टेडियम खचाखच भरा होता है। ऐसे में उत्साह बना रहता है। अब हर किसी की एक पसंद है कि वह कौन सा प्रारूप खेलना चाहता है, लेकिन मेरे लिए तीनों फॉर्मेट महत्वपूर्ण हैं।

रोहित ने कहा कि वह कभी भी देश के लिए खेलने को किसी भी लीग पर तरजीह देंगे। उन्होंने कहा- मुझे नहीं पता कि लोग अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट या लीग किसे ज्यादा तरजीह देते हैंस लेकिन मुझे व्यक्तिगत तौर पर देश के लिए खेलना ज्यादा पसंद है। आने वाले समय में पता चलेगा कि कौन सा खिलाड़ी क्या पसंद करता है। भारतीय क्रिकेट में अब भी खिलाड़ी देश को तरजीह देते हैं। इसके अलावा हम आईपीएल खेलते हैं।

रोहित ने कहा- टीम इंडिया में युवा खिलाड़ियों को मौका मिलता रहा है और उन्हें एक्सपोजर मिल रहा है। हमारा उद्देश्य बेंच स्ट्रेंथ को मजबूत करना रहा है। जिम्बाब्वे में भी बहुत से नए खिलाड़ी गए हैं। चाहे वह शाहबाज अहमद हो या राहुल त्रिपाठी। यह युवा क्रिकेटरों के लिए एक अच्छा मौका है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जीवन त्याग से ओतप्रोत : सीएस

सीएम के निर्देश पर स्कूली बच्चों को दिखा जा रही है गांधी फिल्म

महानगर हैदराबाद में गांधी फिल्म देखने के बाद छात्र-छात्राओं के साथ मुख्य सचिव सोमेश कुमार व अन्य अधिकारीगण।

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम केसीआर के निर्देश पर रज्य के लोगों खासकर बच्चों में राष्ट्रप्रेम जगाने के उद्देश्य से उन्हें महात्मा गांधी पर आधारित फिल्म दिखाई जा रही है। सीएम ने स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के तहत सभी विभा गसे भिन्न-भिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिये हैं। सीएम ने कहा अधिकारियों को कहा है कि, गांधी फिल्म के प्रदर्शन द्वारा स्वतंत्रता संग्राम, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों से अवगत कराएं। सीएम के अनुसार गांधी बायोपिक अथवा गांधी जीवनी पर बनी गांधी फिल्म देखकर सभी ने इसकी सराहना की है, क्योंकि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जीवन त्याग से ओतप्रोत रहा है। यह फिल्म, खासकर स्कूली छात्र-छात्राओं को यह फिल्म बहुत पसंद आयी है। सीएम ने आगे बताया कि, गांधी फिल्म जोकि राज्य के लगभग 552 सिनेमा थियेटरों में प्रदर्शित की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा हर दिन लगभग ढाई लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को गांधी फिल्म मुफ्त में दिखायी जा रही है। ताकि विद्यार्थीगण महात्मा गांधी की महानता के बारे में अवगत हो सके। राज्य में इस फिल्म को अबतक साढे बाईस लाख विद्यार्थीगण देख चुके हैं। यह फिल्म जोकि राज्य के असंख्य सिनेमा थियेटरों में 9 अगस्त से 11 अगस्त तथा 14 अगस्त से 21 अगस्त तक दिखाई जा रही है।

इसके चलते केसीआर ने मुख्य सचिव तेलंगाना सोमेश कुमार सहित अन्य अधिकारियों को निर्देश दिया कि, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जीवनी पर बनी इस फिल्म के प्रदर्शन द्वारा सभी विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम व स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों से अवगत कराएं। उन्होंने गांधी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि, महात्मा गांधी ने इंग्लंड में बैरिस्टर की पढाई कर दक्षिण आफ्रिका में वकील के रूप में कार्य किया। इस दौरान महात्मा गांधी ने यह महसूस किया कि, ब्रिटिश देश में जातिगत भेदभाव बहुत है। इसके चलते उन्होंने जातिगत भेदभाव पर अहिंसात्मक आंदोलन किया। उनका मानना था कि, अहिंसा से ही हर बृहत्तर कार्य पूर्ण होता है। इसके बाद महात्मा गांधी ने भारत देश पहुंचकर सत्य व अहिंसा के माध्यम से भारत को स्वतंत्र करने का बीडा उठाया तथा इस बारे सभी देशवासियों को अवगत किया एवं देश की स्वतंत्रता संग्राम के लिए कुशल नेतृत्व प्रदान किया। इस दौरान महात्मा गांधी ने कुल दो दशकों तक देश की स्वतंत्रता संग्राम में नेतृत्व प्रदान कर सभी जाति समुदायों, धर्मों के मध्य एकता लाने की भरसक कोशिश की एवं इस आकांक्षा के साथ अपनी अंतिम सांस ली। महात्मा गांधी का स्वर्गवास वर्ष 1948 में हुवा तथा वर्ष 1882 में महात्मा गांधी जीवनी पर अंग्रेजी में गांधी बायोपिक रीलीज की गयी तथा इस बायोपिक को अबतक कुल 350 मिलियन दर्शकों देखा है तथा इसकी बहुत तारीफ की है।

इस मामले में महान नेता मार्टिन लूथर किंग ने मानव अधिकारों के प्राप्ति के लिए महात्मा गांधी द्वारा अपनाये गये अहिंसा व सत्य सिद्धांतों की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। इस फिल्म को राज्य के कई थियेटरों में मार्निंग शो के दौरान हिंदी व अंग्रेजी भाषाओं में प्रदर्शित किया जा रहा है। साथ ही राज्य में 75 वें स्वतंत्रता दिन समारोह को हीरक जयंती के रूप में मनाया जा रहा है।

राज्य गठन के बाद तेलंगाना में हरित आवरण में वृद्धि : हरीश राव

मंत्री ने नर्सरी मेला का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने गुरुवार को यहां नेकलेस रोड पर 12वें ग्रैंड नर्सरी मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री हरीश राव ने कहा कि राज्य के गठन के बाद से तेलंगाना में हरित आवरण में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह हरिता हरम कार्यक्रम की सफलता है और इसका सारा श्रेय टीआरएस सरकार को जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वनों को पुनर्जीवित करने और राज्य में हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से हरिता हरम सहित विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए हैं। सरकार ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नर्सरी स्थापित की है और प्रत्येक नर्सरी और अन्य सुविधाओं के लिए एक ट्रैक्टर भी प्रदान किया है, जिसमें हर दिन अपना संचालन करने के लिए समर्पित कर्मचारी भी शामिल हैं। लोगों को मुफ्त में पौधे बांटे गए। इस प्रकार, राज्य सरकार के कड़े उपायों ने तेलंगाना में वन कवर बढ़ाने में मदद की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्य के गठन के बाद से तेलंगाना में 240 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं और राज्य में हरित आवरण 31.6 प्रतिशत तक पहुंच गया है। मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार का इस वर्ष लगभग 20 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है और विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत करके हरित आवरण को बढ़ाने के लिए सभी कदम उठा रही है। पांच दिवसीय मेले के दौरान, कुल 150 स्टालों को प्रदर्शित किया गया है और पूरे देश से नर्सरी कंपनियां कार्यक्रम में भाग ले रही हैं।

छात्रों को स्वतंत्रता सेनानियों के सर्वोच्च बलिदानों से सीखना चाहिए : भागवत

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नाचाराम में स्थिति एक निजी स्कूल में गुरुवार को एक विशेष 'स्वतंत्रता दिवस का डायमंड जुबली समारो' आयोजित किया गया। समारोह के दौरान स्कूल के छात्रों ने कई खूबसूरत भारतीय शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किए जो राष्ट्रीय अखंडता को दर्शाते हैं। छात्रों ने भारतीय मानचित्र के आकार की मानव श्रृंखला बनाई है, जिसमें राचकोंडा पुलिस के जवान इसका हिस्सा बन गए थे। राचकोंडा के सीपी महेश एम भागवत ने छात्रों को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता के महत्व को विस्तार से बताया। उन्होंने भारत को एक स्वतंत्र देश बनाने में हजारों स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और प्रयासों का उल्लेख किया। सीपी ने स्पष्ट किया है कि हमारे राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों का विशिष्ट महत्व है और कहा कि अशोक चक्र जो ध्वज के बीच में स्थित है, उसका भी विशेष महत्व है। सीपी ने कहा कि अशोक चक्र हमें सर्वोच्च नैतिकता, सर्वोच्च ज्ञान, आशा, प्रेम, साहस, धैर्य, मानवता, न्याय आदि जैसी महान चीजें सिखाता है। छात्रों को ऐसे महान गुणों को अपनाना चाहिए। इस अवसर पर अतिरिक्त डीसीपी शमीर, सीएआर, अंबरपेट, इंस्पेक्टर नाचाराम आदि उपस्थित रहे।

फ्रीडम कप खेलों से खिलाड़ियों में वज्रोत्सव की भावना विकसित होगी : विजयलक्ष्मी

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की महापौर विजयलक्ष्मी ने कहा कि फ्रीडम कप स्पोर्ट्स का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों में वज्रोत्सव की भावना विकसित करना है।

वे विक्ट्री प्लेग्राउंड में आयोजित स्वतंत्रता की हीरक जंयती के अवसर पर जीएचएमसी के तत्वावधान में 13 अगस्त 18 अगस्त तक आयोजित फ्रीडम कप स्पोर्ट्स टूर्नामेंट के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोगों को संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शहर के 11 खेल मैदानों में 13 खेलों का आयोजन किया गया और विभिन्न खेलों में 386 टीमों ने भाग लिया। जिसमें से 310 पुरुष टीमों और 76 महिला टीमों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि 16 से 35 वर्ष की आयु के युवक-युवतियों के लिए फ्रीडम कप खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। उन्होंने कहा कि कोचों द्वारा प्रशिक्षित खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न टूर्नामेंट जीते हैं। खेलों को बढ़ावा देने के लिए 86 करोड़ 5 लाख रुपए स्वीकृत किए जा चुके हैं। महापौर ने विक्ट्री प्लेग्राउंड में आयोजित वॉलीबॉल और बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान किए। वॉलीबॉल में आद्यनगर की टीम ने प्रथम, विजय प्लेग्राउंड की टीम ने द्वितीय व केशव मेमोरियल इंजीनियरिंग कॉलेज की टीम ने तृतीय पुरस्कार जीता।

सरदार सरवई पपन्ना गौड़ साहस के प्रतीक : केसीआर

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि सरदार सरवई पपन्ना गौड़ साहस के प्रतीक है। 18 अगस्त (आज) को सरदार पपन्ना की जयंती पर उनको याद करते हुए सीएम केसीआर से कहा कि पपन्ना सभी वर्गों के स्वाभिमान की प्रेरणा बनकर खड़े रहे। उन्होंने कहा कि पपन्ना ने तत्कालीन तानाशाही और निरंकुशता के खिलाफ सभी वर्गों को एकजुट करके लड़ाई लड़ी। सीएम केसीआर ने कहा कि राज्य सरकार पिछड़े समुदायों को उचित सम्मान दे रही है आधिकारिक तौर पर पपन्ना की जयंती समारोह मना कर तेलंगाना उनकी अन्याय के खिलाफ लड़ाई में प्रदर्शित जज्बे को सरकार जारी रखे हुए है।

हिमायत सागर में तीन दिन बाद मिला लापता युवक

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल स्थित अपने घर से मंगलवार को लापता हुआ एक व्यक्ति गुरुवार को शहर के बाहरी इलाके हिमायत सागर में मृत पाया गया। पुलिस ने कहा कि संदेह है कि वह परेशान था और आत्महत्या से मर गया। व्यवसायी श्रीधर यादव (50) नाम के व्यक्ति ने मंगलवार शाम को अपने घर से अपने परिवार के सदस्यों को सूचित किया कि वह काम पर बाहर जा रहा है, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने बुधवार को शिकायत दर्ज कराई और शाहीनयथगंज पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज किया। उसकी तलाश के दौरान भी गुरुवार को यादव का शव हिमायत सागर पर तैरता मिला। राजेंद्रनगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। उनके परिवार को शक है कि यादव की मौत आत्महत्या से हुई है।

भारी मात्रा में जाली नोट के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी की मीरचौक पुलिस ने हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स (दक्षिण) की सहायता से नकली भारतीय नोटों को छापने और प्रसारित करने वाले दो लोगों को गुरुवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से ढाई लाख रुपये मूल्य के नकली नोट बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में महाराष्ट्र के लातुर के सैयद अंसार (27) और फलकनुमा के वट्टेपल्ली के शेख इमरान (33) थे। मुख्य संदिग्ध कर्नाटक का शेखर फरार है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) पी. साई चैतन्य ने कहा कि शेखर ने एक कंप्यूटर और एक प्रिंटर खरीदा था और कर्नाटक के हुसूर में अपने घर पर नकली मुद्रा छाप रहा था।

शेखर ने 8,000 रुपये लेकर 50,000 रुपये के 100 रुपये, 200 रुपये और 500 रुपये के मूल्यवर्ग के नोट अंसार को सौंप दिया, जिन्होंने इमरान के साथ पूरे बंडल का आदान-प्रदान किया और 15,000 रुपये एकत्र किए। योजना इसे बाजार में प्रसारित करने और व्यापारियों को धोखा देने की थी। डीसीपी ने कहा कि मीरचौक पुलिस और टास्क फोर्स ने अंसार और इमरान को एमजीबीएस बस स्टेशन से पकड़ा। शेखर को पकड़ने के प्रयास जारी थे।

फिर लोकप्रिय हुआ टैंकबंड और चारमीनार का संडे फनडे कार्यक्रम

21 को स्वतंत्र भारत वज्रोत्सव का होगा समापन

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कई हफ्तों के अंतराल के बाद टैंक बंड और एक शाम चारमीनार के नाम में लोकप्रिय संडे फनडे को स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले फिर कार्यक्रम शुरू कर दिया गया। यह कार्यक्रम हैदराबादियों के साथ एक हिट साबित हुआ। इस सप्ताह के अंत में, सभी कार्यक्रम बड़े और बेहतर बनने के लिए तैयार हैं। स्वतंत्र भारत वज्रोत्सवलु के समापन पर बैंड प्रदर्शन, सांस्कृतिक गतिविधियों और खेलों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए कलाकारों और संगीतकारों का भी स्वागत है। "21 अगस्त (रविवार) - टैंक बंड में रविवार का दिन और स्वतंत्र भारत वज्रोत्सव का समापन करने के लिए एक शाम चारमीनार के नाम। एक सुकून भरी शाम के लिए दोस्तों और परिवार के साथ आएं। शहरी विकास के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार ने ट्वीट किया, कलाकारों / संगीतकारों का अपनी प्रतिभा (एसआईसी)आने और प्रदर्शन करने के लिए स्वागत है। संडे-फनडे कार्यक्रम शुरू में 2021 में शुरू किया गया था और कुछ हफ्तों के बाद, इसे कोविड-19 प्रतिबंधों सहित कई कारणों से अस्थायी रूप से रोक दिया गया था।

हुमायूंनगर पुलिस की क्राइम टीम के एक्शन से कई चेहरों पर आई मुस्कान

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी पुलिस की हुमायूं नगर थाने की क्राइम टीम के एक्शन से 50 लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। पुलिस ने गायब हुए 50 मोबाइल फोन को बरामद किया। बरामद मोबाइलों का मूल्य 7,50,000 रुपए बताया जा रहा है। काफी दिनों से फोन गायब होने से कई लोग परेशान थे। कई लोग तो मोबाइल फोन वापस पाने की उम्मीद छोड़ चुके थे।

हलांकि पुलिसकर्मियों की टीम ने गायब हुए पचास मोबाइल फोन को बरामद कर लोगों को वापस लौटा दिया। एसीपी आसिफनगर संभाग आर. जी. शिवा, पुलिस निरीक्षक के. नारायण रेड्डी, अतिरिक्त पुलिस निरीक्षक एस कोटेश्वर राव, उप-निरीक्षक डिटेक्टिव मोहम्मद अहमद पाशा, हुमायूँ नगर पुलिस स्टेशन की टीम ने मोबाइल बरामद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.vaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रामदेव ज्योतिष
मो. 8801305757
जन्म कुंडली, संतान प्राप्ति, विवाह-सगाई में देरी, व्यापार में घाटा, मोहिनी वशीकरण, किया-कराया, सास-बहू में असंतोष, सौतन समस्या, घर में अशांति, शत्रुनाश, प्रेम समस्या, लक्ष्मी बंधन, पति-पत्नी में अनबन, भूमि लाभ आदि सभी समस्याओं का समाधान।
विश्वसनीय राजस्थानी पंडित जी
घर पर आकर सेवाएँ देने और फ़ोन पर भी सुविधा उपलब्ध।
माँ-बहनें निःसंकोच अपना घर-मंदिर समझ कर पधार सकती हैं।
बात गुप्त रहेगी, फ़ीस केवल : 200/-
काचीगड़ा, हैदराबाद. समय : 10.00 से 6.00 बजे तक

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

बंजारा हिल्स में एस्केलेटर पर फिसलने से 10 छात्र, शिक्षक घायल

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स के एक मल्टीप्लैक्स में गुरुवार को एक चलती एस्केलेटर पर फिसलकर गिर जाने से कम से कम 10 स्कूली छात्र और एक शिक्षक मामूली रूप से घायल हो गए। सूत्रों ने कहा कि छात्र बंजारा हिल्स के आरके मल्टीप्लैक्स में भारत की आजादी के हीरक जयंती समारोह के तहत 'गांधी' फिल्म की मुफ्त स्क्रीनिंग देखने आए थे। कुछ तकनीकी खराबी के कारण छात्र सीढ़ियों पर थे तभी अचानक बीच में फंस गया, जिससे उन्हें मामूली चोटें आईं। अधिकारियों ने कहा कि सभी छात्र सुरक्षित हैं और घायल छात्रों के माता-पिता को घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है। मुख्य सचिव सोमेश कुमार के निर्देश पर सभी घायल छात्रों को इलाज के लिए जुबली हिल्स के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विशाखापत्तनम में राउडीशीटर की हत्या

विशाखापट्टणम, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टणम में सार्वजनिक रूप से दो व्यक्तियों द्वारा एक उपद्रवी-शीटर की हत्या कर दी गई। पुलिस ने कहा कि आपराधिक रिकॉर्ड वाले व्यक्तियों के बीच प्रतिद्वंद्विता ने बुधवार शाम को नृशंस हत्या कर दी। बी. अनिल कुमार (36) की मौके पर ही मौत हो गई जब उसका दोस्त श्याम प्रकाश और एक अन्य व्यक्ति ने उसे बार-बार चाकू मार दिया। घटना एमवीपी कॉलोनी में एक व्यस्त सड़क पर हुई, जिससे लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, कार चालक अनिल कुमार हत्या के एक मामले में शामिल था और उसके खिलाफ एक उपद्रवी चादर खोली गई थी। दहेज के एक मामले में आरोपी श्याम प्रकाश से उसकी दोस्ती हो गई थी।

श्याम प्रकाश को पता चला कि अनिल कुमार उनके बारे में गलत बातें कर रहे हैं, उसके बाद दोनों के बीच लड़ाई हो गई। बुधवार शाम दोनों ने दो अन्य लोगों के साथ एक बार में शराब का सेवन किया। उनके बीच तीखी नोकझोंक हुई। बार से बाहर आने के बाद वे लड़ते रहे। श्याम प्रसाद ने एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर अनिल कुमार पर हमला किया और उन्हें मौत के घाट उतार दिया, क्योंकि राहगीरों ने डरावनी दृष्टि से देखा। हत्या के बाद हमलावर फरार हो गए। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

मैसूर का व्यापारी हैदराबाद के होटल में मृत मिला

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नाटक के एक व्यापारी की बुधवार रात लकडीकापुल के एक होटल में कथित तौर पर आत्महत्या करने से मौत हो गई। पुलिस को संदेह है कि उसने अपनी कलाई काट ली और उसकी मौत हो गई। मृत व्यक्ति की पहचान मैसूर के वीवी मोहल्ला के मूल निवासी किरण नारायण (46) के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक कि वह शारीरिक रूप से अक्षम था। उसने मंगलवार को स्टार होटल में चेक इन किया था और बुधवार को उसने कमरे के बाहर 'डोंट डिस्टर्ब' बोर्ड लगाया था। उसने सुबह से दरवाजा नहीं खोला और खाना भी नहीं खाया। हाउसकीपिंग स्टाफ को शक हुआ और उसने होटल प्रबंधन को जानकारी दी। उन्होंने फिर कमरे को खोलने के लिए एक मास्टर चाबी का इस्तेमाल किया और उसे एक कुर्सी पर मृत पाया। उसकी कलाई कटी हुई थी और बहुत अधिक खून बहने के निशान थे। पुलिस की माने तो हालांकि प्रारंभिक जांच में आत्महत्या से मौत का संकेत मिला है, सभी संभावित कोणों की जांच की जा रही है।

बाघ के कारण लोग दहशत में

टाइगर ने तीन दिनों में 3 इंसानों की जान ली

(फाइल फोटो)

कुमराम भीम आसिफाबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में रहने वाले लोगों के लिए एक बाघ, जो जाहिर तौर पर हत्या की होड़ में है, चिंता का विषय बन गया है। इसने पिछले तीन दिनों में जिले के विभिन्न हिस्सों में तीन लोगों को मौत के घाट उतार दिया और एक अन्य को घायल कर दिया, जिससे कई दूरस्थ और जंगल के किनारे के गांवों के निवासी सचमुच आतंकित हो गए।

बुधवार को नागभीद तालुक के मेंडा भगवानपुर गांव में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ खेत में धान की रोपाई कर रहे किसान विलास (48) पर बड़ी बिल्ली ने हमला कर दिया। यह कथित तौर पर उस पर झपटा और उसे कुछ दूर तक घसीटा। किसान की हत्या करने पर उसकी पत्नी और बच्चे मूकदर्शक बने रहे।

सोमवार को एक और हमले में, बाघ ने 63 वर्षीय आदिवासी चरवाहे रामदास नैथम की हत्या कर दी, जब वह सिंधवाही तालुक में एक जंगल के किनारे पर मवेशी चर रहा था। इसने मंगलवार को ब्रह्मपुर तालुक के दुदवाही गांव में अपने खेत में काम कर रहे मुखरू रौथ (62) पर हमला किया और मार डाला। इसने उसी दिन इस तालुक से संबंधित प्रभाकर मदवी को घायल कर दिया। 10 जून को चंद्रपुर जिले के ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व (टीएटीआर) के मूल रेंज में पडजारी के जंगलों में मवेशी चराने गए चरवाहे गुड्डू मोहुरले (32) को एक बाघ ने मार डाला। इस क्षेत्र में अप्रैल से जून के बीच पहले ही तीन लोगों की मौत हो चुकी है। जिले में इस वर्ष 19 मौतें दर्ज की गईं, जो इस वर्ष शिकारियों के हमलों के कारण हुईं, जबकि 2021 में 39 की रिपोर्ट की गई थी। उनमें से 14 को राष्ट्रीय पशु द्वारा मार दिया गया था। स्थानीय लोगों ने वन विभाग के अधिकारियों से हत्यारे बाघ को पकड़ने और आगे मानव हानि को रोकने के लिए कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि वे शिकारी के हमलों के डर से बाहर नहीं निकल रहे थे। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि प्रादेशिक जानवर मनुष्यों को निशाना बना रहा था क्योंकि उसे उनका खून चूसने की लत थी।

चंद्रपुर जिला तेलंगाना के कुमराम भीम आसिफाबाद जिले की उत्तरी सीमा बनाता है। टीएटीआर में रहने वाले बाघ अक्सर क्षेत्र और भोजन की तलाश में इस जिले के जंगलों में चले जाते हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.